दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 190/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 | डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 17 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

भारत में ट्विटर के 3 में से 2 ऑफिस बंद

नई दिल्ली। ट्विटर ने शुक्रवार को भारत में 3 में से 2 ऑफिस बंद करने का ऐलान। ये दो ऑफिस दिल्ली और मुंबई के हैं। बेंगलुरु में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का ऑफिस पहले की तरह चलता रहेगा। ब्लूमबर्ग न्यूज ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। इसमें बताया गया कि जब कर्मचारी ऑफिस पहुंचे तो उन्हें घर भेज दिया गया। ष्टहृक्चष्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्विटर की इंडियन टीम में अब केवल 3 एम्प्लॉई बचे हैं।

सांध्यप्रकाश विशेष

17 व 18 की मध्यरात्रि 2 बजे से बाबा महाकाल के दर्शन होंगे प्रारम्भ

उज्जैन। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम एवं पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने आज त्रिवेणी संग्रहालय के सभाकक्ष में प्रेस से चर्चा करते हुए बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा श्रद्धालुओं के सुगम एवं सुरक्षित दर्शन करवाने हेतु व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

कलेक्टर ने बताया कि अनुमानत- श्रद्धालुओं को एक घंटे में दर्शन हो जायें, इस तरह की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। दर्शन में लगने वाले वेटिंग टाइम में विभिन्न स्थानों पर भजन मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किये जायेंगे। आगन्तुक श्रद्धालुओं को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मन्दिर में प्रवेश हेतु निर्धारित द्वार से प्रत्येक 200 मीटर दूरी पर पानी की बॉटल नि-शुल्क वितरित की जायेगी। साथ ही पार्किंग स्थल पर पीने के पानी के टेंकर खड़े किये जायेंगे। गर्मी के मद्देनजर प्रवेश द्वार से लेकर निर्गम द्वार तक, निर्गम द्वार से जूता स्टेण्ड तक मेटिंग बिछाकर शामियाना लगाया गया है।

पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि महाशिवरात्रि पर दर्शन व्यवस्था के लिये निर्धारित की गई व्यवस्था अनुसार आगन्तुक श्रद्धालु गंगोत्री गार्डन की साइड से प्रवेश करेंगे। यहां से चारधाम मन्दिर पानी की टाकी वाले मार्ग से रूद्र सागर के किनारे किनारे त्रिवेणी संग्रहालय की ओर जायेंगे।

त्रिवेणी संग्रहालय पानी की टंकी, नन्दी मण्डपम से महाकाल लोक होते हुए मानसरोवर भवन में प्रवेश कर फेसिलिटी सेन्टर-1 से होकर कार्तिक मण्डपम में प्रवेश करेंगे। दर्शनार्थी कार्तिक मण्डपम अथवा गणेश मण्डपम में बाबा महाकाल के दर्शन कर सकेंगे। दर्शन उपरांत निर्गम द्वार होते हुए गेट नं.-4 अथवा 5 से बाहर की ओर प्रस्थान करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी व्यवस्थाओं का मूल उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुगम व सुरक्षित दर्शन कराना है। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक दर्शनार्थी इन्दौर रोड से उज्जैन की ओर आते हैं, बाकी देवास, बड़नगर, नागदा, आगर आदि मार्ग से उज्जैन पहुंचेंगे। दर्शनार्थियों के आगमन के रास?ते के अनुसार ही पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने बताया कि इन्दौर, देवास, मक्सी की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं को कर्कराज पार्किंग तक आना होगा। यहां गाड़ी पार्क करके वे कलोता समाज की धर्मशाला से आगे आकर गंगोत्री गार्डन के बगल से निकलकर चारधाम पार्किंग में पहुंचेंगे। यहां से रूद्र सागर के किनारे-किनारे होकर त्रिवेणी संग्रहालय पहुंचेंगे। फिर महाकाल लोक होकर मानसरोवर फेसिलिटी सेन्टर तक जायेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इन्दौर रोड से आने वाले यात्रियों के लिये मन्नत गार्डन की पार्किंग एवं देवास व मक्सी से आने वाले यात्रियों के लिये इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ-साथ मन्नत गार्डन की पार्किंग का भी उपयोग किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि बड़नगर नागदा की ओर से आने वाले यात्रियों के लिये मुल्लापुरा चौराहे पर आदिनाथ मन्दिर एवं आश्रम के पास पार्किंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि भील समाज की धर्मशाला के पास जूता स्टेण्ड बनाया गया है। श्रद्धालुगण दर्शन उपरांत बड़ा गणपति से होकर हरसिद्धि मन्दिर वाले मार्ग से फिर से नृसिंह घाट होकर जूता स्टेण्ड तक पहुंचेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के अवसर पर महाकालेश्वर मन्दिर समिति प्रशासक संदीप सोनी, एडीएम संतोष टैगोर, अपर कलेक्टर अनुकुल जैन, एएसपी अभिषेक आनन्द, डॉ.इंद्रजीत बाकलवार, पुलिस उप अधीक्षक एसपीएस राठौर एवं मीडिया के प्रतिनिधिगण मौजूद थे।

साक्षी ने आज आदिवासियों की पिथौरा चित्रकला पीएम को दिखाई !

अलीराजपुर। आदिवासी संस्कृति की चित्रकला में पारंगत साक्षी भयडिया ने आज आदि महोत्सव 2023 के उदघाटन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाक़ात कर आलीराजपुर जिले की पिथौरा चित्रकला की जानकारी दी। साक्षी 22 साल की जोबट की रहने वाली युवती है। वे फाइन आर्ट्स में एमए करने बाद पीएचडी कर रही हैं।

आलीराजपुर जिले के लिए बहुत ही गौरव की बात है कि यहां कि एक आदिवासी बेटी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और उन्हें आदिवासी सांस्कृतिक की पेंटिंग के साथ आलीराजपुर जिले की पिथौरा चित्रकला के बारे में बताने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपने हाथों से बनी वस्तुएं भी गिफ्ट करने का अवसर प्राप्त हुआ। वे आर्गेनिक रंगों का प्रयोग करके कैनवस, कपड़े, प्लाय बोर्ड आदि पर पारंपरिक जनजातीय शैली के चित्र बनाती हैं। साथ ही वे जनजातीय समुदाय में उपयोग में आने वाली वस्तुओं को पारंपरिक और जैविक रंगों से सजाती हैं।

आदिवासी कुर्ता, स्कार्फ, रूमाल, ओढ़नी आदि वस्त्रों पर वे अपनी कला से आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा भी दे रही। वे पिथौरा पेंटिंग वाली घड़ियां भी बनाती हैं। साक्षी ने 9 अगस्त 2021 को आम्बुआ में हुए 'विश्व आदिवासी दिवस' पर एक बड़े पेड़ पर टंट्या मामा का चित्र बनाया था। इसी तरह का एक चित्र उन्होंने जोबट कॉलेज ग्राउंड में भी एक बड़े पेड़ पर बनाया था। जी-20 के डेलीगेट्स ने भी इंदौर में उनके स्टाल पर विजिट की और काम को सराहा था। सभी डेलीगेट्स ने कुछ न कुछ भी सामग्री खरीदी। साक्षी के इस कार्य से देश की संस्कृति की पहचान विदेशों तक जा रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में 2008 बैच की आईएएस अधिकारी बनी डायरेक्टर

No.21/2/2023-EO(MM-I)
Government of India
Department of Personnel and Training
Office of the Establishment Officer

North Block, New Delhi
Dated, the 16th February, 2023

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Appointment of Ms. Lalithalakshmi, IAS(WB:2008), Campus Director, NIFT, Kolkata as Director in Prime Minister's Office - regarding.

Ref: Prime Minister's Office I.D. Note No. 5620527/PMO/2023-HR Cell dated 16.02.2023 on the subject cited above.

2. The Appointments Committee of the Cabinet has approved the appointment of Ms. Lalithalakshmi, IAS(WB:2008), Campus Director, NIFT, Kolkata as Director in Prime Minister's Office on lateral shift basis, for the balance period of deputation tenure (upto 28.02.2027) or until further orders, whichever is earlier.

(Pooja Jain) 16-02-23
Deputy Secretary to the Government of India

Prime Minister's Office,
(Shri Rohit Yadav, Joint Secretary)
New Delhi

F. No.21/2/2023-EO (MM-I) Dated, the 16th February, 2023

Copy to:-
1. Prime Minister's Office (Shri H.A. Modak, Director) New Delhi.
2. Cabinet Secretariat (Ms. Kavita Singh, Joint Secretary), New Delhi.
3. M/o Textiles (Ms. Rachna Shah, Secretary), New Delhi.
4. Chief Secretary, Government of West Bengal, Kolkata.
5. PS to MOS(PP)/ PSO to Secretary (P).
6. PPS to EO/DS(SM)/US(FA-UN)/Guard file.

(Pooja Jain) 16-02-23
Deputy Secretary to the Government of India

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा की 2008 बैच की वेस्ट बंगाल कैडर की अधिकारी ललितालक्ष्मी को प्रधानमंत्री कार्यालय में डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। वे कोलकाता में NIFT की कैंपस डायरेक्टर ललिता लक्ष्मी को अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रधानमंत्री कार्यालय में महत्वपूर्ण जवाबदारी दी गई।

जिलों के कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा चर्चा

प्रदेश के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहें: मुख्यमंत्री शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि ऐसी व्यवस्था की जाए कि प्रदेश के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से चलती रहें। इलाज कराने आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की कठिनाई और परेशनी नहीं हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज देर रात्रि निवास कार्यालय समत्व भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से चर्चा कर शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में स्वास्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, स्वास्य्ज एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, अपर मुख्य सचिव गृह श्री राजेश राजौरा, स्वास्थ्य आयुक्त डा. सुदाम खाड़े सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी ड्यूटी है कि किसी भी मरीज की जिंदगी को खतरा न पैदा हो। सबको सुविधाजनक इलाज मिलता रहे। जिला अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध रहे, इसके लिए सभी का सहयोग लिया जाए।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री के साथ चर्चा के बाद चिकित्सा महासंघ की हड़ताल खत्म

महासंघ की मांगों को लेकर बनाई जाएगी हाई पावर समिति

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को चिकित्सा महासंघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में चिकित्सकों की हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया गया। मीडिया से चर्चा के दौरान मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि महासंघ की मांगों पर विचार करने हेतु हाई पॉवर कमिटी का गठन किया जायेगा।

शासन के साथ चिकित्सा विभागों के प्रतिनिधि भी होंगे समिति का हिस्सा- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि चिकित्सा महासंघ के पदाधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान हाई पॉवर समिति के गठन का निर्णय लिया गया है। यह समिति चिकित्सकों की मांगों को लेकर विचार कर सरकार के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। सरकार समिति द्वारा दिये गये सुझावों पर विचार कर समय सीमा में निर्णय लेगी। उन्होंने बताया कि समिति में चिकित्सा महासंघ के तीन प्रतिनिधि भी इस कमेटी में शामिल होंगे। महासंघ में विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व भी है इसीलिए हाई पॉवर समिति में महासंघ में सम्मिलित प्रतिनिधियों को शामिल किया जायेगा।

राज्य सरकार चिकित्सकों की मांग को लेकर संवदेनशील और गम्भीर- मंत्री श्री सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार संवाद स्थापित कर हर वर्ग के कल्याण और उनके समस्याओं के निराकरण के लिये कार्य करती है।उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की मांगों को लेकर राज्य सरकार संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ विचार कर शीघ्र ही निर्णय लेगी। प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था में कहीं कोई दिक्कत नहीं आई है। सभी चिकित्सक काम कर रहे हैं।

कुबेरेश्वर धाम में रोका गया रुद्राक्ष वितरण, बेकाबू भीड़ को देखते हुए लिया गया निर्णय

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में स्थित कुबेरेश्वर धाम में पंडित प्रदीप मिश्रा शिव कथावाचन के साथ ही अभिमंत्रित

रुद्राक्ष भी बांट रहे हैं। बेकाबू भीड़ को देखते हुए गुरुवार को करीब 12 बजे से रुद्राक्ष वितरण रोक दिया गया है। आज यानि शुक्रवार को रुद्राक्ष वितरण के दूसरे दिन भी इसे बंद ही रखा गया है। गुरुवार को कुबेरेश्वर धाम में भीड़ अनियंत्रित हो गई थी, जिससे भगदड़ जैसे हालात बन गए थे, वहीं महाराष्ट्र की एक महिला की मौत भी हो गई थी।

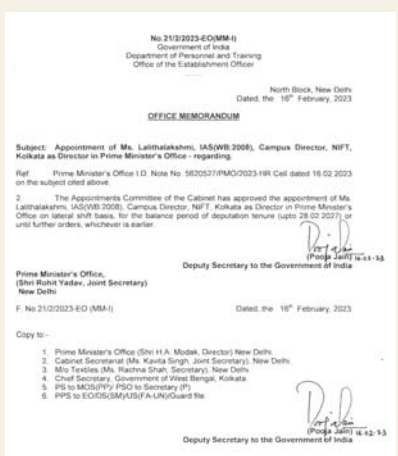

स्टिंग ऑपरेशन के बाद चेतन शर्मा का इस्तीफा

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता का पद छोड़ा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चनयकर्ता चेतन शर्मा ने स्टिंग ऑपरेशन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक स्टिंग ऑपरेशन में चेतन शर्मा ने भारतीय टीम और खिलाड़ियों से जुड़े कई खुलासे किए थे। इसके बाद वह लगातार विवादों में बने हुए थे। अब उन्होंने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति के अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। चेतन शर्मा ने अपने अपना इस्तीफा बीसीसीआई सचिव जय शाह को भेजा है और उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। उन्हें सात जनवरी 2023 को दूसरी बार भारतीय टीम की चयन समिति का अध्यक्ष चुना गया था। इसके लगभग एक महीने बाद ही उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता बने हैं, लेकिन दोनों बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके हैं। चेतन शर्मा ने एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में विराट कोहली और सौरव गांगुली के रिश्ते से लेकर खिलाड़ियों के इंजेक्शन लेने सहित कई मामलों पर गंभीर खुलासे किए थे। चेतन शर्मा ने कहा था कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी 80 प्रतिशत फिट होने पर इंजेक्शन लेते हैं और 100 प्रतिशत फिट हो जाते हैं।

छिंदवाड़ा कलेक्ट्रेट में सुसाइड का प्रयास करने वाले ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट मिला

छिंदवाड़ा। जमीनी विवाद के मामले में न्याय नहीं मिलने की शिकायत को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में जहर खाकर आत्महत्या करने की कोशिश करने वाले किसान नरेश पवार ने आज अपने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नरेश पवार ने किन कारणों से आत्महत्या की है पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। बताया जाता है कि मोहखेड़ नरसाला निवासी नरेश पवार की 12 एकड़ पुश्तैनी जमीन बेहरिया भुताई में है। पिछले साल नरेश पवार ने इस जमीन के कुछ हिस्से पर किसी और के कब्जे करने की शिकायत को लेकर न्याय नहीं मिलने की बात की थी इसे लेकर उसने 7 दिसंबर 2021 को कलेक्ट्रेट में जहर पिया था। जिसके बाद दोबारा मोहखेड़ तहसील परिसर में किसान ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। आज नरेश पवार ने इसी विवादित जमीन में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। किसान ने आत्महत्या क्यों की है इस मामले की फिलहाल जांच जारी है।

कलेक्टर ने कहा पता लगाती हूं- किसान की आत्महत्या के संबंध में क्षेत्रीय विधायक नाना मोहन ने फोन नहीं उठाया कलेक्टर से इस संबंध में बातचीत की तो उन्होंने कहा कि मैं घटना का पता लगाती हूं, एसडीएम सौसर ने कहा कि वह छुट्टी पर हैं तहसीलदार ने बार-बार फोन करने पर भी फोन नहीं उठायां।

मणिपुर की राज्यपाल अनसुइया उइके छिंदवाड़ा पहुंची

छिंदवाड़ा। मणिपुर की नवनियुक्त राज्यपाल सुश्री अनसुइया उइके छिंदवाड़ा पहुंचने पर उन्होंने मणिपुर का राज्यपाल बनाए जाने पर उन्होंने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री का आभार माना उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में रहते हुए उन्होंने जनता की सेवा करने का प्रयास किया छिंदवाड़ा पहुंचने पर कलेक्टर शीतला पटले पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा एवं अन्य लोगों ने उनका स्वागत किया 22 फरवरी को मणिपुर राज्य का पदभार ग्रहण करेंगी।

अभी जारी है रुद्राक्ष पुराण, अव्यवस्था, जाम और बेकाबू भीड़!

सीहोर। रुद्राक्ष पुराण अभी ख़त्म नहीं हुआ। गुरुवार को रुद्राक्ष वितरण बंद करने की घोषणा के बाद शुक्रवार सुबह फिर कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव शुरू हो गया। सुबह से रुद्राक्ष पाने ली चाह में लोगों की लाइन लग गई। उधर, इंदौर-भोपाल हाईवे पर वाहन चल नहीं रहे, रेंगते नजर आ रहे हैं। पं प्रदीप मिश्रा के कुबेरेश्वर धाम में फिर लाखों की संख्या में श्रद्धालु सुबह से ही रुद्राक्ष के लिए लाइन में खड़े हैं। जिला प्रशासन की व्यवस्थाएं घुटने टेकती नजर आईं।

सीहोर के मार्ग पर जहां नजर दौड़ाओ भीड़ ही भीड़ दिखाई दे रही है। सड़क किनारे लोग थके हारे बैठे हैं। बच्चे, बुजुर्ग सब बेहाल हैं। लाखों जानें मुसीबत में है, हजारों गाड़ियां जाम में फंसी गई। ये हालात कुबेरेश्वर धाम से भोपाल की ओर आने वाले 20 किमी लंबे रास्ते पर कहीं भी दिख जाएंगे। फोरलेन पर सीहोर के चौपाल सागर चौराहे से आष्टा के पहले तक आठ घंटे जाम लगा रहा। चितावलिया हेमा गांव में बने कुबेरेश्वर धाम में गुरुवार से शुरू हुए रुद्राक्ष महोत्सव में 20 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। बेकाबू भीड़ के कारण हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि यहां एक महिला की मौत हो गई, कई लापता हैं। सीहोर एसपी मयंक अवस्थी का कहना है कि 1500 का फोर्स लगा हुआ है। इनमें 500 जवान सीहोर के हैं, जबकि 1000 पीएचक्यू से बुलाए हैं। लेकिन, सड़क पर पैदल चलने वाले लाखों हैं, इसलिए जाम लगा।

गुरुवार को लोग घंटों रुद्राक्ष पाने की उम्मीद में लाइन में खड़े रहे, लेकिन रुद्राक्ष नहीं मिला। पूरी रात भक्तों आवाजाही करते रहे। शुक्रवार सुबह से फिर रुद्राक्ष लेने वाले लाइन में लग गए। इतनी भीड़ है कि पैर रखने तक की जगह नहीं। 5 से 6 लाख लोग आयोजन स्थल पर मौजूद हैं। कई लोग इस भीड़ में गुम गए, जिनके परिजन उन्हें ढूंढ रहे हैं। रातभर से अव्यवस्था का यही आलम है।

बाहर से आई एक महिला को भीड़ देखकर आश्चर्य है और पंडित प्रदीप मिश्रा के दावे पर भी। इतनी अव्यवस्था होगी उन्होंने सोचा नहीं था। पीने का पानी तक नहीं है। बाथरूम में लॉक लगे थे। ऑटो वाले एक-एक व्यक्ति से 500-500 रुपए ले रहे हैं। हर चीज महंगी है। रुद्राक्ष फेंक कर दिए तो कई लोग दब गए। कोई पूजा वाले रुद्राक्षों को ऐसा फेंकता है क्या। लोग परेशान है। उनका कि जब 16 से रुद्राक्ष बांटने की बात कही थी, तो 15 तारीख को क्यों बांटना शुरू किया। पिछले साल भी यही हुआ था। पंडित जी ने कहा था कि एक महीने का बच्चा आए, तो उसे भी रुद्राक्ष देंगे, कहां गया उनका यह वादा। पानी तक के लिए भटकते रहे। रुद्राक्ष तो छोड़िए पानी, खाने तक की व्यवस्था नहीं कर पाए।

प्रशासन की व्यवस्था पर सवाल उठे

प्रशासन ने पिछली बार हुई घटना से कोई सबक नहीं लिया। इस साल भी इंदौर-भोपाल हाईवे पर जाम के हालात बने हैं। वाहनों की कतार लग गई। लोगों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। इस जाम से हर कोई परेशान है। इस मार्ग से निकल रही कई एम्बुलेंस भी फंस गईं। जबकि, प्रशासन का कहना है कि पुराण कथा के नाम पर अनुमति ली गई थी। समिति ने 5 से 6 लाख लोगों के आने का अनुमान बताया था, फिर भी हमने 10 लाख लोगों के लिए धाम में जाने और बाहर आने के इंतजाम किए थे। सुबह से भीड़ बढ़ती गई और दोपहर 12 बजे तक करीब 20 लाख लोग पहुंच गए। ये अनुमान से दोगुना है। इसे कंट्रोल करना मुश्किल हो गया है। 5 पार्किंग रात में फुल हो गईं थीं। सुबह जो लोग पहुंचे उन्होंने सड़क पर गाड़ियां लगा दीं। 95त्न लोग चार पहिया वाहन से पहुंचे। महोत्सव के लिए समिति ने सोशल मीडिया के जरिए आमंत्रण दिया। जिसे जो जानकारी मिली, वो पहुंच गया। लेकिन, फिर भी ये सवाल उठता है कि इतनी अव्यवस्था होने, एक महिला की मौत होने पर भी आयोजन को रोका क्यों नहीं गया ! आज भी भीड़ क्यों इकट्ठा है !

वे गलतियां जो समिति से हुई प्रशासन ने उसकी अनदेखी की

रुद्राक्ष महोत्सव के लिए समिति ने सोशल मीडिया, अखबार आदि के जरिए आमंत्रण दिया। जहां जिसे जो जानकारी मिली, वो पहुंच गया। पार्किंग कम थी, इसलिए वाहन जमा होते गए। पार्किंग रात में फुल हो गई थीं। सुबह जो लोग पहुंचे उन्होंने सड़क पर गाड़ियां लगा दीं। 95त्न लोग दो और चार पहिया वाहन से पहुंचे। रुद्राक्ष के लिए भीड़ न बढे, इसलिए बुधवार से ही रुद्राक्ष बांटना शुरू कर दिया गया। गुरुवार सुबह इतनी भीड़ आई कि 10 काउंटर्स पर घंटों लाइन में लगे लोग बेकाबू हो गए। वे चढ़ते, कुचलते हुए सभी जल्द रुद्राक्ष लेना चाहते थे। माहौल बिगड़ता देख दोपहर में पं. प्रदीप मिश्रा ने रुद्राक्ष वितरण बंद कर दिया।

अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन एवं नागरिक अभिनंदन समारोह हुआ

पूर्वोत्तर भारत के छात्रों का नागरिक अभिनंदन कर भेंट किए स्मृति चिन्ह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन एवं राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा-2023 में पूर्वोत्तर भारत से भोपाल पधारे विद्यार्थियों का नागरिक अभिनंदन समारोह सम्पन्न हुआ। स्थानीय समन्वय भवन में गुरूवार सांय अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जी.अखेतो सेमा के मुख्य आतिथ्य, महापौर मालती राय एवं निगम परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी के विशेष आतिथ्य में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में एकात्म यात्रा में सम्मिलित पूर्वोत्तर भारत के छात्रों का नागरिक अभिनंदन स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। समारोह में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री गोविन्द नायक, मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व स्वागत समिति के पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद थे।

महापौर ने किया विश्वविद्यालय महिला शतरंत प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण: महापौर मालती राय ने पश्चिम क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय महिला शतरंज प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित किए। राजधानी के रातीबड़ स्थित आई.ई.एस. यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में आयोजित प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में महापौर श्रीमती राय ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए। महापौर श्रीमती राय ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इससे पहले आयोजन समिति द्वारा महापौर श्रीमती राय को स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर आई.ई.एस. यूनिवर्सिटी के चांसलर बी.एस.यादव के अलावा बडी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रशंसक व आयोजन समिति के सदस्य मौजूद थे।

सांची ने पुनः शुरू किया शीतल आम्रखंड और लस्सी लाइट

भोपाल। भोपाल सहकारी दुग्ध संघ ने गर्मी के मौसम को देखते हुए उपभोक्ताओं की माँग पर आम्रखण्ड और साँची लस्सी लाइट की रि-लॉंचिंग की है। दोनों दुग्ध उत्पाद साँची के सभी पार्लर, एजेन्सी सहित आउटलेट्स पर आसानी से उपलब्ध होने लगे हैं। साँची दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और शुद्धता के प्रति उपभोक्ताओं में काफी विश्वास बढ़ा है।

सांची लस्सी लाइट: केवड़ा फ्लेवर से भरपूर साँची लस्सी लाइट, पाचन में मददगार है। गर्मी में ठण्डक का एहसास देने वाले इस उत्पाद में कम फेट होता है। इसका सेवन आग बरसाती गर्मी और खाने के बाद किया जा सकता है। इसमें प्रति 100 ग्राम पर 79 कैलोरी और 1.5 प्रतिशत फेट होता है। यह पाउच पैक में उपलब्ध है और 100 ग्राम पाउच का उपभोक्ता मूल्य 15 रूपए है।

सांची आम्रखण्ड: यह फलों के राजा आम के स्वाद वाला स्वादिष्ट दुग्ध पदार्थ है। इसका निर्माण गाढ़ी क्रीमी अलफांसो आम की प्यूरी से बनाया गया है। इसमें प्रति 100 ग्राम पर 234 कैलोरी, 5.4 प्रतिशत प्रोटीन और 8.6 प्रतिशत फेट रहता है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरूवार को विकास यात्रा के दौरान इंदौर की विधानसभा सांवेर के ग्राम लसुड़ियापरमार में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का गृह प्रवेश कराया। साथ ही हितग्राहियों को नये आवास की शुभकामनाएँ भी दी।

मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में चौमुखी विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश को जो सौगातें दी है उनके परिणामस्वरूप आज हर क्षेत्र में निरन्तर उन्नति हो रही है और एक समृद्ध एवं आत्म-निर्भर भारत के निर्माण में योगदान दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य जन-कल्याण और विकास है। प्रदेश की जनता तक सरकार की योजनाओं को पहुँचाने के उद्देश्य से विकास यात्रा निकाली जा रही है, जिसे जनता का अपार समर्थन मिल रहा है।मंत्री सिलावट ने विधानसभा सांवेर के ग्राम राहुखेड़ी और लसुड़ियापरमार में एक करोड़ 8 लाख रूपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इसी क्रम में ग्राम बरोदाअर्जुन में लगभग 12 लाख रूपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। ग्राम व्यासखेड़ी, मेलकलमा और मण्डलावदा में लगभग 40 लाख, बुढ़ीबरलाई में 30 लाख रूपए की लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने विकास यात्रा में ग्रामवासियों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुन कर समाधान करने के निर्देश भी दिये।

अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर आरटीआई कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिले के आरटीआई कार्यकर्ता शिवप्रसाद अहिरवार ने एक प्रेस नोट जारी कर बताया है कि 15 फरवरी 2023 को मध्यप्रदेश से लेकर अन्य राज्य से आए आरटीआई कार्यकर्ता ने एक जूट होकर भोपाल राज्य धानी मे न्याय यात्रा निकाली आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि भारत के सभी राज्यों तक पहुंचना हमारा मकसद है आज 15 फरवरी को हमारे द्वारा राज्य सूचना आयोग मध्यप्रदेश, महामहिम राज्यपाल मध्यप्रदेश एवं मुख्य सचिव मध्यप्रदेश को सामूहिक ज्ञापन देकर अविलंव संवाद मे पारित सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का उचित क्रियान्वयन हैतू आरटीआई कार्यकर्ताओं के द्वारा एक सामूहिक ज्ञापन सौंपा आरटीआई कार्यकर्ता भोपाल से शिवप्रसाद अहिरवार ने बताया है की हमारा मुख्य उद्देश्य है कि राज्य सूचना आयोग मध्यप्रदेश में लंबित सुनवाई को जल्द से जल्द निर्णय लेकर भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करना एवं आरटीआई कार्यकर्ताओं को विशेष सुरक्षा अधिनियम के तहत सुरक्षा प्रदान करने एवं आरटीआई कार्यकर्ताओं के विरुद्ध किसी प्रकार का झूठा मुकदमा दर्ज ना हो इस प्रकार की समस्याओं को लेकर राज्य सूचना आयोग एवं महामहिमराज्यपाल महोदय जी सहित मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन को सामूहिक ज्ञापन सोपा मुख्य रुप से ज्ञापन सोपने वालों में सभी वरिष्ठ आरटीआई कार्यकर्ता मोजुद थे हसीबुर रहमान किसानगंज बिहार से अभिषेक कुमार भागलपुर बिहार से इंजीनियर इमरत खॉन किशनगंज बिहार से रामदेव कुमार आसनसोल पछिम बंगाल सुमन सौरव झारखंड मध्यप्रदेश से राजगीर सिंह होरा मनप्रीत सिंह होरा रश्मि शेख इस्माइल सफीक अहमद मंसुरी अजय कुमार प्रेमनारायण गुजराती रघूवैद दुबे दीपक परमार दशरथ परमार रवि यादव जितेन्द्र वर्मा सुनिता नाहर देवेन्द्र नाहर अधिवक्ता दिनेश सिंह हरीश सोलंकी रामप्रसाद लोढिया रामगणेश पवन कुमार भूपेन्द्र सिंह दिगंबर एजाज अहमद खॉन जिया खॉन शब्बीर खॉन जी एस चौहान जयपाल सिंह प्रेमसिह सोलंकी आरके सोनी कपिल शर्मा माखन सिंह जितेन्द्र सिंह चौटेले नेहुल कुमार बी आर मेशरम लखन लाल कासदेवकर हरबीर सिंह चौहान शिवपुरी विनोद कुमार दुबे जी सिंगरौली इत्यादि सैकड़ो आरटीआई कार्यकर्ताओं मौजूद थे

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा भोपाल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को रक्तदान के महत्व को बताकर मानव हित में कार्य करने हेतु प्रेरित करना था। इस अवसर पर भोपाल ब्लड बैंक के एम.डी. भगतानी विशेष रूप से उपस्थित थे।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस शिविर के आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। रक्तदान करने से हमारे शरीर की बहुत सी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से पीछे नहीं है। वह भी रक्तदान कर जरूरतमंद लोगों की मदद कर सकती हैं। इससे उनके स्वास्थ्य पर किसी भी प्रकार का नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। रक्तदान के पुनीत कार्य में अपना सहयोग करें और लोगों को जीवन दान दें। इस शिविर में महाविद्यालय की 22 छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ के द्वारा रक्तदान किया गया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 4 प्रतिशत महंगाई भत्ते का आदेश

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी में कार्यरत कार्मिकों को सातवें वेतनमान में 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान में कार्मिकों को वर्तमान में मूल वेतन पर एक जनवरी 2023 से 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय होगा। उन्हें कुल 38 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। गौरतलब है कि कंपनी द्वारा नियमित कार्मिकों को एक अगस्त 2022 से सातवें वेतनमान में 3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए कुल 34 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा था जिसमें एक जनवरी 2023 से 4 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए अब कुल 38 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते का भुगतान कंपनी के नियमित कार्मिकों को किया जाएगा।

फॉर्टिफाइड चावल रक्तजनित बीमारियों से बचाव में सहायक

भोपाल । जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी मीना मालाकार ने बताया कि भोपाल जिले की उचित मूल्य की दुकानों से विगत तीन माह से सादे चावल के स्थान पर फ़ॉर्टिफ़ाइड चावल का वितरण पीडीएस उपभोक्ताओं को करवाया जा रहा है, जो कि अनीमिया एवं अन्य कुपोषण से होने वाली बीमारियों से बचाने में सहायक है।

जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी भोपाल श्रीमती मालाकार ने बताया कि प्लास्टिक के चावल पीडीएस में वितरण करने की अफ़वाह कुछ लोगों द्वारा फैलायी जा रही है, जो पूरी तरह से ग़लत है । अभी तक गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है । उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई कारपोरेशन लिमिटेड, , मध्यप्रदेश वेयर हाउस एंड लॉजिस्टिक कारपोरेशन के अमले द्वारा दुकानों पर भेजे जाने से पूर्व खाद्यान्न की गुणवत्ता परखी जाती है ।

मुख्यमंत्री जनसेवा मित्रों को कलेक्टर कार्यालय में नियुक्ति पत्र सौंपे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर अविनाश लवानिया के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऋतुराज सिंह ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल द्वारा 6 माह के लिए नियुक्त किए गए मुख्यमंत्री जनसेवा मित्रों को कलेक्टर कार्यालय में नियुक्ति पत्र सौंपे। मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना में 31 जुलाई 2023 तक की अवधि के लिए इंटर्न की नियुक्ति की गई है। सीईओ श्री सिंह ने बताया कि सकारात्मक सोच के साथ कार्य कर लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना प्रत्येक इंटर्न का दायित्व है। साथ ही फील्ड में सरकारी गरीब कल्याण की योजनाओं की मॉनीटरिंग भी इनका जिम्मा है। शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के लाभ से कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने इंटर्न को बेहतर कार्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि फील्ड ट्रेनिंग से व्यक्तित्व विकास के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। इसलिए उत्साह और उमंग के साथ कार्य करें। उल्लेखनीय है कि गत दिवस चयन प्रक्रिया के जरिए कुल 30 इंटर्न की नियुक्ति की गई है। युवाओं की कार्यक्षमता और कौशल विकास के लिए मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना लागू की गई है।

नवीन महाविद्यालय में विद्यार्थी परस्पर संवाद कार्यक्रम आयोजित

भोपाल । राजधानी में स्थित शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में विद्यार्थी परस्पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं भारत माता व स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया । 75 वें अमृत महोत्सव के तत्वाधान में कार्यक्रम में पधारे अंतर प्रांतीय आंगतुक छात्रों के रूप में कु संजिना तमई (अरुणाचल प्रदेश) केसंग चिरोजू अरुणाचल प्रदेश डिन्कोपो कामी मणीपुर ने महाविद्यालय के विभिन्न छात्रों के साथ परस्पर संवाद में संस्कृति, शिक्षा, खान-पान, वेशभूषा आदि पर विचार साझा किये। तत्पश्चात् अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में आगंतुक छात्रों का अभिवादन करते हुये छात्रों को बताया कि विविधताओं में एकता का समावेश कैसे किया जाना चाहिये जिससे युवा पीढ़ी लाभान्वित हो । तदुपरांत महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ शोभना जैन ने भी अपने वक्तव्य में महाविद्यालय के छात्रो के साथ अपने विभिन्न प्रांतों के अनुभवों को बताया। कार्यक्रम के समापन में महाविद्यालय के विद्यार्थी प्रमोद प्रजापति ने भी सभी मंचासीन अतिथियों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले अपने सहपाठियों को भी आभार व्यक्त किया।

मनीबॉक्स फाइनैंस : महिला उद्यमियों को सशक्त बनाकर वित्तीय समावेशन को कर रही प्रोत्साहित

भोपाल। बीएसई पर सूचीबद्ध एनबीएफसी मनीबॉक्स फाइनैंस लिमिटेड (मनीबॉक्स), लघु उद्यमियों, खासतौर पर महिलाओं को व्यवसा के लिए ऋण उपलब्ध कराकर उनकी आय को बढ़ाने में योगदान दे रही है और इस तरह वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जनवरी 2023 तक कुल रु 440 करोड़ के ऋण वितरण के साथ मनीबॉक्स 6 राज्यों में 26,000 से अधिक ऋण लेने वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुकी है, इनमें से 50 फीसदी से अधिक महिला उद्यमी हैं। मध्य प्रदेश में मनीबॉक्स ने अपना संचालन शुरू करने के तीन साल के भीतर 3000 से अधिक महिलाओं को अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

महिला उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मनीबॉक्स ने ऋण सुविधाओं को आसान बनाकर उनके जीवन में सुधार लाने की योजनाएं बनाई हैं। कंपनी तीसरे स्तर के शहरों एवं अन्य छोटे शहरों के लघु-उद्यमियों को व्यवसाय के लिए ऋण उपलब्ध कराकर उनकी आय बढ़ाने और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले दशक के दौरान देश में लघु एवं सूक्ष्म उद्यम चलाने वाली महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, यह आंकड़ा 2.15 लाख से बढ़कर 1.23 करोड़ पर आ गया है, जो घरेलु एमएसएमई का 20 फीसदी हिस्सा बनाते हैं। भारत में चल एवं अचल सम्पत्ति की पहुंच की बात करें तो देश उद्यमिता के लिए लिंग अंतराल की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। इस लिंग अंतराल को दूर करने के प्रयासों पर बात करते हुए मयूर मोदी, सह-संस्थापक, मनीबॉक्स फाइनैंस लिमिटेड ने कहा, ''अन्य क्षेत्रों की तुलना में दूसरे एवं तीसरे स्तर के शहरों से उभरते महिला उद्यमियों के पास नेटवर्किंग के अवसरों का अभाव होता है। इस समस्या के समाधान के लिए गुणवत्तापूर्ण, गैर-पारम्परिक ऋण मूल्यांकन दृष्टिकोण, प्रोडक्ट इनोवेशन, टेक्नोलॉजी के उपयोग और नीतिगत सुधारों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि महिला

बिजली बिल बकाया होने पर मुरैना में बिजली कंपनी ने दो ट्रांसफार्मर उठाये

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र के मुरैना में गणेशपुरा जोन अंतर्गत जौरा रोड, दाउजी पम्प के सामने भट्टा वाले और दाउजी सहराना रोड वाले ट्रांसफार्मर से संबद्ध उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल की राशि 3 लाख 32 हजार 645 रूपये का भुगतान नहीं करने पर बिजली कंपनी द्वारा दोनों ट्रांसफार्मर को उठा लिया गया है। मुरैना शहर जोन में दुर्गापुरी कॉलोनी निवासी श्री बन्ने खॉं एवं श्री कोकसिंह कुशवाह द्वारा प्रतिबंधित अमानक सफेद तारों से अवैध रूप से विद्युत का उपयोग किये जाने पर कंपनी द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 में प्रकरण दर्ज कर 6 हजार 394 रूपये एवं 17 हजार 994 रूपये का देयक जारी कर कोतवाली थाना मुरैना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। विद्युत अम्बाह संभाग में अम्बाह शहर में जय अम्बे कॉलोनी उसैदघाट रोड निवासी श्री अजीत खॉन एवं श्री शिवकुमार श्रीवास्तव के विरूद्ध विद्युत अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर 12 हजार 987 रूपये एवं 16 हजार 397 रूपये का देयक जारी कर थाना अम्बाह में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

विद्युत कंपनी द्वारा भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग में आने वाले सभी 16 जिलों में विद्युत का अनधिकृत और अवैध उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। कंपनी द्वारा बकाया राजस्व वसूली और अवैध विद्युत के उपयोग की रोकथाम के लिए इन दिनों विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कंपनी द्वारा विद्युत लाइन से सीधे बिजली चोरी तथा अवैध एवं अनाधिकृत विद्युत का उपयोग करने वालों के खिलाफ विद्युत अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। साथ ही भिण्ड, मुरैना एवं दतिया में जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित किये गये सफेद अमानक तारों से अवैधानिक रूप से बिजली का उपयोग करने वालों के खिलाफ संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया बिजली बिलों के साथ ही वर्तमान देयकों का समय पर भुगतान सुनिश्चित करें तथा बिजली का अवैध और अनधिकृत उपयोग न करें।

शार्प ने वेस्टीज के सहयोग से लॉन्च किया प्रीमियम प्लाज़्मा क्लस्टर हेयर ड्रायर

भोपाल। शार्प कॉर्पोरेशन, जापान की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक कंपनी, शार्प को दुनिया भर में अपने अद्वितीय टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस के लिए जाना जाता है। अपनी साख को एक स्तर ऊपर उठाते हुए अब कंपनी ने शार्प प्लाज़्माक्लस्टर हेयर ड्रायर लॉन्च किया है। इस प्रीमियम हेयर ड्रायर की पेशकश वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के माध्यम से की जाएगी। यह नया हेयर ड्रायर, शार्प की ओरिजिनल और पेटेंटेड प्लाज़्माक्लस्टर टेक्नोलॉजी के साथ ही साथ शानदार विंड फ्लो सिस्टम से लैस है, जो ग्राहकों की बढ़ती ग्रूमिंग-एट-होम जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसे एक स्वस्थ स्कैल्प की सौगात देने के साथ ही क्यूटिकल डैमेज और स्प्लिट एंड्स को कम करके बालों को स्मूद बनाकर उपयोगकर्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

100 से अधिक वर्षों से अपने टेक्नोलॉजी बिज़नेस की विरासत के तहत शार्प, इस लॉन्च के साथ पहली बार भारत में हेयर ड्रायर में अपनी अनूठी प्लाज़्माक्लस्टर टेक्नोलॉजी की पेशकश कर रहा है।

एसआईपी एबैकस एरिथमेटिक जीनियस कॉन्टेस्ट में भोपाल के स्टूडेंट ने बाजी मारी

भोपाल। सेंट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी को ईडी स्कूल के अविनाश शर्मा को एसआईपी एरिथमेटिक जीनियस कॉन्टेस्ट 2022 के 7वें संस्करण में कक्षा 5 का चौंपियन घोषित किया गया यह प्रतियोगिता निशुल्क थी और कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिये खुली थी इसका आयोजन स्कूल लोकेलिटी स्टेट और नेशनल राउंड्स में हुआ कुल 253 विद्यार्थी नेशनल राउंड में पहुँचे थे 15 नेशनल विनर चुने गये और हर कक्षा से 3 विनर थे अच्छा स्कोर करने वाले विद्यार्थियों को प्रदर्शन पुरस्कार दिये गये इस साल भारत भर से रिकॉर्ड तोड़ 5.57लाख विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया था 20 राज्यों के 980 से ज्यादा स्कूलों को शामिल करते हुए यह आयोजन देशभर के आधा मिलियन से ज्यादा विद्यार्थियों की एक विशाल प्रतियोगिता के रूप में बहुत सफल रहा।

नेशनल फाइनल के विजेता की घोषणा के कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एसआईपी इंडिया एण्ड इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक दिनेश विक्टर ने कहा कि एसआईपी एबेकस एरिथमेटिक जीनियर कॉन्टेस्ट का उद्देश्यश है गणित में बच्चों की रुचि पैदा करना। उन्होंने बताया कि तैयारी और जीत की प्रक्रिया के माध्यम से ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों को गणित में ज्यादा रुचि लेने के लिये प्रेरित करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि गणित एक महत्वपूर्ण कौशल है जो सभी बच्चों में होनी चाहिये चाहे वे इंजीनियरिंग या गणित से जुड़ा कॅरियर न चुनें। एरिथमेटिक जीनियस कॉन्टेस्ट एक वार्षिक प्रतियोगिता है जिसे एसआईपी एबेकस इंडिया संचालित करती है। इसका आधार यह विश्वास है कि हर बच्चा स्मार्ट होता है और उसे सही उम्र में कौशल देकर सफल बनाया जा सकता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य गणित के कौशल को समझने में विद्यार्थियों की मदद करना और अभिभावकों को कौशल विकास के महत्व पर जागरूक करना है।

पानी को सहेजने का कार्य आज से ही करें प्रारंभ: प्रहलाद पटेल

देवरी विकासखंड के ग्राम छीदली में विकास यात्रा के दौरान एक करोड़ से अधिक के कार्यों का किया भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

केंद्र सरकार के जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद पटेल ने सागर जिले के देवरी विकासखंड के ग्राम छीदली में विकास यात्रा के दौरान एक करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों के भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि पानी सहेजने का कार्य आज से ही सभी प्रारंभ करें। केंद्र एवं मध्य प्रदेश सरकार लगातार महिला स्वाभिमान एवं महिला सम्मान के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर गौरव सिरोठिया, पूर्व विधायक बृज बिहारी पटेरिया ,भानु राणा ,पुष्पेंद्र पाठक, देवेंद्र सिंह, कलेक्टर दीपक आर्य, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पी.सी. शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि , अधिकारी, जन समुदाय मौजूद था।

विकास यात्रा के दौरान प्रहलाद पटेल ने कहा कि पानी की समस्या को देखते हुए हमें आज से ही पानी सहेजने का कार्य करना चाहिए, जिससे आने वाले समय में आसानी से पानी उपलब्ध हो सके।उन्होंने कहा कि पानी प्रबंधन का कार्य यदि किसी से सीखना है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीखें। नरेंद्र मोदी के प्रबंधन की एवं उनकी भविष्य की नीति रीति के कारण आज पूरे प्रदेश में नल जल योजनाओं के माध्यम से हर घर में टोटी के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना तैयार की गई है, जो 2024 तक पूरी होगी। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति और समाज की आवश्यकताएं पूरी हो जाती हैं तो मुश्किलें भी दुगनी हो जाती हैं, क्योंकि व्यक्ति और समाज की अपेक्षाएं कभी कम नहीं होती। इसलिए व्यक्ति को हमेशा अपनी अपेक्षाएं संतुलित रखना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार महिला स्वाभिमान एवं सम्मान के लिए न केवल कार्य कर रही हैं बल्कि उन्हें सशक्त एवं आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए भी कार्य कर रही है । पटेल ने कहा कि जहां भी सूखे हैंडपंप हैं, उन सूखे हैंड पंप के पास चारों तरफ गड्ढा खोदकर आने वाली बरसात के मौसम में पानी का बहाव करें जिससे वह हैंडपंप चालू हो सके। उन्होंने कहा कि सलाह देने वाले न बने बल्कि कर्म करके आगे बढ़ना सीखें। जिससे न केवल आप बल्कि पूरे जिला, प्रदेश और देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी की एक कविता का सारांश सुनाते हुए कहा कि दान देने से बड़ा कर्म होता है। क्योंकि जब आप कर्म करते हैं तब ही आपका काम आगे बढ़ता है इसलिए आप हमेशा कर्म करें और आगे बढ़े ।

मंत्री पटेल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो विकास यात्रा प्रारंभ की गई है उसमें कोई भी पात्र व्यक्ति हित लाभ प्राप्त करने से वंचित नहीं होना चाहिए। इसके लिए सरपंच, सचिव सहायक सचिव की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी भी सचिव, सरपंच, सहायक सचिव से पात्र, वंचित व्यक्ति की जानकारी प्राप्त करें और उन्हें लाभ प्रदान करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिद्धांत को हम सभी को अपनाना चाहिए। उनके सिद्धांत के अनुसार आप अपने कर्म से इस प्रकार भूमि पूजन करें कि उसका लोकार्पण भी आप ही करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा जो संबल योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ की गई है उससे समाज में बदलाव आया है। इस अवसर पर गौरव सिरोठिया ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा विकास यात्रा में समाज की अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली लक्ष्मी योजना योजना प्रारंभ की है जिसके 5 मार्च से आवेदन जमा होंगे और जून माह से राशि उनके खाते में आना प्रारंभ होगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक भानु राणा एवं पूर्व विधायक बृज बिहारी पटेरिया ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कलेक्टर दीपक आर्य ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विकास यात्रा के माध्यम से जो पात्र हितग्राही मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के अंतर्गत वंचित रह गए थे उनको भी लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में कोई भी पात्र व्यक्ति मध्यप्रदेश शासन एवं केंद्र सरकार की योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने लाडली लक्ष्मी बहना योजना के संबंध में कहा कि शासन से निर्देश प्राप्त होते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा और जिले की समस्त पात्र बहनों को लाभान्वित किया जाएगा।

कार्यक्रम के उपरांत मंत्री पटेल ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र देकर लाभान्वित भी किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष विनीत पटेरिया, शिवराज सिंह, गुड्डन पाठक, श्रीमती नेहा जैन, अनुविभागीय अधिकारी शैलेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुपूजा शर्मा, सीईओ सुमनीषा चतुर्वेदी, तहसीलदार संजय दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनकल्याण के साथ प्रदेश का हो रहा चहुमुखी विकास: गोविंद सिंह राजपूत

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मानकी सलैया ,सागौनीउमरिया, महुनागूजर, ढेकरी ,पेखलोन में पहुंची विकास यात्रा

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मानकी सलैया, सागोनी उमरिया, महूनागूजर, बेकरी तथा पेखलोन पहुंची विकास यात्रा। जहां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन एंव लोकार्पण करते हुए क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा की सरकार जनकल्याण के साथ-साथ प्रदेश का चहुंमुखी विकास कर रही है जिससे आज हमारा प्रदेश बीमारू राज्य से ऊपर उठकर विकासशील प्रदेशों में शामिल हो गया है, भाजपा की सरकार ने हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई हैं जिनसे हर वर्ग के हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं पंक्ति में बैठे आखिरी व्यक्ति को भी भाजपा ने लाभ पहुंचाया है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हो, महिला सशक्तिकरण हो या फिर किसान सम्मान हो यह ऐसे ऐतिहासिक फैसले हैं जिनसे हर व्यक्ति को लाभ मिल रहा है श्री राजपूत ने कहा कि आयुष्मान कार्ड से बीमार व्यक्ति का 5 लाख तक का इलाज प्राइवेट अस्पताल में हो सकता है जिसका पैसा भाजपा की सरकार देती है लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत बेटी के जन्म लेने के बाद उसकी स्कूली शिक्षा उच्च शिक्षा तथा विवाह तक की जिम्मेदारी भाजपा की सरकार उठा रही है प्रदेश के मुख्यमंत्री मामा शिवराज सिंह ने अब 8 मार्च से लाडली बहना योजना की शुरुआत की है जो महिला सशक्तिकरण के लिए नींव का पत्थर साबित होगी हर एक लाडली बहन के लिए एक 1000 रूपये हर महीने भाजपा की सरकार डालेगी जिससे हमारी लाडली बहने सशक्त होंगी और अपने परिवार का लालन पालन करेंगे। देश के अन्नदाता देश के अन्नदाता किसानों के लिए भाजपा सरकार ने किसान सम्मान निधि के द्वारा सम्मान दिया है जिसमें हर किसान भाई के खाते में 10 हजार सम्मान स्वरूप दिए जाते हैं ऐसी कई योजनाएं हैं जिनके द्वारा भाजपा सरकार ने प्रदेश के हर व्यक्ति को लाभ पहुंचाया है। भाजपा की विकास यात्रा का मुख्य उद्देश्य ऐसे पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोडना है जो किसी कारण से इन योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं जिसको लेकर पूरे प्रदेश में भाजपा की विकास यात्रा गांव गांव और गली गली में पहुंच रही है श्री राजपूत ने आग्रह किया कि जो भी लोग शासकीय योजनाओं से वंचित है अपने क्षेत्र में पहुंच रही विकास यात्रा में पहुंचकर अधिकारी कर्मचारियों से संपर्क करके योजनाओं का लाभ उठाएं इस अवसर पर राजपूत ने करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन किया एवं नए वोटरों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अमित राय वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज शर्मा, विनोद ओसवाल, विनोद कपूर सरपंच बेनीवाई, अमर सिंह राजपूत, बुंदेल सिंह मानकी, राकेश वेदी, मनोहर लोधी, राहुल यादव, शिवनारायण तिवारी, विशाल तिवारी, प्रवीण गोस्वामी, नेकीराम खटीक, पुष्पेन्द्र मीणा, जगदीश गुर्जर, नेतराम गुर्जर, शिवराज लोधी, राजकुमार बरकोटी, संतोष लोधी, भूपेन्द्र दुबे, हेमत राजपूत, कमल लोधी, शासकीय विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों सहित भाजपा के कार्यकर्ता सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

अनुसंधान संस्थानों का प्रत्यक्ष अवलोकन विद्यार्थियों को प्रेरणा देगा: परमार

प्रदेश के 36 विद्यार्थी ने की विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर थुम्बा, तिरूवनंतपुरम की एक्सपोजर विजिट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने समग्र शिक्षा अभियान (सेकेन्डरी एजुकेशन) की स्वीकृत कार्य-योजना वर्ष 2022-23 में प्रदेश के विद्यार्थियों को राज्य के बाहर एक्सपोजर भ्रमण कराया। इन्दौर स्थित सुपर-100 योजना में अध्ययनरत कक्षा 11 वीं के 36 विद्यार्थी एवं 4 शिक्षक सदस्यों सहित 40 सदस्यीय दल प्रदेश से केरल भेजा गया है। इन विद्यार्थियों ने 15 फरवरी को विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर थुम्बा, तिरूवनंतपुरम (केरल) में रॉकेट लांचिंग प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने यहाँ अनुसंधान संबंधी कार्यशैली एवं तकनीकों की बारीकियों को जाना।

स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इन्दर सिंह परमार ने स्कूली विद्यार्थियों के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर थुम्बा के एक्सपोजर भ्रमण एवं सुरक्षित यात्रा के लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं लाभान्वित विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी। राज्य मंत्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक बनाने के साथ विद्यार्थियों को बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न बनाने के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि विद्यालयीन बच्चों को इस तरह के एक्सपोजर विजिट करवाने से उन्हें स्वाभाविक प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल रहा है। प्रदेश के विद्यार्थी इस तरह के भ्रमण से विज्ञान, तकनीक एवं अनुसंधान जैसे अनुभवों का परोक्ष अवलोकन कर रहे हैं। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ अनुसंधान एवं तकनीकी संस्थानों का अवलोकन, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं करियर के लिए आधारशिला तैयार करने का अवसर है। निश्चित रूप से यह विजिट विद्यार्थियों में अनुसंधान को लेकर उनकी रूचि अनुरूप मनोभावों में नवाचार के लिए दिशा प्रदान करेगा और उन्हें अनुसंधान के क्षेत्र में करियर बना कर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करेगा।

दल 17 फरवरी को कन्याकुमारी स्थित स्वामी विवेकानंद रॉक मेमोरियल का भ्रमण भी करेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस एक्सपोजर विजिट के लिए विद्यार्थियों को वायुमार्ग द्वारा इन्दौर से तिरूवनंतपुरम भेजा है। दल 18 फरवरी को वापस इंदौर पहुँचेगा।

ग्राम ताजपुर उकाला में टीन शेड का भूमि-पूजन किया

भोपाल। स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने विकास यात्रा के 12वें दिन ग्राम चौंकी नसीराबाद में ग्रामीणजन को शासन की जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और आमजन को शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन को सुलभ और बेहतर बनाने को कहा। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएँ सुनी और उनके त्वरित निराकरण के लिए निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्री परमार ने शाजापुर जिले की शुजालपुर विकासखंड के ग्राम चौकी नसीराबाद में विकास यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने तिरंगा ध्वज फहराया तथा कन्याओं का पूजन भी किया। राज्य मंत्री श्री परमार ने विकास यात्रा के दौरान ग्राम ताजपुर उकाला में विधायक निधि से 10 लाख रुपये से बनने वाले टीन शेड का भूमि-पूजन किया। विकास यात्रा शुजालपुर विकासखंड के ग्राम चौकी नसीराबाद से बंजारी, ताजपुर मण्डावर होते हुए भोगीपुर पहुँची।

शबे मेराज 17- 18 फ़रवरी की रात को अक़ीदत से मनाई जाएगी

भोपाल। पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहिब स.अ.व. के मेराज के आसमानी सफ़र की यादग़ार शबे मेराज का परम्परागत पवित्र इस्लामी पर्व आग़ामी 17 एवं 18 फ़रवरी 2023 की दरम्यानी रात को प्रदेश भर में मनाया जाएगा। लाखों मुसलमान इस पवित्र पर्व को अ़क़ीदत के साथ मनायेंगे। इस रात में अनेक स्थानों पर चिरागाँ होगा, परम्परागत कुरानख़्वानी, दरूदख़्वानी, नियाज़ फ़ातेहा के जलसे एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद साहिब की पवित्र मुक़द्दस निशानियाँ मूए मुबारक़ की ज़ियारत की मेहफ़िलों सहित नातिया मेहफ़िलें और रूहानी मज़हबी जलसे भी होंगे, जिनमें पीरज़ादगान और उलेमा साहेबान की तक़रीरें होंगी।

ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के चैयरमेन हज़रत पीरज़ादा डॉ. औसाफ़ शाहमीर खुर्रम मियाँ चिश्ती ने जानकारी देते हुए बताया कि इस्लामी मान्यता के अनुसार शबे मेराज में इस्लाम धर्म के प्रवर्तक पैगंम्बर हज़रत मोहम्मद मुस्तुफ़ा स.अ.व. 1444 वर्ष पहले अपने रब्बुल आलमीन यानी अल्लाह पाक से मिलने के लिए आसमानों से भी ऊपर अर्श-ए-आज़म पर पहुंचे और इसी रात में मुलाक़ात करके दुनियाँ में वापिस भी आए हैं। इसीलिए मुस्लिम धर्मावलम्बियों में इस रात को विशेष इबादत करने का महत्त्व है। अनेक मुस्लिम बन्धु शबे मेराज के मौक़े पर विशेष इबादत करने के साथ रोज़े भी रखते हैं। उन्होंने बताया कि शबे मेराज में राजधानी सहित प्रदेश की अनेक मस्जिदों, ख़ानक़ाहों, दरग़ाहों, मदरसों, आस्तानों में मज़हबी जलसे और नातिया मेहफ़िलों के कार्यक्रम होते हैं, रोशनी चिरागाँ किया जाता है, तबर्रूक़ (प्रसाद) बांटा जाता है, कई जगह सूफ़ियाना क़व्वाली की महफ़िलें भी होती हैं, जिनमें सभी मुस्लिम धर्मावलम्बी शामिल होकर परम्परात रूप से जश्न मनाते हैं और मज़हबी जलसों में उलेमा साहेबान अपनी तकरीरों में पैग़म्बर हज़रत मोहम्मद मुस्तुफ़ा स.अ.व. की मुक़द्दस पवित्र जीवनी पर प्रकाश डालते हैं और शबे मेराज का इस्लामिक, धार्मिक महत्त्व समझाते हैं। सुन्नी सक़लैनी जामा मस्जिद, अशोका गार्डन, भोपाल में 18 की शाम से ज़ियारत शुरू होगी.. सुन्नी सक़लैनी जामा मस्जिद भोपाल के अध्यक्ष एवं ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी मध्यप्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष श्री सूफ़ी नूरउद्दीन सक़लैनी ने बतया कि 18 फ़रवरी को शाम से ही जश्न-ए-शबे मेराज का परम्परागत रूहानी कार्यक्रम मस्जिद में शुरू होग।

विकास यात्रा में पात्र व्यक्तियों को मिल रहा जनहितैषी योजनाओं का लाभ: सारंग

चिकित्सा शिक्षा मंत्री सारंग के नेतृत्व में नरेला के वार्ड 36 और 77 में पहुंची विकास यात्रा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में विकास यात्रा नरेला विधानसभा क्षेत्र में वार्ड 36 और 77 पहुँची। मंत्री सारंग ने करोड़ों रूपये लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन कर विकास की सौगात दी। यात्रा की शुरूआत वार्ड 36 स्थित साईं मंदिर 80 फीट रोड से हुई। मंत्री श्री सारंग ने हिनोतिया में मुख्य कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ प्रमाण-पत्र प्रदान किए। वार्ड 77 में बुजुर्ग दंपत्तियों का सम्मान किया। भोपाल महापौर मालती राय और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंत्री सारंग ने कहा किमुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा निरंतर जन-कल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही है। इसी का परिणाम है कि राज्य सरकार को अपार जन-समर्थन मिल रहा है। मंत्री श्री सारंग ने वार्ड 77 में विकास यात्रा की शुरूआत के कार्यक्रम में क्षेत्र के वृद्धजनों को शाल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है। वृद्धजनों से हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन प्राप्त होता है। नरेला विधानसभा को मैंने सदैव अपना परिवार माना है और नरेला परिवार का प्रत्येक बुजुर्ग माता-पिता के समान है। मंत्री सारंग ने चांदबड़ के नागरिकों में बांटे आवासीय भूमि के पट्टे, हितग्राहियों को किया हितलाभ वितरण

मंत्री सारंग ने वार्ड 36 और 77 में हितलाभ वितरण कार्यक्रम में 650 से अधिक लाभार्थियों में हितलाभ प्रमाण-पत्र प्रदान किये। उन्होंने वार्ड 36 में संबल योजना अंतर्गत सुनीता कुमार को 4 लाख रूपये, श्रीमती अनीता बाई को 2 लाख रूपये, श्रीमती लीला बाई को 2 लाख रूपये की राशि के प्रमाण पत्र वितरित किये। श्रीमती नीलम धनराज और श्रीमती लक्ष्मी सिंह को 20-20 हजार रूपये की सहायता राशि के प्रमाण-पत्र प्रदान किये। मंत्री श्री सारंग ने चांदबड़ के 60 से अधिक नागरिकों को आवासीय भूमि के पट्टे भी वितरित किये।

वार्ड 36 में सड़कों और नाले-नालियों का होगा निर्माण: मंत्री श्री सारंग ने वार्ड 36 में चाँदबड़ में सी.सी. सड़क निर्माण, संगम टेंट हाउस से शिव मंदिर तिराहा तक डामरीकरण, शिव नगर हिनोतिया में सीसी सड़क निर्माण, चाँदबड़ सौरभ कॉलोनी एवं पुष्पा नगर में सीसी सड़क एवं ड्रेन का निर्माण, विद्या भारती स्कूल के सामने पार्क के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री श्री सारंग ने चांदबड़ के दुर्गा मंदिर एवं पुराना काली मंदिर के जीर्णोद्धार और सामुदायिक भवन निर्माण की भी घोषणा की। रहवासियों की माँग पर मंत्री श्री सारंग ने चांदबड़ के आस-पास की सड़कों में नाली नवीनीकरण, रोड-क्रॉस निर्माण एवं संपूर्ण क्षेत्र में चिन्हित स्थानों पर हाईमास्ट लगाने की भी घोषणा की।

वार्ड 77 में देवकी नगर की मुख्य सड़क का होगा डामरीकरण: मंत्री श्री सारंग ने रहवासियों को विकास की सौगात देते हुए जोन ऑफिस चौराहे से देवकी नगर तक की सड़क के डामरीकरण, पन्ना नगर में नाली निर्माण, देवकी नगर में मेन रोड निर्माण और पन्ना नगर से निशातपुरा क्रासिंग सड़क निर्माण का भूमि-पूजन किया। उन्होंने रहवासियों की माँग पर शिव मंदिर एवं हाउसिंग बोर्ड के हाउसिंग पार्क मंदिर के जीर्णोद्धार की भी घोषणा की।

गंभीर मरीज का नि:शुल्क उपचार और दवा उपलब्ध कराने दिये निर्देश: मंत्री सारंग ने वार्ड 36 एवं 77 में घर-घर पहुँच कर नागरिकों से संवाद किया और उनकी समस्याएँ सुनी। इस दौरान विद्युत, सीवेज एवं सड़क के साथ ही स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएँ लेकर भी कई रहवासी मंत्री श्री सारंग के पास पहुँचे। वार्ड 36 में पुष्पा नगर में निवासरत जवाहर सिंह ने आर्थिक सहायता के लिए मंत्री सारंग से अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि वे पिछले कई वर्ष से लकवे की समस्या से ग्रसित हैं। साथ ही उन्हें आर्थिक परेशानी भी है। मंत्री सारंग ने तत्काल निःशुल्क उपचार, दवा और आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये।

महिलाओं ने रंगोली बना कर माना मंत्री सारंग का आभार: वार्ड 36 व 77 दोनों वार्डों में मंत्री सारंग और विकास यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। मंत्री सारंग पर वार्ड के रहवासियों ने अपने-अपने घरों से पुष्पवर्षा की। क्षेत्र की महिलाएं आरती की थाली लिये अपने द्वार पर अपने भाई मंत्री सारंग की प्रतिक्षा में खड़ी थी। वहीं कई घरों के बाहर हर घर नर्मदा जल पहुंचाने के लिये मंत्री सारंग का आभार व्यक्त करते हुए महिलाओं ने रंगोली भी बनाई थी।

अब तो जम्मू-कश्मीर चुनाव में चुनाव होंगे?

और सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए अपनी चुनी हुई सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हालांकि, इन याचिकाओं को खारिज करने के फैसले का राज्य में वर्ष 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर कोई प्रभाव नहीं होगा। लेकिन इस फैसले के बाद विधानसभा चुनाव में किसी देरी को तार्किक ठहराना अब केंद्र सरकार के लिये मुश्किल होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा की सीटों के पुनर्निर्धारण का आधार 2011 की जनगणना को बनाये जाने को लेकर अकसर सवाल उठाये जा रहे थे। दलील दी जा रही थी कि परिसीमन प्रक्रिया 2026 में की जानी थी। इस पर केंद्र सरकार की तरफ से दलील दी गई थी कि केंद्र शासित प्रदेश में जनता को अपनी चुनी हुई सरकार देने की प्रक्रिया में अब और विलंब नहीं किया जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो दलील दी जायेगी कि केंद्र प्रदेश में वक्त पर चुनाव करवाने से वायदे से मुकर रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि केंद्र शासित प्रदेश में लोकसभा व विधान सभा सीटों का परिसीमन करने वाले आयोग ने पिछले वर्ष मई में अंतिम रिपोर्ट में चुनावी नक्शे को फिर से तैयार किया था। इस नये परिसीमन के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में अब जम्मू के लिये छह और कश्मीर के लिये एक अतिरिक्त निर्वाचन क्षेत्र की अनुशंसा की गई थी। परिसीमन आयोग ने जो नया चुनावी प्रारूप तैयार किया है उसमें इस प्रदेश के लिये कुल विधानसभा सीटों की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। उल्लेखनीय है कि पाक अधिकृत कश्मीर वाले क्षेत्र की 24 सीटों को प्रतीकात्मक रूप से इसमें शामिल नहीं किया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में पीडीपी तथा भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन टूटने के बाद राज्य में राज्यपाल शासन लग गया था। जिसके चलते यहां चुनाव की प्रक्रिया सिरे न चढ़ सकी। कालांतर अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को खत्म करने के बाद राजनीतिक अस्थिरता के चलते लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ठहराव आ गया। अब एक बार फिर इस केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां जोर पकड़ने लगी हैं। अब चुनाव की तिथियों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, विगत में चुनाव करवाने को लेकर की गई तमाम भविष्यवाणियां सच की कसौटी पर खरी नहीं उतरी थीं। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार बार-बार कहती रही है कि जब भी इस प्रदेश में सामान्य स्थिति और शांति बहाल होगी, निर्धारित अवधि के बीच स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव करवाना संभव हो सकेगा।

निस्संदेह, एक परिपक्व लोकतंत्र के लिये स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनाव कराना अपरिहार्य ही है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि लोगों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार है। यदि कोई सरकार ऐसा करती है तो वह किसी पर अहसान नहीं कर रही होती है।

अब केंद्र सरकार को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सामान्य स्थिति लाने के लिये तत्काल प्रभाव से काम करना चाहिए। केंद्र को प्रदेश में विश्वास बहाली के लिये अतिरिक्त प्रयास करने चाहिए। जम्मू-कश्मीर के लोगों को मतदान करने का अधिकार यथाशीघ्र देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो यह प्रदेश की जनता की भावनाओं से खिलवाड़ करने जैसा होगा। निस्संदेह, अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बावजूद अनुमानों के अनुरूप प्रदेश में आतंकवाद का पूरी तरह सफाया नहीं हो सकता है। हां, उसकी आवृत्ति में कमी जरूर आई है।

यह देखना होगा कि केंद्र व सेना की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति किसी हद तक कामयाब हुई है। छुटपुट घटनाओं को अंजाम देने के अलावा चरमपंथी कोई बड़ा हमला करने में नाकामयाब रहे हैं। निस्संदेह, घाटी में फैले पाक पोषित आतंकवादी अपने आकाओं के इशारे पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी से उतराने की कुत्सित कोशिशों को अंजाम देने का प्रयास करेंगे। ऐसे में केंद्र सरकार और सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जायेगी।

किसकी ठठरी बांधेंगे बागेश्वर धाम के शास्त्री धीरेन्द्र?

राकेश अचल

कल का छोकरा आज का स्टार बाबा बन गया है. ' ठठरी बंधे ' उसका तकिया कलाम है. मध्यप्रदेश के कमजोर नेता विधानसभा चुनाव में एक -दूसरे की ठठरी बंधवाने के लिए बागेश्वर धाम के शास्त्री धीरेन्द्र के चक्कर लगा रहे हैं .यानि मध्यप्रदेश की राजनीति अब बाबाओं के भरोसे है.

पिछले एक साल में बागेश्वरधाम के इस नौजवान कथा वाचक का सितारा चमका तो सबसे पहले भाजपा ने उसे लपका .प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह से लेकर उनके मंत्रिमंडल के तमाम सदस्य धीरेन्द्र शास्त्री के सामने नतमस्तक हो गए. भाजपा सरकार के मंत्रियों और नेताओं में शास्त्री की कथा कराने की होड़ लग गयी,क्योंकि शास्त्री आपने कथित चमत्कारों की वजह से भीड़ खींचने की मशीन बन चुके है .अतीत के तमाम बड़े कथा वाचकों की तरह अब उनका भी आभा मंडल और भक्तमंडल है .एक भाई तो धीरेन्द्र को इंग्लैंड की सैर भी करा लाया .

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में अब कुल जमा 250 दिन रह गए हैं ,ऐसे में बाबाओं का महत्व अचानक बढ़ गया है. पिछले महीनों में प्रदेश के गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने अपने चुनाव क्षेत्र दतिया में शास्त्री का जादू दिखाने के लिए सात दिवसीय मजमा लगाया. शास्त्री ने कथित तौर पर गृहमंत्री की धर्मपत्नी के घुटने का दर्द छूमंतर कर दिया .मंत्री जी ने बाबा के साथ पूरे सात दिन काटे और क्षेत्र की जनता को दंडवत प्रणाम किया .इंदौर में भी भाजपा नेता शास्त्री की दुकान सजवा चुके हैं .

बहरहाल प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा एक तरफ विकास यात्राओं के जरिये मतदाताओं तक पहुँचने की कोशिश कर रही है तो दूसरी तरफ भाजपा धीरेन्द्र शास्त्री को साधकर उसके जरिये कांग्रेस की ठठरी बंधवाना चाहती है . सब चाहते हैं की बाबा धीरेन्द्र शास्त्री और उसके आराध्य हनुमान जी कोई चमत्कार कर दें .

बुंदेलखंड में ठठरी बाँधने का अर्थ बहुत स्पष्ट है .बाबा बात,बात में अपने विरोधियों की ठठरी बाँध देता है. बाबाओं के मुंह से ' ठठरी बंधे ' सुनना हैरान करता है ,क्योंकि बुंदेलखंड में ये शब्द एक गाली है और उसका इस्तेमाल प्रायः महिलायें करतीं हैं,वो भी कमजोर,दलित,शोषित महिलायें .कोई साधू,संत या कथा वाचक नहीं .धीरेन्द्र शास्त्री के बारे में लोगों का मानना है कि वह न साधू है ,न संत है और न ढंग का कथावाचक किन्तु उसकी उचक कर लग गयी है .धीरेन्द्र के भक्तों की भीड़ देखकर अपने आपको हनुमान जी का भक्त बताने वाले कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी धीरेन्द्र शास्त्री की दुकान में मत्था टेकने जा पहुंचे .शास्त्री के कथित धाम को मैं जान-बूझकर दुकान कह रहा हूँ क्योंकि जिस बुंदेलखंड में धीरेन्द्र रातोंरात धूमकेतु की तरह चमका है उस बुंदेलखंड में बागेश्वर नाम का कोई धाम पहले था ही नहीं .ये एक सजाई गयी दुकान से ज्यादा कुछ नहीं है .बहरहाल दुकान चल पड़ी है और कांग्रेस तथा भाजपा के नेता इसके जरिये विधानसभा चुनाव में जितना कुछ फायदा हो सके उठा लेना चाहते हैं .

धीरेन्द्र शास्त्री का इस्तेमाल भाजपा करे तो कोई हैरानी नहीं होती,क्योंकि ये उसका पुराना तरीका है लेकिन कमलनाथ और उनकी कांग्रेस भी चुनाव जीतने के लिए बहुरूपियों का इस्तेमाल करे तो बुरा लगता है. कमलनाथ की जगह यदि पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ये ठठकर्म करते तो कोई हैरानी नहीं होती,क्योंकि उनके शासनकाल में धीरेन्द्र शास्त्री जैसी अनेक दुकाने सजीं थीं .दिग्विजय सिंह का भक्तिभाव जग जाहिर है. वे किसी भी छोटे-बड़े मंदिर में मत्था टेक सकते हैं .

इंदौर के एक खूबसूरत भय्यू महाराज का किस्सा तो सबको पता है ही .एक जमाने में वे भी धीरेन्द्र शास्त्री की तरह चमकते थे लेकिन अंत में उन्हें खुदकुशी करना पड़ी थी .मध्यप्रदेश एक ऐसा प्रदेश है जहां सरकारें बिना बाबाओं के सहारे के चलती नहीं हैं. भाजपा ने तो 2003 से लेकर अभी तक जितनी बार शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किये उन सबमें धीरेन्द्र शास्त्री जैसे तमाम छोटे-बड़े बाबाओं को मंच सजाकर दिया .यहां कम्प्यूटर बाबा हैं, मिर्ची बाबा हैं. पंडोखर सरकार है ,सियाराम सरकार है ,डाक्टर हनुमान हैं.और मजे की बात इन सबके लिए प्रदेश के ही नहीं केंद्र के नेता भी अपने-अपने स्वेच्छाअनुदान से उपकृत करते रहते हैं .ये बाबा -बैरागी भी सरकार को खूब लूटते-खसोटते रहते हैं .

मध्यप्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,शिवराज सिंह चौहान,ज्योतिरादित्य सिंधिया के चेहरों के साथ ही बाबा-बैरागियों के चेहरे इस्तेमाल किये जायेंगे .धीरेन्द्र शास्त्री की दुकान चूंकि आजकल सबसे ज्यादा चल रही है इसलिए हर दल चाहता है कि शास्त्री उनके लिए फील्डिंग करे .अकेले बसपा है जो शास्त्री के खिलाफ है.राजनीति के इस खेल में कांग्रेस और भाजपा को जो मिलेगा सो मिलेगा लेकिन शास्त्री की फजीहत हो सकती है .

धीरेन्द्र शास्त्री दो घोड़ों पर सवार है .उसके लिए किसी भी दल से इंकार करना कठिन है .अब ये हकीकत प्रदेश की जनता को समझना चाहिए कि नेता उनकी धार्मिक भावनाओं का दोहन करना चाहते हैं .हकीकत ये है कि लोकतंत्र में कोई बाबा -बैरागी किसी की ठठरी नहीं बांध सकता ,ये शक्ति केवल जनता के पास है ,और इसका इस्तेमाल जनता को ही करना चाहिए .

एमपी में डबल इंजन की सरकार को इस बार भी 2018 के विधानसभा चुनाव की तरह अपनी नाव डूबने का डर है ,शायद इसीलिए मजबूरी में उसकी निर्भरता धीरेन्द्र शास्त्री जैसे नौसीखियों पर ज्यादा हो गयी है. शास्त्री बाबा-बैरागी नहीं है लेकिन उसने वेश बना लिया है. उसने अपने व्यक्तित्व को और आकर्षक बनाने के लिए एक और जहां कश्मीरियों की फेरन पहन ली है वहीं खासतौर पर सिंधिया शाही पगड़ी भी धारण कर ली है .जो उसके स्वभाव में छिपी सामंती प्रवृत्ति को रेखांकित करती है .जबकि कोई सात्विक कथा वाचक इस तरह की हरकतें नहीं करता .जनता को समझना चाहिए कि ये सब राजनीतिक दलों के हथियार भर हैं और कुछ नहीं .

सबै बूथ गोपाल के

कौशल किशोर चतुर्वेदी

आजकल भाजपा और कांग्रेस 2023 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई हैं। मध्यप्रदेश में इन दोनों प्रमुख दलों का फोकस बूथ पर है। भाजपा संगठन जहां बूथ को मजबूत करने की हरसंभव कोशिश में जुटा है, तो हर बूथ पर 51 फीसदी मत हासिल करने का लक्ष्य भी 2023 के लिए तय? किया है। वहीं कांग्रेस भी वैसे खुलकर स्वीकार करती है कि संगठन के मामले में वह कैडर बेस पार्टी से कमजोर है, लेकिन 2023 के लिए बूथ सशक्तिकरण का लक्ष्य उसका भी है। हर बूथ पर 51 फीसदी मत हासिल करना चुनौतीपूर्ण है लेकिन अब भी ऐसे विधायक हैं जो कुल मतदान में औसत रूप से हर बूथ पर 51 फीसदी मत हासिल करने का लक्ष्य फतह कर रहे हैं। आज हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश विधानसभा के सर्वाधिक आठ बार विधायक पंडित गोपाल भार्गव की।

जी हां, हम बात कर रहे हैं मध्यप्रदेश विधानसभा के वरिष्ठतम? सदस्य पंडित गोपाल भार्गव की। मध्यप्रदेश में सर्वाधिक आठ बार लगातार जीत दर्ज करने वाले अजेय विधायक हैं गोपाल भार्गव। मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव 1985 में पहली बार? रहली विधानसभा से विधायक चुने गए, तब उन्हें 30756 मत (कुल मतदान 53628 का 57.35 फीसदी) मिले थे, तो लगातार आठवीं बार इसी विधानसभा से जब वह चुने गए तो उन्हें 94305 मत (कुल मतदान 1,69,068 का 55.78 फीसदी) मिले थे। विशेष बात यही है कि पंडित जी को इन आठ बार में कुल मतदान के 54.28 फीसदी से लेकर 69.18 फीसदी तक मत मिले हैं। यानि कि हमेशा ही पंडित भार्गव को कुल मतदान के बहुमत 51 फीसदी से ज्यादा ही मत मिले हैं। हालांकि बूथवार यह थोड़ा ऊपर-नीचे हो सकता है लेकिन औसत बूथवार मत 54 फीसदी से 69 फीसदी मिले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने 2023 विधानसभा चुनाव के लिए यह लक्ष्य तय किया है कि हर बूथ पर 51 फीसदी मतदान प्रत्याशी के पक्ष में हो। अगर बूथवार औसत के हिसाब से देखा जाए तो प्रदेश के वरिष्ठतम सर्वाधिक बार चुने गए अजेय विधायक पंडित गोपाल भार्गव ऐसे हैं जो पार्टी के इस लक्ष्य पर पहली बार 1985 से ही खरे उतर रहे हैं। इस लिहाज से देखा जाए तो भार्गव की बराबरी मध्यप्रदेश का कोई विधायक नहीं कर सकता। रहली विधानसभा के लिए तो यह माना ही जा सकता है कि सबै बूथ गोपाल के। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी अच्छे मतों से जीत का

रिकॉर्ड बनाए हुए हैं लेकिन फिलहाल वह पांच बार के विधायक ही हैं और उन्होंने चार विधानसभा चुनाव तो मुख्यमंत्री बनने के बाद ही जीते हैं। सभी राजनेता कुल मतदान के 50 फीसदी से ज्यादा मत हासिल नहीं कर पाते। नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह भी 1990 से लगातार सात बार के अजेय विधायक हैं लेकिन उन्हें कुल मतदान का 36 फीसदी से 45.69 फीसदी मत ही मिले हैं। इसीलिए लोक निर्माण विभाग मंत्री पंडित गोपाल भार्गव की उपलब्धि काबिले गौर है। बस रिकॉर्ड के मामले में गौर ही उनसे आगे हैं।

दरअसल लगातार जीत दर्ज करने वाले नेताओं के जीत के अलग-अलग समीकरण होते हैं। पर गोपाल भार्गव के बारे में यदि कहें तो रहली विधानसभा की जनता और मतदाताओं के दिलों पर वह राज करते हैं। 2013 विधानसभा चुनाव में तो गोपाल भार्गव चुनाव प्रचार के लिए क्षेत्र में ही नहीं निकले और और संख्या के हिसाब से सर्वाधिक एक लाख से ज्यादा मत पाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। 2018 के विधानसभा चुनाव में कमलेश साहू को चुनाव मैदान में उतारकर गोपाल भार्गव के विरोधियों ने ऐसा माहौल बना दिया था, मानो रहली विधानसभा चुनाव में भारी उलटफेर होने वाला है। लेकिन जब चुनाव परिणाम आया तो एक बार फिर पंडित गोपाल भार्गव ऐतिहासिक जीत दर्ज कर रहली विधानसभा के जननायक साबित हुए। इस जीत के साथ ही गोपाल भार्गव मध्यप्रदेश विधानसभा के सर्वाधिक आठ बार के वरिष्ठतम विधायक का गौरव प्राप्त करने में सफल रहे। रहली की जनता ने यह जता दिया कि रहली में तो घर-घर में गोपाल का राज है। रहली विधानसभा के लिए सबै बूथ गोपाल केज्कहना भी बेमानी है। यहां तो यही माना जा सकता है कि सबै भूमि गोपाल की। और यह भी कहा जा सकता है कि जनता की भावनाओं को सम्मान देते हुए उनकी उम्मीदों पर खरे उतरकर पुत्र अभिषेक भार्गव ने पिता की हर परीक्षा में सफल होने का तमगा हासिल कर लिया है।

रहली विधानसभा के इतिहास पर नजर डालें तो 1951 से 1980 तक यह विधानसभा कांग्रेस के कब्जे में रही है। सिवाय 1967 के, जब भारतीय जनसंघ के प्रत्याशी एनपी तिवारी ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद जब 1985 से गोपाल भार्गव की विजय यात्रा शुरू हुई तब से कांग्रेस रहली विधानसभा से गायब है। और पार्टी और विधानसभा के मतदाताओं की उम्मीदों और भरोसे पर गोपाल लगातार खरे उतर रहे हैं। पार्टी ने भी 2018 में सरकार न बनने पर गोपाल भार्गव को नेता प्रतिपक्ष बनाकर उनकी वरिष्ठता और रहली के मतदाताओं के भरोसे को सम्मान दिया। हालांकि जब 2020 में फिर से भाजपा की सरकार बनी, तब मंत्री बनने में थोड़ी देर जरूर हुई लेकिन शिवराज ने गोपाल भार्गव का सम्मान मंत्री बनाकर बरकरार रखा। गोपाल की जीत का सफर इतना लंबा हो गया है कि लगातार जीत दर्ज करने वाले अजेय विधायकों में अब उनकी नजर लगातार दस बार विधायक रहे स्वर्गीय बाबूलाल गौर के रिकॉर्ड की बराबरी करने पर ही होगी। गोपाल भार्गव की विधानसभा के बारे में एक बात और कही जाती है कि यहां अब कोई पूर्व विधायक जीवित नहीं है। अब जब गोपाल भार्गव को विधायक रहते लगातार 38 साल हो रहे हैं तो पूर्व विधायक के जीवित रहने की संभावना ही कहां बचती है। इतनी नौकरी कर पाने का अवसर तो अखिल भारतीय सेवा के भी गिने-चुने अफसरों को मिलता है।

लगातार जीत दर्ज करने वाले विधायकों की अपनी-अपनी काबिलियत तो होती है। पर कुल मतदान के 54 फीसदी से ज्यादा और 70 फीसदी तक मत हासिल करने के साथ आठ बार अजेय रहने वाले पंडित गोपाल भार्गव की काबिलियत निश्चित तौर पर यह कहती है कि पार्टी विचारधारा और अंत्योदय के प्रति उनका पूरा जीवन समर्पित रहा है। मदद का कोई मौका उन्होंने कभी नहीं छोड़ा, इसका उदाहरण भोपाल के सरकारी बंगले में पिछले पैंतीस साल से चल रही भोजन व्यवस्था, विधानसभा के हर मरीज का इलाज करवाने की अघोषित गारंटी, 21 हजार से ज्यादा कन्याओं का विवाह कराने का ग्रीनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनना, क्षेत्र का असीमित विकास सहित सैकड़ों खूबियां हैं, जो पंडित गोपाल भार्गव को विलक्षण जननायक बनाती है। अगर इस अजेय वरिष्ठतम विधायक के पदचिन्हों पर ईमानदारी से चलने की सीख पहली-दूसरी बार के विधायक ले लें, तो शायद राजनैतिक दलों को बूथ को मजबूत करने का लक्ष्य बनाने की जरूरत ही न पड़े। सबै बूथ गोपाल केज्की तर्ज पर हर विधायक का नाम इस सम्मान का हकदार हो सकता है?।

विश्व हिंदी या अंग्रेजी की गुलामी?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

फिजी में 15 फरवरी से 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन होने जा रहा है। यह सम्मेलन 1975 में नागपुर से शुरु हुआ था। उसके बाद यह दुनिया के कई देशों में आयोजित होता रहा है। जैसे मोरिशस, त्रिनिदाद, सूरिनाम, अमेरिका, ब्रिटेन, भारत आदि ! पिछले दो सम्मेलनों को छोड़कर बाकी सभी सम्मेलनों के निमंत्रण मुझे मिलते रहे हैं। मुझे 1975 के पहले सम्मेलन से ही लग रहा था कि यह सम्मेलन हिंदी के नाम पर करोड़ों रु. फिजूल बहा देने की कोशिश से ज्यादा कुछ नहीं है। नागपुर सम्मेलन के दौरान मैंने 'नवभारत टाइम्स' में एक संपादकीय लिखा था, जिसका शीर्षक था, ''हिंदी मेलाः आगे क्या?'' 38 साल बीत गए लेकिन जो सवाल मैंने उस समय उठाए थे, वे आज भी ज्यों के त्यों जीवित हैं। तत्कालीन दो प्रधानमंत्रियों के आग्रह पर मैंने मोरिशस और सूरिनाम के सम्मेलनों में भाग लिया। वहां दो-तीन सत्रों की अध्यक्षता भी की और दो-टूक भाषण भी दिए। कुछ ठोस प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित भी करवाए लेकिन सारे विश्व हिंदी सम्मेलन सैर-सपाटा सम्मेलन बनकर रह गए हैं। अब अच्छा है कि मोदी-राज में मेरे-जैसे स्पष्टवक्ताओं को इन सैर-सपाटा सम्मेलनों से दूर ही रखा जाता है। यह खुशी की बात है कि यह 12 वॉ सम्मेलन उस फिजी में हो रहा है, जहां प्रवासी भारतीयों के अन्य देशों की बजाय हिंदी का चलन ज़रा ज्यादा है लेकिन हिंदी की जो दुर्दशा भारत में हैं, वही हाल हिंदी का उन प्रवासी देशों में भी है। इन देशों में तो हिंदी की बजाय आम लोग अपनी बोलियों में ही बातचीत करते हैं। यदि इन देशों में महर्षि दयानंद का आर्यसमाज सक्रिय न होता तो वहां हिंदी का नामो-निशान ही मिट जाता। इन देशों में भी संसदीय कार्रवाई, अदालती बहस और फैसले तथा सारी ऊँची पढ़ाई अंग्रेजी या फ्रांसीसी में ही होती है। ऐसा वहां क्यों न हो? जब दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत अंग्रेजी की गुलामी में डूबा हुआ है तो इन छोटे-मोटे देशों को हम दोष क्यों दे? 1975 में ही 'साप्ताहिक हिंदुस्तान' में मेरे वरिष्ठ मित्र गोविंदप्रसादजी केजरीवाल ने विश्व हिंदी सम्मेलन पर लिखते हुए कहा था कि 'घर में नहीं दाने ! अम्मा चली भुनाने ! !' आजकल हम आजादी का 75 वां वर्ष मना रहे हैं लेकिन हमारे कानून, हमारे सरकारी आदेश, हमारे ऊँचे अदालती फैसले, हमारी ऊँची पढ़ाई और शोध-कार्य सभी काम-काज अंग्रेजी में चल रहे हैं और हम हिंदी को विश्व भाषा बनाने पर तुले हुए हैं। यह ठीक है कि अन्तरराष्ट्रीय व्यापार, कूटनीति और शोधकार्य के लिए हमें कई विदेशी भाषाओं को अवश्य सीखना चाहिए लेकिन हम अकेली अंग्रेजी की गुलामी में डूबे हुए हैं। हिंदी को संयुक्तराष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बनवाने का प्रस्ताव मैंने सूरिनाम में पारित करवाया था लेकिन यदि वह बन भी जाए तो भी क्या होगा? क्या हमारे नेताओं को कुछ शर्म आएगी? क्या वे नौकरशाहों की नौकरी करना बंद कर पाएंगे? यदि वे वे ऐसा कर सकें तो अंग्रेजी की गुलामी से हिंदी अपने आप मुक्त हो जाएगी।

झूठ बोले कौआ काटे! शिवरात्रि, संस्कृत और शिव प्रताप का मेल

रामेन्द्र सिन्हा

यह संयोग ही है कि नाम शिव से है तो हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ भी वे ले रहे महाशिवरात्रि के दिन। कल 18 फरवरी से वह विधिवत् महामहिम हो जाएंगे। नाम में प्रताप जो जुड़ा हुआ है। प्रताप का अर्थ ही है शौर्य, बल, शक्ति, महामहिम आदि। शिव संस्कृत का शब्द है तो शपथ की भाषा भी संस्कृत होगी। वे हैं, पूर्वांचल के कद्दावर नेता पूर्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री शिव प्रताप शुक्ला। तो क्या, शिव प्रताप के जरिये हिमाचल और पूर्वांचल में 2024 को साधने की है तैयारी !

संवैधानिक पद की शपथ लेने से तीन दिन पूर्व शिव प्रताप शुक्ल ने भारतीय जनता पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। त्यागपत्र देते समय पार्टी के साथ बिताए 39 साल के सफर को याद करते हुए वे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि किसी भी कारण से उन्हें पार्टी से त्यागपत्र देना भी पड़ सकता है। उन्होंने बताया की संस्कृत भाषा से उनका काफी लगाव है। इसीलिए, उन्होंने राज्यसभा सदस्य पद की शपथ भी संस्कृत में ही ली थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शंकर पहली बार प्रकट हुए थे। शिव का प्राकट्य ज्योतिर्लिंग यानी अग्नि के शिवलिंग के रूप में था। ऐसा शिवलिंग जिसका ना तो आदि था और न अंत। किंवदंती है कि शिवलिंग का पता लगाने के लिए ब्रह्माजी हंस के रूप में शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग को देखने की कोशिश कर रहे थे लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। वह शिवलिंग के सबसे ऊपरी भाग तक पहुंच ही नहीं पाए। दूसरी ओर भगवान विष्णु भी वराह का रूप लेकर शिवलिंग का आधार ढूंढ रहे थे लेकिन उन्हें भी आधार नहीं मिला। इसका अर्थ है कि शिव का कोई आदि और अंत नही है7 शिव पुराण के अनुसार, इस दिन भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने हेतु हलाहल विष को ग्रहण किया था और पूरी सृष्टि को इस भयंकर विष से मुक्त किया था। शिव संस्कृत भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है, कल्याणकारी या शुभकारी। यजुर्वेद में शिव को शांतिदाता बताया गया है। 'शि' का अर्थ है, पापों का नाश करने वाला, जबकि 'व' का अर्थ देने वाला। शिव वह चेतना है जहां से सब कुछ आरम्भ होता है, जहां सबका पोषण होता है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। जब, शिव संस्कृत भाषा का शब्द तो शिव प्रताप को संस्कृत से क्यों न हो प्रेम ! पिछले साल वाराणसी में आयोजित तमिल संगमम में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा था कि तमिल और संस्कृत भगवान शिव के मुख से निकली भाषाएं हैं। संस्कृत की वैज्ञानिकता का अध्ययन करके ही अमेरिका की सबसे बड़ी अनुसंधान संस्था नासा ने 1987 ई. में ही संस्कृत को कंप्यूटर के लिए सर्वोत्तम भाषा घोषित कर दिया था। नासा ने संस्कृत भाषा को अंतरिक्ष में कोई भी मैसेज भेजने के लिए सबसे उपयोगी दावा माना है; क्योंकि संस्कृत के वाक्य उल्टे

हो जाने पर भी अपना अर्थ नहीं बदलते हैं। दुनिया की 97 प्रतिशत भाषाएं प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से संस्कृत से प्रभावित हैं। यह अकेली ऐसी भाषा है जिसे बोलने में जीभ की सभी संवेदिकाओं का इस्तेमाल होता है। अमेरिकन हिंदू यूनिवर्सिटी के मुताबिक संस्कृत बोलने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और रक्त का प्रवाह बेहतर होता है।

क्या शिव प्रताप शुक्ला हिमाचल प्रदेश के व्यापक हित में कल्याणकारी सिद्ध होंगे? सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पहले ही प्रदेश में श्रीलंका जैसे हालात का हवाला देकर पिछली भाजपा सरकार पर कुशासन का ठीकरा फोड़ चुकी है। भाजपा ने भी विधायक क्षेत्र विकास निधि रोकने और पिछली योजनाओं को बंद करने आदि मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। शिव प्रताप शुक्ला ने राजनीति में हलाहल भी पीया है। नीलकंठ भी बने। वह, साल 2002 से 14 साल के वनवास सरीखा दौर ही था। तब भी विचलित नहीं हुए। पार्टी संगठन के समर्पित-अनुशासित सिपाही बने रहे। अब राजनीति से परे रह कर राज-नीति को साधने की कठिन चुनौती है। वर्ष 2019 तक वे मंत्री रहे। इसके बाद राज्यसभा में भाजपा का मुख्य सचेतक चीफ व्हिप बनाया गया। पिछले साल राज्यसभा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद डा. राधामोहन दास अग्रवाल को पार्टी ने राज्यसभा का सदस्य बनवा दिया। ऐसा लगा कि शिवप्रताप का राजनीतिक भविष्य अब संकट में है। लेकिन, उन्होंने इस बार भी धैर्य नहीं खोया और नतीजा सामने है।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की जिम्मेदारी मिलने को राजनीतिक गलियारे में लोकसभा चुनाव के नजरिये से देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि 2019 की तरह केंद्र सरकार ने शिव प्रताप के जरिये पूर्वांचल के ब्राह्मणों को एक बार फिर साधने की कोशिश की है। क्योंकि, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव भाजपा में ब्राह्मणों की उपेक्षा का तीर चलाने का कोई अवसर छोड़ नहीं रहे। अब संवैधानिक जिम्मेदारी दे कर 2024 के पहले पूर्वांचल और हिमाचल को साधने की तैयारी है। यूं ही नहीं, पीएम नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की जोड़ी ने शिव के प्रताप पर भरोसा किया है।

और ये भी गजबः संस्कृत को विश्व की अन्य भाषाओं की जननी माना जाता है। प्राचीन भारत में विद्वान संस्कृत भाषा का उपयोग करते थे और इसे देवभाषा भी कहा जाता है। हाल ही में सुप्रसिद्ध 'गीता प्रेस' गोरखपुर के 100 साल पूरे होने पर श्रीमद् भागवत गीता के 700 संस्कृत श्लोकों पर आधारित अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन मनमोहक आयोजन चर्चा का विषय बना। हम भले ही संस्कृत को तुच्छ या मृत भाषा समझते रहें, आने वाले समय में संस्कृत कंप्यूटर की भाषा बनने जा रही है। संस्कृत में इतनी वैज्ञानिकता होने के कारण ही अमेरिका, रूस, स्वीडन,कनाड़ा, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, आस्ट्रिया देशों में नर्सरी से ही बच्चों को संस्कृत पढ़ाई जाने लगी है। कहीं ऐसा न हो कि हमारी संस्कृत कल वैश्विक भाषा बन जाए और हमें स्वयं लज्जित होना पड़े। ऐसे में शिव प्रताप शुक्ला का संस्कृत में शपथ लेने का निर्णय निश्चय ही प्रेरणाप्रद है।

आपको मालूम, संस्कृत वर्णमाला के सभी 33 व्यंजन निम्न श्लोक में आ जाते हैं। इतना ही नहीं, उनका क्रम भी यथायोग्य है-

कःखगीघाङ्चिच्छौजाझाञ्ज्ञोऽटौठीडढणः।
तथोदधीन पफर्बाभीर्मयोऽरिल्वाशिषां सह।।

अर्थात्- पक्षियों का प्रेम, शुद्ध बुद्धि का, दूसरे का बल अपहरण करने में पारंगत, शत्रु-संहारकों में अग्रणी, मन से निश्चल तथा निडर व्यक्ति को शत्रुओं का भी आशीष प्राप्त होता है।

माघ कवि ने शिशुपालवधम् महाकाव्य में केवल भ और र दो ही अक्षरों से एक श्लोक रच दिया-

भूरिभिर्भारिभिर्भीभीराभूभारैरभिरेभिरे।
भेरीरेभिभिरभ्राभैरूभीरूभिरिभैरिभाः।।

अर्थात्- धरा को भी वजन लगे ऐसे वजनदार, वाद्य यंत्र जैसी आवाज निकालने वाले और मेघ जैसे काले निडर हाथी ने अपने दुश्मन हाथी पर हमला किया।

किरातार्जुनीयम् काव्य संग्रह में गजब के कौशल का प्रयोग करके महाकवि भारवि ने केवल न व्यंजन से अद्भुत श्लोक बनाया है-

न नोननुन्नो नुन्नोनो नाना नाना नना ननु।
नुन्नोऽनुन्नो ननुन्नेनो नानेना नन्नुनन्नुनुत्।।

अर्थात्- जो मनुष्य युद्ध में अपने से दुर्बल मनुष्य के हाथों घायल हुआ है वह सच्चा मनुष्य नहीं है। ऐसे ही अपने से दुर्बल को घायल करता है वो भी मनुष्य नहीं है। घायल मनुष्य का स्वामी यदि घायल न हुआ हो तो ऐसे मनुष्य को घायल नहीं कहते और घायल मनुष्य को घायल करें वो भी मनुष्य नहीं है।।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

केंद्रीय मंत्री कुलस्ते जी के प्रयासों से लगा दिव्यांगजन शिविर

नैनपुर-दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर द्वारा दिव्यांगजनो के लिए विशेष रेलवे कंसेशन कार्ड बनने का शिविर आज दिनांक 16 फरवरी 2023 को रेलवे स्टेशन महाराजपुर में केंद्रीय इस्पात व ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री फग्गनसिंह कुलस्ते जी के प्रयासों से शिविर लगाया गया कार्ड द्वारा दिव्यांगजन को रेल यात्रा में रियायत मिलेगी। आज शिविर में रेलवे के अधिकारी श्री अविनाश कुमार आनंद सहायक मंडलवानिज्य प्रबंधक, नागपुर, अजीत कुमार निरीक्षक नैनपुर, डीसी सिन्हा स्टेशन प्रबंधक मण्डला,डॉ मनोज मुराली, डॉ विजय धुर्वे,डॉ सूरज मरावी,राम मिश्रा, युगल चंद्रोल मण्डला लोकसभा सांसद प्रतिनिधि श्री जयदत्त झा,श्री वीरेंद्र नामदेव,रेवती रमन कछवाहा,सौरभ गुप्ता,अंशुल चौरसिया उपस्थित रहे।

ऊन के बीएमओ, बीईई, जेएमआई, एमपीडब्ल्यू और संगणक को नोटिस जारी

खरगोन ।13फरवरी को कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने ऊन के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए ऊन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बीएमओ डॉ. पीयुष पाटीदार, बीईई श्री दिनेश मण्डलोई, जेएमआई श्री हनीफ खान, एमपीडब्ल्यू श्री ऋषि दसौंधी और संगणक श्रीमती शारदा बच्चन कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार शासकीय अधिकारी और कर्मचारियों का कार्यालयीन समय सुबह 10 बजे निर्धारित किया गया है। लेकिन इनके द्वारा शासन के निर्देशों की अवहेलना कर गंभीर अनुशासनहीनता बरती गई। जो मप्र सिविल सेवा (आचरण) नियम1965 के विपरित है। इस कृत्य के लिए इन्हें लिखित उत्तर सूचना पत्र प्राप्ति के 3 दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने का समय दिया है। इसी प्रकार कलेक्टर श्री वर्मा ने उप पंजीयक कार्यालय सेगांव का भी निरीक्षण किया था। यहां निरीक्षण के दौरान पंजीयक कार्यालय के द्वार पर ताला लगा पाया गया। शासन के निर्देशों के अवहेलना कर गंभीर अनुशासनहीनता बरतने पर प्र. उप पंजीयक के श्री बापूसिंह चौहान को भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

धार, । कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के अंतर्गत धार तहसील के ग्राम अचाना के प्रेमसिंह पिता भागीरथ सिंह को 65 हजार रूपए, धार निवासी शिवानी पिता राकेश शितोले को 30 हजार रूपए तथा धार की श्रीमती संध्या पति हरिकृष्ण अग्रवाल को बीमारी के उपचार के लिए 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

महाशिवरात्रि पर निकलेंगी भव्य शिव बारात , होगा फलहारी भंडारा

ओबेदुल्लागंज। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण अर्जुन नगर से भव्य शिव बारात निकाली जाएगी जो मुख्य मार्ग से होते हुए श्रीराम मंदिर जायेगी जहां पूजन हवन के साथ भगवान भोलेनाथ की स्तुति होगी।आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि शिव बारात में भगवान भोलेनाथ का सुसज्जित रथ वाल हनुमान भूत प्रेत सहित आकर्षक डीजे भगवान शिव की बरात की शोभा बढ़ायेगे।इस दौरान नगर परिषद स्थित अम्बेडकर चौराहे पर विशाल फलहारी भंडारे का आयोजन किया जायेगा।वही दूसरी शिव बारात काली मंदिर होशंगाबाद रोड से निकाली जायेगी जिसमें बड़ी संख्या में भोलेभक्त विशेष रूप में उपस्थित रहेगें।

छतरपुर विकास यात्रा में 94 हितलाभ वितरण

छतरपुर,। नगरपालिका छतरपुर गुरूवार को वार्ड न. 15, 16, 17 एवं 18 में निकाली गई विकास यात्रा में हितलाभ वितरण के तहत लाड़ली लक्ष्मी योजना के 10, संबल योजना के 26, पथ विक्रेता के 30, कामकाजी महिला के 01, पेंशन योजना के 09, खाद्वयान पर्ची के 17 सहित 94 हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किये गये। वार्ड न. 18 में विकास यात्रा का समापन हुआ। विकास यात्रा में पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती ललिता यादव, नपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया और उपाध्यक्ष विकेंद्र बाजपेयी, उमेश शुक्ला, नंदिता पाठक एवं पार्षद एवं जनप्रतिनिधि एवं आमलोग उपस्थित थे।

गौरखपुरा में 5 लाख लागत के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन

बड़ामलहरा विधानसभा में शामिल ग्राम गौरखपुरा में गुरूवार को विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी ने 5 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन की आधारशिला रखी। विकास यात्रा में हितलाभ वितरण के साथ योजनाओं की जानकारी दी। चंदला विधानसभा की ग्राम मढ़ा, मुड़ेरी, बेड़ी में 24.53 लाख लागत के लोकार्पण एवं भूमिपूजन किये गये तथा हितलाभ के वितरण विधायक राजेश प्रजापति द्वारा किया गया।

पलक पावडे संस्कार और संस्कृति से जी-20 देशों के प्रतिनिधियों का करेंगे स्वागतः व्हीडी शर्मा

छतरपुर। खजुराहो सांसद व्हीडी शर्मा ने खजुराहो में गुरूवार को बीते 49 दिनों से चल रहे स्वच्छता अभियान में झाड़ू लगातर अपनी सहभागिता निभाई।

उन्होंने कहा कि खजुराहो में हो रहे जी-20 समिट में आने वाले विदेशी महमानों और प्रतिनिधियों का पलक पावडे बिछाकर वैदिक संस्कार और संस्कृति से स्वागत करेंगे। उन्होंने गुलाब बाग और पोद्दार चौराहा पर खजूर के पेड़ रोपित किये। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर आज देश के नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं। खजुराहो के स्वच्छता अभियान में समाजसेवी, बुद्धिजीवी तथा आमलोगों ने सराहनीय सहयोग दिया है।

विकास यात्रा पर किया कटाक्षः पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने ,जितने पैसे खर्च किए गए हैं उतना धरातल पर विकास नहीं हुआ

इस दबंगाई यात्रा में प्रशासनिक अधिकारी, कॉलेज, स्कूलों के बच्चे को जबरदस्ती शामिल किया जा रहा है

हीरालाल गोलानी सोहागपुर । समीपस्थ ग्राम करनपुर में सवा करोड़ पार्थिवलिंग निर्माण के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज सभा सदस्य दिग्विजय सिंह कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे ।

उल्लेखनीय है कि सवा करोड़ पार्थिवलिंग शारदा पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद स्वामी के सानिध्य एवं विख्यात पंडित सोमेश परसाई आदि विद्वानों पंडितों के निर्देश में संम्पन्न हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह आचार्य सोमोश परसाई जी से आशीष प्राप्त किया। इस अवसर पर भाजपा की विकास यात्रा पर कटाक्ष करते पत्रकारों से कहा कि यह विकास यात्रा नहीं ,यह भाजपा यात्रा है।जितने पैसों का प्रदेश में खर्चा किया गया है।उतना विकास धरातल नहीं है।यह यात्रा दबंगाई यात्रा है।जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों, कॉलेज, स्कूलों के बच्चों को जबरदस्ती शामिल किया जा रहा है। सोहागपुर विधानसभा के लिए स्थानीय प्रत्याशी का प्रश्न करने पर आपने कहा यह.पार्टी तय करेगी। आपने कहा कि हॉ स्थानीय प्रत्याशी को ही टिकट देना चाहिए।इस अवसर पर आयोजक समाजसेवी हरगोविंद पुरबिया भी उपस्थित थे।पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि श्री पुरबिया मेरे गुर भाई हैं।उन्होंने ग्राम करनपुर में सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग निर्माण का उत्कृष्ट कार्यक्रम किया है। ज्ञातव्य है कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का सोहागपुर ब्लॉक में विशेष लगाव रहा है । ज्ञातव्य है कि नर्मदा परिक्रमा के दौरान सम्पूर्ण सोहागपुर विधानसभा के गणमान्य नागरिकों ने उनकी अगवानी उत्साह के साथ की थीं।इसी कारण उनका लगाव क्षेत्र के नागरिकों के साथ हमेशा रहता है।आप उनके सुख दुख में शामिल होते रहते हैं.

इसी तारतम्य में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह ने जिला अध्यापक संघ अध्यक्ष उमेश ठाकुर के पूज्य पिताश्री स्व.श्री राधेलाल ठाकुर के देव लोकगमन हो जाने पर श्रद्धांजलि एवं सांत्वना देने पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ उदयपुरा विधायक देवेन्द्र पटेल,पूर्व विधायक श्रीमति सविता दीवान शर्मा,पूर्व सांसद रामेश्वर नीखरा, यशवंत ठाकुर आदि साथ थे। कभी उपस्थित जनों ने

दिवंगत स्वगीर्य राधेलाल ठाकुर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री का पड़ाव ग्राम शोभापुर के निकट ग्राम ढिकवाड़ा पहुंचा ।यहां आप कांग्रेस नेता मंजेश पटेल के निवास पर स्व. श्री भगवान सिंह पटेल को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री का ग्रामीणों ने उत्साह के उनकी अगवानी की।

भोजपुर क्षेत्र के विधायक की विकास यात्रा पर युवा कांग्रेस नेता ने उठाए सवाल, प्रेस वार्ता कर की जानकारी दी

औबेदुल्लागंज संवाददाता । भोजपुर क्षेत्र के कांग्रेसी युवा नेता परेश नागर जो हाल ही में राहुल गांधी के साथ पदयात्रा में पूरे समय रहकर आए हैं 16 फरवरी को जगमीत ढाबे पर प्रेस वार्ता आयोजित कर पत्रकारों को बताया कि भोजपुर क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र पटवा पर गंभीर आरोप लगाते हुऐ उन्होंने कहा कि 15 सालों से विधायक रहते हुए क्षेत्र में विकास नहीं कराया वही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के विकास कार्य को ही अपना विकास बताते हैं विधायक निधि से क्षेत्र में कोई विकास का बड़ा कार्य नहीं किया गया है वही स्वयं की विधायक निधि के द्वारा किए कार्यो का विकास यात्रा में कोई जिक्र नहीं किया जा रहा है क्षेत्र में जगह-जगह यात्री प्रतीक्षालय बनाए गए है इसमें भ्रष्टाचार के बड़े खेल की आशंका को भी उन्होंने कहां है श्री नागर ने आरोप लगाते हुए कहा कि भोजपुर क्षेत्र में पानी टैंकर बनाने का ठेका भी किसको दिया है कितने की लागत है इसकी भी जांच होनी चाहिए, वहीं

बीमारी के नाम पर ?5000 कितने खाते में डाले गए हैं इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की जांच करने की मांग करेंगे यह जनता के साथ विकास के नाम पर धोखा हुआ है और विधायक विकास यात्रा में शामिल हो रहे हैं जबकि क्षेत्र में कहीं विकास दिख ही नहीं रहा है जनता विधायक निधि का हिसाब मांगती है मेरे द्वारा प्रेस वार्ता करके भोजपुर क्षेत्र के विधायक के बारे में आप सभी को बता दिया है इस मामले पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से कांग्रेसी कार्यकर्ता मिलकर इस पूरे मामले की जांच की मांग करेंगे

पूर्व मंत्री के नेतृत्व में पहुंची विकास यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

छतरपुर। पूरे प्रदेश के साथ-साथ छतरपुर जिले में भी भाजपा के जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं द्वारा विकास यात्रा निकाली जा रही है जिसमें लोगों को प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी जा रही है तथा उन्हें योजनाओं का मौके पर ही लाभ दिलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक एवं अलीपुरा रियासत के महाराज मानवेन्द्र सिंह उर्फ भंवर राजा के नेतृत्व में विकास यात्रा गांव-गांव का भ्रमण कर रही है। आज गुरूवार को यह विकास यात्रा गढ़ीमलहरा पहुंची जहां यात्रा ने नगर का भ्रमण किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मानवेन्द्र सिंह के मुख्य आतिथ्य एवं नौगांव जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता-राकेश पाठक

की अध्यक्षता में मंचीय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें मौजूद अपार जनसमूह को संबोधित करते हुये पूर्व मंत्री मानवेन्द्र सिंह ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लोगों के घर तक पहुंचाने के लिये पूरे प्रदेश में यह यात्रा निकाली जा रही है। शासन की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देते हुये श्री भंवर राजा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जन्म से लेकर मृत्यु तक के लिये योजनायें बनायीं हैं। लोगों को चाहिए कि वे योजनाओं का लाभ उठायें।

विकास यात्रा में हुआ विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

जनप्रतिनिधियों द्वारा लगभग 2035.23 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास, भूमिपूजन किया गया

धार, । जिले में गत 5 फरवरी से विकास यात्राओं के दौरान जिले के हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा हैं। गुरूवार को औद्योगिक नीति निवेश एवं प्रोत्साहन मंत्री श्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव ने बदनावर के ग्राम सेमलिया में विकास-यात्रा के दौरान ग्राम कलोला के स्वामित्व के पट्टे का वितरण किया। इसी प्रकार ग्राम पंचायत बोराली में सीसी रोड का भूमिपूजन किया गया, जिसकी लागत 1.83 लाख रूपए व गौशाला सैड एवं गोडाउन की निर्माण की लागत 28.67 लाख रूपए, गेहूं उपार्जन केंद्र निर्माण बोराली की लागत 13.78 लाख रूपए का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। जिले में विकास यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए।

ज़िले की सातों विधान सभाओं में विकास यात्रा 82 ग्रामों में पहुँची। जनप्रतिनिधियों द्वारा यहाँ लगभग 2035.23 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास, भूमिपूजन किया गया। जिसमें विधानसभा क्षेत्र धार में 152.59 लाख रुपए, बदनावर में 250.65 लाख रुपए, सरदारपुर में 370.09 लाख रुपए, कुक्षी में 188.97 लाख रुपए, गंधवानी में 243.64 लाख रुपए, मनावर में 580.17 लाख रुपए तथा विधानसभा क्षेत्र धरमपुरी में 249.12 लाख रुपए के कार्यो का लोकार्पण/शिलान्यास /भूमिपूजन किया गया।

इसी प्रकार उमरबन के ग्राम कल्याणपुरा तथा धरमपुरी के ग्राम गुजरी, डेहरिया, हनुमंतिया की रेट्रोफिटिंग नलजल योजना का शिलान्यास जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। उमरबन के ग्राम भुवादा में कलश यात्रा निकाली गई। यहाँ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुआ और आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। जिसमें मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क औषधियों को वितरण किया गया। विकास-यात्रा के दौरान सरदारपुर के ग्राम खरेली में जल जीवन मिषन अंतर्गत 135.50 लाख रुपए की लागत की नलजल योजना का लोकार्पण किया। ग्राम पंचायत फुलगावड़ी में जनप्रतिनिधियों ने नाली निर्माण का भूमिपूजन किया। यहाँ पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कलश यात्रा भी निकाली गई। विकासखण्ड धरमपुरी के ग्राम फरसपुरा में जनप्रतिनिधियों के द्वारा 4 स्व सहायता समूहों को 8 लाख रुपए के सीसीएल का वितरण किया गया। इसी प्रकार ग्राम दुगनी में आयोजित कार्यक्रम में एक स्व सहायता समूह को 6 लाख रूपए की ऋण राशि वितरित की गई। साथ ही ग्राम दुगनी में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने हितग्राही किसानों को अनुदान पर बैल चलित मल्टी टूल कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। ग्राम दुगनी में कलश यात्रा भी निकाली गई। निसरपुर के ग्राम धुलसर में जल जीवन मिषन के अंतर्गत 128.84 लाख रुपए की लागत की जल प्रदाय टँकी का लोकार्पण जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। ग्राम बड़गांव में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने हितग्राही किसानों को विद्युत पंप के स्वीकृति पत्र वितरित किए।

धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

खण्डवा । अपर जिला दण्डाधिकारी श्री एस.एल. सिंघाड़े ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर सभी होटल, लॉज व धर्मशालाओं के संचालको को आदेशित किया है कि उन्हें किसी भी व्यक्ति को ठहराने से पूर्व उसका प्रमाणिक पहचान पत्र अवश्य प्राप्त करें तथा ठहरने वाले व्यक्तियों का विवरण संबंधी थानो को उसी दिन दिया जायें। जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक मकान मालिक को अपने नए किरायेदारों तथा घरेलू नौकरो के स्वामियों को अपने घरों अथवा संस्थानों में नियुक्त नए नौकरों की जानकारी संबंधित थाने में आवश्यक रूप से देनी होगी। आदेश का पालन न करने पर संबंधित के विरूद्ध धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

खण्डवा। कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी बी.एम.ओ. को निर्देश दिये कि सी.एम. हेल्पलाईन के प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर संतुष्टिपूर्वक बंद करवायें। अन्यथा की स्थिति में संबंधित ब्लॉक के बी.एम.ओ. पर कार्यवाही की जाएगी। गर्भवती महिलाओं का तिमाही पंजीयन शीघ्र कर अनमोल एप में शत प्रतिशत एंट्री करवाये जाना सुनिश्चित करें। साथ ही गर्भवती महिलाओं का तालिका अनुसार चार जाचें अनिवार्य रुप से करवाये जाना सुनिश्चित करें और अनमोल एप पर एंट्री भी करवायें। डिलेवरी पाइंट की डिलेवरी प्रतिदिन अपडेट की जावे। इस दौरान समस्त बी.एम.ओ. को निर्देश दिये कि चिन्हित हाईरिस्क एनिमिक गर्भवती महिलाओं को ब्लड चढ़ावाया जाए। चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती करवाये। उन्होंने समस्त स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सभी कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि दिये गये लक्ष्य अनुसार लक्ष्य पूर्ति करना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. शिवराज सिंह चौहान ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी दी।

पीड़ित परिवार को 4 लाख रू. की आर्थिक मदद स्वीकृत

खण्डवा । राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत प्राकृतिक आपदा से जानमाल की हानि होने पर प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सतीश पिता सुन्दरलाल निवासी ब्रम्हदड़माल तहसील हरसूद जिला खण्डवा की गत दिनों कृषि कार्य करते समय करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। जिस पर अपर कलेक्टर ने मृतक के परिवार के निकटतम सदस्यों को राजस्व पुस्तक परिपत्र के संशोधित प्रावधानों के तहत 4 लाख रू. की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है।

सायबर कैफे संचालकों को करना होगा प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन

खण्डवा । अपर जिला दण्डाधिकारी श्री एस.एल. सिंघाड़े ने जिले में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। जारी आदेश के अनुसार सायबर अपराधों की घटनाओं को रोकने के लिए सायबर कैफे में सीसीटीवी केमरे लगाना अनिवार्य होगा, जिसकी कम से कम एक महीने तक रिकार्डिंग सुरक्षित रखना होगी। इसकी जिम्मेदारी सायबर कैफे संचालक की होगी। सायबर कैफे में कार्यरत् कर्मचारियों की पूरी जानकारी परिचय पत्र व फोटो सहित निकटतम पुलिस थाने में जमा कराना होगी। सायबर कैफे मालिक अपने वैध लायसेंस की प्रति थाने में जमा करायेगा तथा एक प्रति अपने सायबर कैफे में मुख्य स्थान पर प्रदर्शित करेगा। सभी कम्प्यूटर सिस्टम पर पोर्न साइट फिल्टर अनिवार्य रूप से लगाना होगा। सायबर कैफे में कम्प्यूटर उपयोग करने वाले व्यक्तियों की जानकारी रजिस्टर में दर्ज की जायेगी तथा बिना आईडी प्रुफ के कम्प्यूटर संचालन की अनुमति किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जायेगी।

18 को डमरू घाटी में लगने वाले मेला में किया गया रूट डायवर्सन

नरसिंहपुर, महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर जिले के गाडरवारा स्थित शक्कर नदी के पास डमरू घाटी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। यातायात व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा 18 फरवरी को प्रात:5 बजे से रात्रि 11 बजे तक रूट डायवर्ट किया है।

करेली/ नरसिंहपुर से गाडरवारा/ सांईखेड़ा/ पिपरिया की ओर से जाने वाली प्रायवेट वाहन व बस को नारगी से होते हुए कल्याणपुर, एनटीपीसी, गाडरवारा बायपास, सोयाबीन प्लांट गाडरवारा की ओर डायवर्ट किया जायेगा। गाडरवारा/ सांईखेड़ा/ पिपरिया से नरसिंहपुर/ करेली की ओर जाने वाले प्रायवेट वाहन व बस को सोयाबीन प्लांट गाडरवारा, गाडरवारा बायपास, एनटीपीसी, कल्याणपुर से नारगी की ओर डायवर्ट किया जायेगा। गाडरवारा से तेंदूखेड़ा की ओर जाने वाले प्रायवेट वाहन व बस को गाडरवारा से व्हाया सांईखेड़ा, उदयपुरा की ओर डायवर्ट किया जायेगा। तेंदूखेड़ा से गाडरवारा की ओर जाने वाले प्रायवेट वाहन व बस को व्हाया उदयपुरा, सांईखेड़ा से गाडरवारा की ओर डायवर्ट किया जायेगा। करेली से एनटीपीसी गाडरवारा की ओर जाने वाले अत्याधिक भारी वाहनों को व्हाया राजमार्ग, उदयपुरा, सांईखेड़ा होकर डायवर्ट किया जायेगा। एनटीपीसी गाडरवारा से करेली की ओर जाने वाले अत्याधिक भारी वाहनों को व्हाया सांईखेड़ा, उदयपुरा, राजमार्ग होकर डायवर्ट किया जावेगा। उक्त जानकारी थाना प्रभारी गाडरवारा ने दी है।

18 की रात्रि आर्केस्ट्रा व चारों पहर शिवपूजन होगा।

नरसिंहपुरकरेली के समीपस्थ ग्राम अम्हेटा में जारी 10 दिवसीय शिव महापुराण कथा व महारुद्राभिषेक के संतवे दिन प्रवचनों की अमृतमयी वर्षा में प्रवचनकर्ता पं. जगन्नाथ प्रसाद शास्त्री इमलिया कमती (गोटेगांव) ने शिव महिमा का ब्रतान्त सुनाया। जिसमे भारतवर्ष में स्थापित द्वादश ज्योतिर्लिंगों की स्थापना उनका महत्व व श्री गणेश जी के विवाह का प्रसंग सुनाया। रंगारंग कार्यक्रम के दौरान आज 17 फरवरी को शंकर-पार्वती विवाह प्रसंग व 18 फरवरी शिवरात्रि को आर्केस्ट्रा रात्रि 8 बजे से होगा। आयोजक परिवार से संतोष बनवारी ने बताया कि ऑकेस्ट्रा के साथ ही शिवरात्रि पर रात्रि के चारों पहर भगवान भोलेनाथ का विधिविधान से विल्वपत्र, वेर, चना, चन्दन, आक पुष्प, धतूरा फल आदि के साथ पूजन भी किया जावेगा। शिवपुराण कथा के पश्चात पुराण पीठ से कथा व्यास पं. श्री जगन्नाथ प्रसाद शास्त्री द्वारा समस्त श्रद्धालुओं को आशीर्वचनों के साथ आशीर्वाद प्रदान किया जाता है। उल्लेखनीय है कि ग्राम अम्हेटा में 10 फरवरी से 20 फरवरी तक 10 दिवसीय शिव महापुराण कथा व महारुद्राभिषेक किया जा रहा है। जिसमे सुबह 8 बजे से 11 बजे तक रूद्री निर्माण न रुद्राभिषेक व 2 बजे कथा प्रवचन किये जाते हैं।आयोजक बनवारी परिवार एवं समस्त ग्रामवासी अम्हेटा द्वारा समस्त भक्त वृंद से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की प्रार्थना की गई है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल पलासी तहसील संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़)

सूचना पत्र

रा.प्र.क्र. 048/अ- 3/2022-23

प्रति,

1.) साजिद हुसैन पुत्र जाहिर हुसैन निवासी बडवाई, 2. फिरोजा पत्नी अब्दुल अजीज 3. रेहाना पत्नी फिरोज मो खा,4.) आरती राय पत्नी सत्यनारायण राय 5.) माधुरी राय पत्नी सुरेश राय, 6.) सुनीता राय पुत्री सुदेश राय 7.) फरहत रहमान पत्नी अरशद रहमान, 8.) राकेश कुकराय 9.) शेख अकील - पिता शेख रसूल,10) मो रफीक पिता मो असगर 11.) श्रीमति अफरोज जहां पत्नी चंदू मियां, 12.) बबली बाई पत्नी जगदीश गुर्जर 13.) सर्वसाधारण भूमिस्वामी

विषय - सीमांकन/बटान

आपको सूचित किया जाता है, कि ग्राम बड़वाई ह.न. 77 के खसरा नं.- 242/1/1/1/1/1/1 रकबा - 0.093 हे (10,000 वर्ग फिट) के भूमिस्वामी श्रीमति लक्ष्मी चतुर्वेदी पत्नी स्व. परमेश चतुर्वेदी, राकेश चतुर्वेदी पुत्र श्री मनोहर लाल चतुर्वेदी का सीमांकन/ बटान श्रीमान तहसीलदार के आदेशानुसार दिनांक 22/2/2023 को समय 2.00 पीएम मौके पर उपस्थित रहे।

मौके पर आप अपना पक्ष रखकर दस्तावेज पेश कर सकते हैं। आपकी अनुउपस्थित में कार्य रोका नही जायेगा।

राजस्व निरीक्षक

नजूल संत हिरदाराम नगर, (बैरागढ़) व्रत्त, भोपाल

विकास यात्रा को लेकर महिला मोर्चा ने किया बैठक सम्पन्न

इटारसी// भाजपा महिला मोर्चा नगर मंडल द्वारा विकास यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न की गई, बैठक को नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे भाजपा मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रेखा मालवीय और महिला मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष श्रीमती जागृति आशीष भदोरिया की उपस्थिति में संपन्न किया गया बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे जी ने विकास यात्रा में वार्ड की समस्याओं को तुरंत समाधान करने पर बल दिया और

कहा कि आपके वार्ड की विभिन्न समस्याओं को हम तुरंत निराकरण करने पर कार्य करेंगे भाजपा मंडल अध्यक्ष जोगिंदर सिंह ने विकास यात्रा के स्वागत की जिम्मेदारी अलग-अलग भागों में महिला मोर्चा के प्रभारियों को दी रेखा मालवीय ने महिला मोर्चा को एकजुटता से कार्य करने पर बल दिया श्रीमती जागृति आशीष भदौरिया ने आश्वासन दिया कि महिला मोर्चा विकास यात्रा में अपनी अहम भूमिका निभाएगा।इस बैठक में नगर मंत्री सीमा सोनी,महिला मोर्चा उपाध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी वर्मा ,उपाध्यक्ष अनीता राजपूत , मंत्री मीनाक्षी राजपूत, मंत्री रानी रजक, मंत्री एकता अग्रवाल, मंत्री आरती बस्तबार, सह कार्यालय मंत्री मालती मोहरे, मीडिया प्रभारी नीतू सराठे, सोशल मीडिया प्रभारी सरला लोट, कार्यकारिणी सदस्य भावना सुनेरिया, कृष्णा बरगले, रेखा अग्रवाल एवम अन्य सदस्य बहने शामिल रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

फायर बिग्रेड श्यामला हिल्स

दूरभाष- 07552701221 ईमेल-fireoffcer@bmconline.gov.in

निविदा सूचना

क्रमांक 18/फा.ब्रि./ 2023 भोपाल, दिनांक 13.02.2023

फायर ब्रिगेड नगर निगम भोपाल के द्वारा 01 नग 100 एल.पी.एम. क्षमता का पेट्रोल ऑपरेटेड ब्रीथिंग ऑपरेटस कम्प्रेशर सेट क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन ई निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा का ई-निविदा क्रमांक –2023_UAD_252340_1 है।

क्र.	सामग्री का विवरण	मात्रा	अनुमानित	धरोहर राशि	निविदा फार्म का मूल्य
1	100 एल.पी.एम. क्षमता का पेट्रोल ऑपरेटेड ब्रीथिंग ऑपरेटस कम्प्रेशर सेट (निविदा में संलग्न टेक्निकल) स्पेशिफिकेशन अनुसार)	01	रू. 559217/- With GST	रु. 5592/-	रू. 2000

निविदा से संबंधित संशोधन एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी एवं फायर ब्रिगेड कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

रामेश्वर नील

फायर आफिसर नगर निगम, भोपाल

नि. क्र. 1584/022/023

एक की आस्था दूसरे की परेशानी, किसकी है नादानी?

सरयूसुत मिश्रा

मध्यप्रदेश में आजकल दो धाम ऐसी चर्चा और आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं कि सनातन संस्कृति के शंकराचार्य भी आश्चर्य में पड़ गए हैं. सनातन संस्कृति में हर 12 साल में लगने वाले महाकुंभ और सिंहस्थ बिना किसी दुर्घटना के संपन्न हो जाते हैं लेकिन मध्यप्रदेश के बागेश्वर और कुबेरेश्वर धाम संस्कृति और अध्यात्म के नाम पर परेशानी बढ़ाते दिखाई पड़ रहे हैं.

ऐसा बताया जा रहा है कि कुबेरेश्वर धाम में हो रहे रुद्राक्ष महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए जा रहे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को इसलिए वापस लौटना पड़ा कि इस धाम की ओर जाने वाला नेशनल हाई-वे कई किलोमीटर तक जाम बना हुआ है. इंदौर से भोपाल के बीच गाड़ियों का आवागमन रुक गया है. जिनको भी इंदौर से भोपाल आना है उन्हें कुबेरेश्वर धाम के कई किलोमीटर पहले से रास्ता बदलकर पहुंचने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है.

रुद्राक्ष महोत्सव में भगदड़ की घटना के बीच अनेकों लोगों के घायल होने की खबर है. हज़ारों लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं. सरकार और प्रशासन आस्था के नाम पर लोगों को ऐसी परिस्थितियों का शिकार होने के लिए कैसे छोड़ सकती है? कुबेरेश्वर धाम में इसके पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं. इस धाम के धर्मगुरु हर बार शासन प्रशासन को अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहरा देते हैं. सरकार और प्रशासन इस तरह के आयोजन की अनुमति क्यों देता है? इस बात का जवाब प्रशासन को देना ही होगा?

मध्यप्रदेश का दूसरा धाम छतरपुर जिले का बागेश्वर धाम लगातार चर्चा और आकर्षण के केंद्र में बना हुआ है. वहां भी धार्मिक महोत्सव चल रहा है. वहां भगदड़ की घटना अभी तक सामने नहीं आई है लेकिन इस धाम में एक महिला की मृत्यु का मामला प्रकाश में आया है. बागेश्वर धाम के धर्मगुरु धार्मिक और आध्यात्मिक बातों के साथ ही हिंदू राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए काम करने का दावा कर रहे हैं.

इन दोनों धामों पर राजनेताओं की उपस्थिति इन धामों की जनता के बीच लोकप्रियता बढ़ाने में काम आ रही है. दोनों धामों और राजनेताओं का तालमेल एक दूसरे को लाभ पहुंचाने कोशिश ही मानी जा सकती है. मध्यप्रदेश के दोनों प्रमुख दल बीजेपी और कांग्रेस बागेश्वर धाम में वहां के धर्मगुरु से आशीर्वाद पाने की होड़ लगाए हुए हैं.

पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ वहां वंदना के लिए पहुंचे तो बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बीडी शर्मा भी पीछे नहीं रहे. ऊपर से देखने पर भले ही राजनेता एक-दो ही दिखाई पड़ रहे हो लेकिन इन दोनों स्थानों पर व्यवस्थाओं के पीछे के हाथों पर नजर डाली जाएगी तो इसमें सबसे ज्यादा भूमिका राजनीतिक हाथों की ही मिलेगी.

कांग्रेस पार्टी इन दोनों धामों में बराबरी के साथ अपनी भूमिका और भागीदारी निभाने की कोशिश कर रही है क्योंकि आने वाले चुनाव में इन दोनों धामों की वोटों की राजनीति में भूमिका देखी जा रही है. दोनों धाम में अपना कोई राजनीतिक एफिलेशन सार्वजनिक नहीं किया है लेकिन हिंदू राष्ट्र की बात करके बागेश्वर धाम ने तो अपने राजनीतिक झुकाव को एक तरीके से स्पष्ट ही कर दिया है. कुबेरेश्वर धाम के धर्मगुरु के राजनीतिक झुकाव के बारे में भी जानने में बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

धार्मिक आस्था अच्छी बात है, इस पर कोई सवाल नहीं उठाया जा रहा है लेकिन आस्था के नाम पर ऐसी अराजक परिस्थितियां कोई भी प्रशासन कैसे बर्दाश्त कर सकता है? इन दोनों धामों के आकर्षण और विकास की कहानी कोई बहुत पुरानी नहीं है. तीन चार साल पहले तक इन दोनों धामों के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं होती थी. यह दोनों धाम अचानक चर्चित हुए हैं. इन दोनों धामों पर लग रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इस बात का संकेत है कि आदमी कितना कष्ट और अशांति में जी रहा है. कष्ट और अशांति से मुक्ति के लिए हर व्यक्ति ऐसे धामों की ओर दौड़ लगाता है.

इन दोनों धामों में लोगों की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया जाता है. समाधान होता है कि नहीं होता है यह बात कोई भी सुनिश्चित तौर पर नहीं कह सकता है लेकिन जिस तरह से दोनों धामों में दरबार लगाकर समस्याओं के समाधान के तरीके बताए जाते हैं, उसे अंधविश्वास कहना कोई गलत नहीं होगा. इन धामों के जरिए अगर लोगों के कष्ट और तकलीफों का समाधान हो रहा है तो फिर सरकारों की कोई आवश्यकता क्या रह जाती है?

जब इस तरीके के धामों में धर्मगुरु आम लोगों के कष्ट दूर करने में सक्षम हैं तो फिर सरकारों को अधिकृत रूप से इन धामों को प्रोत्साहित करना चाहिए. पब्लिक को कष्ट और दुख से मुक्ति अगर धामों में ही मिल रही है तो फिर सरकार के लिए तो यह बहुत सुविधाजनक स्थिति है कि उसके प्रदेश के लोग बिना सरकार के किसी प्रयास के ऐसे धामों में जाकर कष्ट और तकलीफों से मुक्त हो सकेंगे. इन दोनों धामों में आज अराजकता की स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि धीरे-धीरे इनका ऐसा प्रचार किया गया कि यहां जाने से लोगों की तकलीफों का निवारण होता है.

जिस दिन इसकी शुरुआत हुई थी तब ही सरकार और प्रशासन धामों की सच्चाई सार्वजनिक कर देता तो शायद आज भीड़ के कारण ऐसी स्थिति निर्मित नहीं होती. बागेश्वर धाम के धर्मगुरु के कथित चमत्कार पर राजनीतिक रूप से विवाद भी पैदा हुए हैं. सनातन संस्कृति में जीवन ऊर्जा ही परमात्मा है. जीवन को वर्तमान में जीने की बजाय बेहतर भविष्य और कष्टों के निवारण के लिए इस तरह की धार्मिक गतिविधियों में शामिल होकर लोग अपने जीवन को नई दिशा नहीं बल्कि खराब दिशा दे रहे हैं. यह अलग बात है कि ऐसी परिस्थितियां राजनेताओं के लिए मुफीद हो सकती हैं लेकिन इससे समाज में अंधविश्वास फैलता है.

अंधविश्वास को फैलने से रोकने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी राज्य सरकारों पर ही होती है. जीवन में आनंद का, धन्यता का आभास धामों में नहीं बल्कि वर्तमान जीवन के लक्ष्यों को खोजने और जीने में ही मिलेगा. राजनीति और धर्मगुरुओं का यह घालमेल अंततः समाज के लिए फायदेमंद होने की बजाय हानिकारक साबित होगा. सरकारों को ऐसे अंधविश्वास और अराजक दौर से लोगों को बचाने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है.

प्रवेग लिमिटेड का वित्त वर्ष 23 के 9 महीने में कर बाद लाभ 208फीसदी बढ़ा

मुंबई,। भारतीय पर्यटन एवं हॉस्पिटलिटी और इवेंट तथा प्रदर्शनी मैनेजमेंट उद्योग में एक विख्यात नाम, प्रवेग लिमिटेड(बीएसई- 531637) ने वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही और 9 महीने के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की रिपोर्ट दी है 7 इस अवसर पर बोलते हुए प्रवेग लिमिटेड के चेयरमैन श्री विष्णु पटेल ने कहा,÷कंपनी ने वित्त वर्ष 23 के प्रथम 9 महीने में ट्रेवल की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जिसका कंपनी के कुल प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया है, जो कंपनी के लिएबहुत अच्छी खबर है क्योंकि ट्रेवल उद्योग कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुआ था 7 आगे देखते हुए कंपनी को यह रुझान जारी रहने की उम्मीद है तथा भविष्य में और ग्रोथ की भारी संभावना दिखाई दे रही है 7 अपने पोर्टफोलियो में नए रिसॉर्ट को शामिल कर कंपनी को विश्वास है कि वह अपने प्रदर्शन में और सुधार करने में समर्थ होगी 7 यह एक रणनीतिककदम है, जो कंपनी को नए बाजारों में प्रवेश करने की तथा अधिक विभिन्न यात्रा विकल्पों के साथ ग्राहक प्रदान करने की अनुमति देगा 7÷

फोकस लाइटिंग का वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 760फीसदी बढ़ा

मुंबई। फिक्स्चरऔर एलईडी लाइट के इनोवेटिव लाइटिंग सॉल्यूशंस और मैन्युफैक्चरिंग में लगी हुई फोकस लाइटिंग एंड फिक्स्चर लिमिटेड (एनएसई - स्नह्रष्टस्) ने वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही और 9 महीने के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा कीहै। प्रदर्शन पर बोलते हुए कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अमित शेठ ने कहा, कंपनी ने हाल में अपने प्रोजेक्ट बिजनेस पर अधिक जोर दिया है, जो ज्यादा वैल्यू और आकर्षक मार्जिन द्वारा करैक्टरराइज्ड होता है7 इसव्यूहात्मक फोकस से वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही और 9 महीने के दौरान उसके प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है । रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रति कंपनी का समर्पणबढ़त और क्लास लीडिंग प्रोडक्ट प्रोड्यूस करउसकी मार्जिन प्रोफाइल बढ़ाने में मुख्य भूमिका रही है जिसकी भारी मांग है।

नोकिया की रिपोर्ट में पिछले पांच वर्ष में भारत में मोबाइल डेटा उपयोग में तीन गुना वृद्धि दर्ज

नयी दिल्ली, नोकिया ने अपने वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स (एमबीआईटी) रिपोर्ट में आज घोषणा की कि भारत में मोबाइल डेटा ट्रैफिक पिछले पांच वर्ष में 3.2 गुना से अधिक बढ़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि देशभर में मोबाइल डेटा उपयोग प्रति माह 2018 के 4. 5 एक्साबाइट्स से बढक़र 2022 में 14.4 एक्साबाइट्स पहुंच गया है। नोकिया की रिपोर्ट में मोबाइल डेटा खपत और वृद्धि, 4जी से 5जी की ओर रूख और निजी नेटवर्क के साथ 5जी के एंटरप्राइस द्वारा अपनाने के लिए संभावनाओं सहित भारतीय मोबाइल बाजार के मूल्यांकन के बारे में कई चीजे़ शामिल हैं । इसके अलावा, अक्टूबर, 2022 में इस देश में 5जी की वाणिज्यिक लांचिंग के साथ मोबाइल डेटा की खपत बढऩे का भी संकेत मिला है क्योंकि संचार सेवा प्रदाताओं ने 5जी नेटवर्क की तैनाती की और तेजी से नए क्षेत्रों में विस्तार किया। साथ ही इस देश में कुल मोबाइल डेटा ट्रैफिक के करीब 100 फीसद के लिए अब 4जी और 5जी का योगदान हो गया है।

मित्सु केम की वित्त वर्ष 23 के 9 महीने में कुल आय 23 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। ब्लो मोल्डिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग और कस्टमाइज मोल्डिंग की एक सबसे बड़ी निर्माता,मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु) (बीएसई-54007), ने वित्त वर्ष 23 की तीसरी तिमाही और 9 महीने के अपने अनऑडिटेडवित्तीय परिणामों की घोषणा की है 7 प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड के चेयरमैन श्री जगदीश देढ़िया ने कहा,कच्चे माल की कीमत में वृद्धि तिमाही में चिंता का विषय बना हुआ है, जो मुद्रास्फीतिऔर भू-राजनीतिक जैसे विभिन्न कारणों से लगातार बढ़ रहा है, जिससे हमारी मार्जिन पर कुछ दबाव बना हुआ है, लेकिन हम हमारे एबिटडा को बरकरार रखने में समर्थ हुए हैं। हम ऑपरेटिंग कुशलता और प्रोडक्ट मिक्स से ऑपरेटिंग मार्जिन में सुधार का प्रय प्रतिशत कर रहे है।

हीरो मोटोकॉर्प ने लॉन्च किया हाई-टेक 110 सीसी स्कूटर

मुंबई, एजेंसी। मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आज मध्य? प्रदेश के भोपाल में नया 110 सीसी स्कूटर-जूम लॉन्च किया है। हीरो मोटोकॉर्प स्कूटर की श्रेणी को फिर से परिभाषित कर रही है और इसने स्कूटर सेगमेंट में तकनीक से लैस अपने सफर के नए चरण को पेश किया है। रोजाना के सफर में रोमांच और उत्साह की तलाश करने वाले संभावित उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए, जूम को बेहद खूबसूरती और सावधानी से डिजाइन और विकसित किया गया है। जूम स्कूटर उपभोक्ताओं को समकालीन डिजाइन के साथ जबर्दस्त रफ्तार, बेमिसाल चपलता और असाधारण परफॉर्मेंस प्रदान करता है। हीरो जूम की 110 सीसी श्रेणी में एक नया रूप और डिजाइन पेश किया गया है। इंडस्ट्री में पहली बार नए फीचर के रूप में कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स और सेगमेंट में पहली बार नए फीचर्स, बड़े और चौड़े टायर और 110 सीसी सेगमेंट में ज़िपी ऐक्सेजलरेशन के साथ यह स्कूटर अपने ओनर्स को बेमिसाल गतिशालता के अनुभव की गारंटी देता है। कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स ने हीरो जूम साथ 110 सीसी सेगमेंट में अपना डेब्यूअ किया है। यह अपने ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। जब स्कूटर सवार टर्न ले रहा होता है या किसी संकरी जगह से गुजर रहा होता है तो कॉर्नर बेंडिंग लाइट्स अपनी बेजोड़, चमकदार और साफ प्रकाश से अंधेरे कोनों को भी जगमगा देता है।

दाता और पाता, दोनों का अपमान

डॉ. वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवा-निवृत्त जज एस. अब्दुल नज़ीर को सरकार ने आंध्र प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त कर दिया है। इस नियुक्ति पर विपक्ष हंगामा कर रहा है। उसका कहना है कि जजों को फुसलाने का यह सबसे अच्छा तरीका है। पहले उनसे अपने पक्ष में फैसला करवाओ और फिर पुरस्कारस्वरूप उन्हें राज्यपाल, राजदूत या राज्यसभा का सदस्य बनवा दो। जो विपक्ष मोदी पर यह आरोप लगा रहा है, क्या उसने अपने पिछले कारनामों पर नज़र डाली है? इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के ज़माने के कई राज्यपालों, राजदूतों और सांसदों से मेरा परिचय रहा है, जो पहले या तो जज या नौकरशाह या संपादक रहे हैं। उन्होंने जज या संपादक या नौकरशाह के तौर पर सरकार को उपकृत किया है तो सरकार ने उन्हें उक्त पद देकर पुरस्कृत किया है। वे लोग समझते रहे हैं कि वह पुरस्कार पाकर वे सम्मानित हुए हैं लेकिन उनके अपमान का इससे बड़ा प्रमाण-पत्र क्या हो सकता है? यदि उन्होंने अदालत में बिल्कुल ठीक-ठाक फैसला दिया है, यदि उन्होंने निष्पक्ष और निर्भीक संपादकीय लिखे हैं और यदि किसी नौकरशाह ने निष्ठापूर्वक अपना कर्तव्य--कर्म किया है तो भी ये सरकारी पुरस्कार पानेवालों की ईमानदारी पर लोगों को शक होने लगता है। यह शक तब और भी तगड़ा हो जाता है, यदि वह पुरस्कार तुरंत मिला हो। ऐसे पुरस्कारों और सम्मानों से संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा भंग होती है, क्योंकि, न्यायपालिका और कार्यपालिका को अपनी लक्ष्मण-रेखाओं में ही रहना चाहिए और खबरपालिका को तो अपने प्रति और भी ज्यादा सख्ती बरतना चाहिए। यदि संपादक और पत्रकार इन पदों और सम्मानों के लिए लार टपकाते रहे तो वे पत्रकारिता क्या खाक करेंगे? मेरे कई पत्रकार मित्र विभिन्न सरकारों में मंत्री, राजदूत, और प्रधानमंत्रियों के सरकारी सलाहकार भी बने। उनमें से कइयों ने सराहनीय कार्य भी किए लेकिन इस तरह के कई सरकारी पद विभिन्न प्रधानमंत्रियों द्वारा पिछले 60-65 साल में मुझे कई बार प्रस्तावित किए गए लेकिन मेरा दिल कभी नहीं माना कि मैं हाँ कर दूं। इसका अर्थ यह नहीं है कि संपादकों, जजों और नौकरशाहों की प्रतिभा से सरकारें लाभ न उठाएं। जरूर उठाएं लेकिन उनके सेवा-निवृत्त होते ही उन्हें यदि नियुक्तियां मिलती हैं तो उससे यह साबित होता है कि सरकार उनकी प्रतिभा का लाभ उठाने की बजाय उन्होंने सरकार की जो खुशामद की है, वह उसका लाभ उन्हें दे रही है। इससे दाता और पाता, दोनों की प्रतिष्ठा पर आंच आती है। तो होना क्या चाहिए? होना यह चाहिए कि अपने पद से सेवा-निवृत्त होने के बाद पांच साल तक किसी भी जज, पत्रकार और नौकरशाह को कोई सरकारी पद या पार्टी-पद नहीं दिया जाना चाहिए। नौकरशाहों पर पहले दो साल की पाबंदी थी लेकिन उसे घटाकर अब एक साल कर दिया गया है। वर्तमान में कितने ही नौकरशाह मंत्री और राज्यपाल बने हुए हैं? यह हमारी पार्टियों और सरकारों के बौद्धिक दिवालिएपन का भी सूचक है।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट में 10 दिवसीय 'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल आरंभ

भोपाल । यदि आप खट्टी, मीठी और चटपटी नॉर्थ इंडियन डिशेज का शौक रखने वाले फूड लवर हैं, तो आपको कोर्टयार्ड बाय मैरियट के मल्?टी कुजिन रेस्?टारें ट- मोमो कैफे ङ्क को विजिट करना चाहिए। यहां आज से 26 फरवरी तक शाम 7.30 से रात 11 बजे के बीच 'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। इस फूड फेस्टिवल में आप दिल्ली, लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जैसे शहरों के लजीज व्यंजनों का मजा ले सकेंगे।

'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल की जानकारी आज आयोजित एक पत्रकार वार्ता में साझा करते हुए श्री राकेश उपाध्याय, जनरल मैनेजर, कोर्टयार्ड बाय मैरियट, भोपाल ने कहा, ÷उत्तर भारतीय व्यंजन- विशेष रूप से दिल्ली और पंजाब के व्यंजन सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय भारतीय व्यंजनों में से एक हैं। इन्हें तैयार करने की सैकडों साल पुरानी पारंपरिक विधियां और विशेष रूप से तंदूरी शैली इन्हें एक अलग स्वाद और पहचान देती हैं। ये डिशेज चाहे शाकाहारी हों या फिर मांसाहारी अपने स्वाद का जादू व्यंजनप्रेमियों के दिलोदिमाग पर जरूर छोडती हैं।

आईआईटी जोधपुर का उत्कृष्ट एमबीए और एमबीए टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय करियर के लिये शानदार अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है

आईआईटी जोधपुर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप एमबीए पाठ्यक्रम के लिये आवेदन आमंत्रित किया है

जोधपुर, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप(एसएमई) ने उत्कृष्ट एमबीए और एमबीए टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम के लिए आवेदनआमंत्रित किया।यह एमबीए पाठ्यक्रम देश में अपने आप में विशिष्ट है जो भविष्य की प्रौद्योगिकीआधारित दुनिया में उभरते प्रबंधकों को तैयार करने पर केंद्रित है और प्रबंधनऔर प्रौद्योगिकी का मिश्रण है।संस्थान के इस स्कूल द्वारा पेश की जाने वाली ड्यूल डिग्री छात्रों को विदेशी पार्टनर संस्थानों से पूर्णकालिकडिग्री हासिल करने का अवसर प्रदान करते हैं जिसमें अमेरिका के कुछ प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं।अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू करने के लिये यह पाठ्यक्रम उपयुक्त है । यह स्कूल लघु पाठ्यक्रम, डाक्टोरल,और एक्जेक्टव कार्यक्रमों की भी पेशकश करता है।

आईआईटी जोधपुर के एसएमई के एमबीए पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कीअंतिम तिथि 28 फरवरी 2023 है।स्कूलअत्याधुनिक पाठ्यक्रम की पेशकश करता है जो प्रबंधनऔर प्रौद्योगिकी केआयामों केसंयोगकेसाथअंतरराष्ट्रीय ड्यूल डिग्री हासिल की पेशकश करता है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एसएमई) ने वर्ष2020 में स्थापना के बाद से ही गृष्मकालिकऔरअंतिम प्लेसमेंट में गतिशीलता बनाये रखी है।दो वर्षों में स्कूल में 100प्रतिशत गृष्मकालिक और अंतिम प्लेसमेंट (2020-20 और 2021-22) हुआ है ।वर्तमान बैच के 80प्रतिशत प्लेसमेंट हो जाने केसाथ एसएमई ने बैच के गृष्मकालिक और अंतिम प्लेसमेंट का दूसरा चरण शुरू कर दिया है।कैम्पस प्लेसमेंट सीजन के दौरान प्लेसमेंट की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए 60से अधिक संगठनों ने इसमें हिस्सा लिया है।समरप्लेसमेंट के लिए ऑटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, फाइनेंस, ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स सहित विभिन्न उद्योगों से रिक्रूटर्स आए। प्रस्तावित पद टैलेंट एक्वीजीशन, मार्केटिंग एंड एनालिटिक्स, मार्केट रिसर्च, तथा प्रोडक्ट लांच, इत्यादि श्रेणियों केअंतर्गत हैं ।

चयनित उम्मीदवारों को मार्च 2023 के तीसरे सप्ताह से अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह तक वर्चुअल माध्यम से साक्षात्कार में उपस्थित होना होगा ।परिणाम की घोषणा मई2023 में की जायेगीऔर कक्षा जुलाई2023 में प्रारंभ होगी ।कृपया इस बात को नोट करें कि तिथि संभावित हैं और इनमें बदलाव हो सकता है।

आईआईटी जोधपुर द्वारा पेश किये जाने वाले एमबीए पाठ्यक्रम के महत्व को रेखांकित करते हुए आईआईटी जोधपुर एसएमई की प्रमुखप्रो.संगीता सहाणे ने कहा,आईआईटी जोधपुर का मैनेजमेंट कोर्स प्रौद्योगिकी में एमबीए करने के लिए एक व्यवस्थित पाठ्यक्रम की पेशकश करता है।यह अगली पीढ़ी की समस्याओं के समाधान का मार्ग भी प्रशस्त करता है ।स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप नई पीढ़ी के उद्यमियों, प्रबंधकोंऔर शिक्षाविदों को सशक्त बनाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं ।

नोवो नॉर्डिस्क इंडिया ने अपनी 100वीं वैश्विक वर्षगांठ मनाई

बेंगलुरु, एजेंसी। नोवो नॉर्डिस्क ने आज एक भव्य आयोजन में भारत में अपनी 100वीं वैश्विक वर्षगांठ मनाई और अपने 'ड्राइविंग चेंज फॉर जनरेशंस' कैम्पेन के माध्यम से डायबिटीज, हीमोफिलिया और दूसरी स्थायी बीमारियों के मरीजों की देखभाल करने के लिये प्रतिबद्धता को मजबूती दी। इस मौके पर कंपनी ने एक डिजिटल 'एम्प्लॉयी कम्युनिटी आउटरीच' पोर्टल लॉन्च किया है, जोकि कर्मचारियों को स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा करने और समाज को कुछ लौटाने के लिये प्रोत्साहित करना चाहता है। इस आयोजन में प्रतिष्ठित पदाधिकारी मौजूद थे, जैसे कि भूतपूर्व भारतीय क्रिकेटर और नोवो नॉर्डिस्क इंडिया के ब्राण्ड एम्बेसेडर श्री कपिल देव, नई दिल्ली में रॉयल डेनिश एम्बेसी के राजदूत महामहिम फ्रेडी स्वेन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्रा. लि. के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक श्री विक्रांत श्रोत्रिय और नोवो नॉर्डिस्क ग्लोबल बिजनेस सर्विसेस के कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रबंध निदेशक श्री जॉन डॉबेर। डिजिटल कम्युनिटी आउटरीच पोर्टल से सभी कर्मचारी अपने समय, प्रयासों और कुशलताओं के जरिये महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। वे देशभर के गैर-लाभकारी संगठनों के साथ वर्चुअल या प्रत्यक्ष तरीके से मिलकर काम कर सकेंगे।

अपने जन्मदिन पर सिकलसेल जांच व रक्तदान करने की पहल सभी को करनी चाहिए : मंगूभाई पटेल

राज्यपाल ने बडवानी में निशुल्क सिकलसेल जांच, स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान एवं पोषण आहार

बड़वानी एजेंसी। सिकलसेल की जांच व उसकी व्यवस्था में अपना जन्मदिन मनाएं। यह एक अच्छी पहल है। अपने जन्मदिन पर सिकलसेल जांच व रक्तदान कराने की शुरुआत सभी करें। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने ये शुरुआत की है यह अच्छी बात है। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने ये बातें अग्रणी महाविद्यालय के परिसर में सुशीलादेवी उमरावसिह पटेल सेवा संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सिकलसेल की बीमारी अनुवांशिक एवं गंभीर बीमारी है जो माता-पिता में से बच्चे को होती है। अज्ञानता की वजह से कभी-कभी बच्चों की मौत तक हो जाती है। अतः हम यह करे कि गर्भवती माता की स्वास्थ्य केंद्रों पर अनिवार्य रूप सिकलसेल की जांच करवाएं। अगर माता पाजिटिव पाई जाए तो उसकी विशेष काउंसलिंग कर उसे बताया जाए कि उनके जन्म लेने वाले बच्चे को विशेष खान-पान एवं उपचार की आवश्यकता होगी।

अगर गर्भवती माता सिकलसेल पाजिटिव है तो उसे अपने बच्चे के जन्म के साथ ही बच्चे का सिकलसेल टेस्ट कराना चाहिए। अगर बच्चा भी पाजिटिव आता है तो बच्चे के खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि सही उपचार एवं उचित खान-पान से इस बीमारी पर बहुत हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

राज्यपाल ने कहा कि सिकलसेल की जांच शासकीय अस्पतालों में तो अनिवार्य रूप से की जाए। उसके साथ ही छात्रावासों, आश्रमों में एवं आंगनवाड़ी में भी बच्चों की सिकलसेल की जांच की जाए। अगर बच्चे पाजिटिव आते है तो उनके घर पर जाकर उनके माता-पिता का भी टेस्ट किया जाए। इससे यह होगा कि स्क्रीनिंग बढ़ेगी क्योकि लोग तो संकोचवश जांच करवाने आते नही है। बड़वानी जिला आदिवासी बाहुल्य जिला होने से यहां पर सिकलसेल के मरीजों की संभावना ज्यादा है, अतः जिले में जांच को बढ़ाकर लोगों को सिकलसेल के प्रति जागरूक करना होगा। जागरूकता से ही इसका निदान होगा।

खरगोन - बड़वानी लोकसभा के सांसद श्री गजेन्द्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान

शिविर से मुझे आशा है कि अनेक परिवारों में, समाज में, जागरूकता आयेगी और सिकल रोगियों का विश्वास बढेगा। इस अवसर पर जिन भाइयों बहनों ने आज इस रक्तदान शिविर में अपना योगदान दिया है, उन्हें बधाई देता हूँ.

सुशीलादेवी उमरावसिह पटेल सेवा संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती बसंती पटेल की निगरानी में आज महाविद्यालय परिसर में 750 यूनिट रक्तदान किया गया, इसके अलावा सिकल सेल एनीमिया की जांच के लिए कुल 1010 सैंपल लिए गए, 150 टीबी रोगीयों को पोषण आहरण वितरण किया गया और सिकल सेल एनीमिया से ग्रस्त रोगीयों को विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान किये गए.

बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के लाइफ गोल्स प्रिपेयर्डनेस सर्वे 2023 का खुलासा

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ता, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने आज अपने प्रतिष्ठित सर्वेक्षण बजाज आलियांज लाइफ इंडियाज लाइफ गोल्स प्रिपेयर्डनेस सर्वे 2023 का दूसरा संस्करण जारी किया। इस सर्वेक्षण में भारतीयों के जीवन लक्ष्यों और आकांक्षाओं को चिह्नित किया गया है। इसे भारत के जीवन लक्ष्यों, आकांक्षाओं, प्रभावकारी कारकों और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तत्परता की पूरी तस्वीर लेने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस व्यापक अध्ययन में 40 से अधिक जीवन लक्ष्यों को शामिल किया गया है और यह मूल्यांकन किया गया है कि भारतीय इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए खुद को कैसे तैयार कर रहे हैं।

महामारी के बाद परिवार के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना भारतीयों के लिए शीर्ष जीवन लक्ष्य के रूप में उभरा है। 71 प्रतिशत भारतीयों ने इसे अन्य लक्ष्यों के मुकाबले अधिक प्राथमिकता दी है। बजाज आलियांज लाइफ इंडिया के लाइफ गोल्स प्रिपेयर्डनेस सर्वे 2023 में पाया गया है कि रिटायरमेंट प्लानिंग, संतुलित जीवन शैली अपनाना और बच्चों की शिक्षा प्रदान करना जीवन के शीर्ष लक्ष्यों में शामिल है। नए फोकस क्षेत्र जैसे कॅरियर में उन्नति, विदेश यात्रा और वृद्ध माता-पिता की पर्याप्त देखभाल सुनिश्चित करना भी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण जीवन लक्ष्य के रूप में उभर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि लक्ष्यों की औसत संख्या 2019 के मुक़ाबले 5 से बढ़कर 2023 में 11 हो गई।लाइफ गोल्स प्रिपेयर्डनेस इंडेक्स, जो व्यक्ति के जीवन लक्ष्यों के लिए वित्तीय नियोजन की दिशा में आत्मविश्वास, ज्ञान और की गई कार्रवाई का एक कार्य है, उसकी संख्या 47 रही क्योंकि महामारी के बाद भारतीयों के जीवन लक्ष्यों में वृद्धि हुई है। सर्वेक्षण के निष्कर्षों को जारी करते हुए, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तरुण चुघ ने कहा, यह देखना दिलचस्प है कि भारतियों का लक्ष्य अपने परिवार को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने और संतुलित जीवन जीने के साथ-साथ जीवन में और अधिक करने की आकांक्षा जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को पूरा करने का मिश्रण हैं।

स्वयं के व्यक्तित्व को निखारने के तरीके बताए

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा में गृहविज्ञान संकाय में कार्यशाला के द्वितीय दिवस प्राचार्य डॉ. अस्मिता मुंजे की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ श्रीमती पायल चौरसिया द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व विकास के बारे में जानकारी प्रदान की गई। स्वयं के व्यक्तित्व को निखारने के लिए महत्वपूर्ण तरीको एवं बारीकियों पर विस्तार पूर्वक बताया गया। अच्छी आदतें और योग मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में किस तरह सहायक होता है। कार्यशाला में जानकारी दी गई। मंच संचालन डॉ. कविता जुनेजा के द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती दीपा परते द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना मैथ्यू, डॉ. अनिता मिश्रा, नीता मालवी, कविता माकोड़े एवं छात्राएं उपस्थित रही।

राज्यपाल सुश्री उइके से की भेंट, संस्थागत गतिविधियों की जानकारी दी

छिंदवाड़ा । साहित्य, संगीत, संस्कृति को समर्पित ज़िले की संस्था युवा प्रतिभा प्रोत्साहन मंच के युवाओं ने छिंदवाड़ा ज़िले की बेटी, मणिपुर की नवनिर्वाचित राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके से भेंट की एवं ज़िले में संस्था द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे जानकारी प्रेषित की साथ ही आगामी आयोजन के सन्दर्भ में संक्षिप्त चर्चा कर आतिथ्य का निवेदन किया। इस अवसर पर संस्था के धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, पंकज बोंडे, रुचित बरमैया एवं राकेश %राज% उपस्थित रहे।

अंजु सोनी बनी वार्ड अध्यक्ष एवं गीता साहू बनी सचिव

छिंदवाड़ा । नगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोषी गजभिये द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार एवं पूर्व केबिनेट मंत्री दीपक सक्सेना, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी विश्वनाथ ओक्टे और महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चैधरी और शहर कार्यवाहक अध्यक्ष दीपा यादव, वार्ड नंबर 7 की पार्षद एवं नगर निगम की सभापति नमिता मनोज सक्सेना की अनुशंसा पर वार्ड नंबर 7 की वार्ड अध्यक्ष पद पर अंजु सोनी एवं गीता साहू को वार्ड सचिव के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हुये सभी महिलाओं को कांग्रेस द्वारा किये गये विकास कार्यो की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने की बात कही । इस अवसर पर सोनू सोनी, यश्वनी यादव, गिरिजा डेहरिया, अनिता मालवीय, सीमा सरेयाम, शिवकुमारी बंदेवार, सुनीता वर्मा, नसीम खान, शिवकुमारी पवार, राजकुमारी विश्वकर्मा, सुखबती मालवी, गिरिजा बघेल, परवीन बानो, यज्ञवती डेहरिया, अमृता टेकाम, सावित्री यादव, किरण यादव, अफदाबी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थी ।

आयुक्त ने निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण

अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा

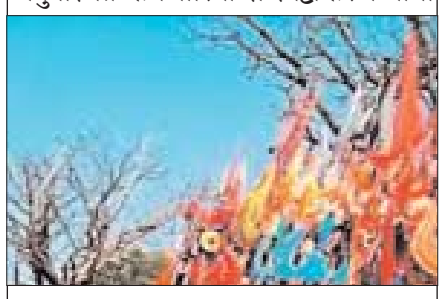

छिंदवाड़ा । नगर पालिक निगम आयुक्त राहुल सिंह ने निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 30 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों से निगमायुक्त ने स्पष्टीकरण मांगा एवं संतोषप्रद उत्तर ना प्राप्त होने पर आधे दिन के वेतन काटने के निर्देश दिए साथ ही सभी कर्मचारियों को समय पर कार्यालय आने के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने की राजस्व वसूली की समीक्षा 19 कर्मचारियों को दिए नोटिस

छिंदवाड़ा । नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह लगातार राजस्व वसूली को लेकर समीक्षा कर रहे हैं। राजस्व शाखा की समीक्षा बैठक में निगमायुक्त ने संपत्ति कर सहित अन्य करों की वसूली की समीक्षा की समीक्षा के दौरान पाया की 19 कर्मचारियों की लक्ष्य से कम वसूली होना पाया गया। इन 19 कर वसुलिकर्ताओ एवं वार्ड प्रभारियों को वसूली बढ़ाने हेतु निर्देशित किया एवं कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर वेतन रोकने के निर्देश प्रदान किए। निगमायुक्त राहुल सिंह ने बैठक में निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष समाप्ति के पूर्व शत प्रतिशत राजस्व वसूली करना सुनिश्चित करें।

पीड़ितों को उपलब्ध करायी सहायता

अमरवाड़ा - नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा आज दोपहर में वार्ड क्रमांक 9 के अग्निकांड पीड़ित परिवारों के घर जाकर मुलाकात की गई थी ड्ड नगर पालिका अध्यक्ष की मंशाअनुरूप रात्रि में भाजपा नेता नितिन तिवारी, नगर पालिका सभापति आरिफ शाह, मुकेश सूर्यवंशी, सचिन गोलू चौरसिया, दुर्गा बंशकार, पंकज नामदेव, अंकुश साहू, राजा चौरसिया द्वारा दोनों बर्मा परिवारों को उनके घर जाकर तीन-तीन कंबल, साड़ी, तकिए, चादर, बच्चे के स्कूल का बैग, आटा एवं चावल की बोरी,दाल, तेल, नमक, मिर्च सहित सभी सामग्री प्रदान की गई ।

हर हर महादेव से गूंज रहे शिवालय

महाशिवरात्रि कल, चौरागढ़ में हर दिन पहुंच रहे हजारों श्रद्धालु

छिंदवाड़ा । महाशिवरात्री पर शहर शिवमय हो गया है। सभी जगह हर हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। महाशिवरात्री पर्व पर 18 फरवरी को जगह जगह रूद्राभिषेक के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने भक्तों ने तैयारी की हैं। वहीं पचमढ़ी में चौरागढ़ महादेव मेला में पहुंचने वाले भक्तों का तांता लगा हुआ है। छिंदवाड़ा जिला ही नहीं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में भक्त गढ़ भगवान महादेव की पूजा अर्चना करने के लिए चौरागढ़ पहुंच रहे हैं। चौरागढ़ जाने के लिए महाराष्ट्र प्रदेश के नागपुर जिले से बड़ी संख्या में श्रद्वालू भी जा रहे हैं। प्रतिदिन भक्त चौरागढ़ में भगवान शिव को त्रशूल अर्पित करने भी जा रहे हैं ढोल बाजे के साथ कोई पैदल लेकर पहुंचा तो किसी वाहन से पहुंचकर भूराभगत या पचमढ़ी होते हुए चौरागढ़ में त्रिशूल अर्पित किए गए। वहीं शहर के मंदिरों में श्रद्वालुओं की पूजा अर्चना करने पहुंच रहे हैं सुबह से शिवालय हर हर महादेव से गूंज रहे हैं।

ज्योतिर्लिंगों की झांकी निकली

ओम हर हर महादेव सेवा समिति द्वारा दोपहर 12 बजे से भोलेबाबा की सजीव बारात व ज्योतिर्लिंगों की झांकी निकाली गई शोभायात्रा में 10 फिट ऊंचे नंदी, बाबा महादेव व पार्वती जी की झांकी आकर्षण का केन्द्र रही।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

स्थानीय रेलवे कुकड़ा बेदी कॉलोनी स्थित नवनिर्मित काशी शिव विश्वनवाथ मंदिर में आज से 19 फरवरी तक प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जा रहा है समिति के पप्पू खरे ने बताया कि गुरूवार को विधि विधान से शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की गई शिवलिंग को राजस्थान से लाया गया है। आज 17 फरवरी को शोभायात्रा, भव्य रैली के साथ कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं 18 फरवरी को महाभिषेक के साथ मंदिर में स्थापना के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ होगा तथा 19 फरवरी को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व पर शिवधाम गरमेटा मंदिर में होंगे विविध कार्यक्रम

अमरवाड़ा। धर्म नगरी अमरवाड़ा में महाशिवरात्रि पर्व पर नगर भर में विविध धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इसको लेकर श्रद्धालु भक्त गणों द्वारा जोर शोर से तैयारियां शुरू कर दी गई है। शिव धाम गरमेटा, महाकाल मोक्षधाम,शिव मंदिर साहू मोहल्ला एवं खमरा रोड स्थित शिव मंदिर में भी पूजा अर्चना, शिव अभिषेक, भंडारा सहित विविध धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी शिव धाम गरमेटा मंदिर समिति द्वारा मंदिर में विशेष आयोजन को लेकर जोर शोर से तैयारियां की जा रही है। 16 फरवरी को मंडप पूजन,17 फरवरी को हरिद्र लेपन हल्दी एवं संगीत का आयोजन रात्रि कालीन एवं 18 को शिवअभिषेक एवं पूजा अर्चना के पश्चात प्रतिदिन अनुसार मुकेश डेहरिया द्वारा विराजित बाबा भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार के पश्चात मंदिर प्रांगण में भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

ओम नमः शिवाय का अखण्ड जाप

महा शिवरात्रि पर होगा भव्य आयोजन

छिंदवाड़ा । शिव गजानन मंदिर समिति विवेकानंद कॉलोनी में संत गजानन गुणगान मंडल द्वारा महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर दिनांक 18 फरवरी दिन शनिवार को दिव्य आयोजन किया जा रहा है। संत गजानन गुणगान मंडल के संचालक आनंद बक्षी ने बताया कि 18 फरवरी दिन शनिवार को प्रातः 7 बजे पंडित नारायण द्विवेदी द्वारा पंडित रजनीकांत बाजपेयी एवं सरला बाजपेयी के शुभहस्ते रुद्राभिषेक किया जाएगा । प्रातः 9 बजे से शाम 6 बजे तक शिव भक्तों के द्वारा नमः शिवाय* का अखंड जाप किया जाएगा । शाम 6 बजे महा आरती होगी एवं महा आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाएगा । अध्यक्ष कृष्णा मंगरुलकर, सचिव संजय औरंगाबादकर, एवं शिवरात्रि महोत्सव प्रभारी सौ. ऋतु मुले ने समस्त शिव भक्तों से उपस्तिथ होकर पूण्य अर्जन का आग्रह किया गया ।

कलेक्टर ने देखी महाशिवरात्रि मेले की व्यवस्थाएं

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह ने कलेक्टर शीतला पटले के निर्देशानुसार 18 फरवरी को मनाए जाने वाले महाशिवरात्रि मेले के संबंध में आवश्यक व्यवस्था बनाए जाने हेतु आदेश जारी किए। निगमायुक्त ने पातालेश्वर मंदिर सहित अन्य मंदिरों के आसपास साफ-सफाई कराने फायर ब्रिगेड की व्यवस्था कराने टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने एवं पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था कराने हेतु निगम को आदेशित किया। इसके उपरांत निगमायुक्त ने उक्त व्यवस्थाओं से कलेक्टर को अवगत कराया एवं पातालेश्वर मंदिर सहित अन्य मंदिरों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान भ्रमण के दौरान कलेक्टर शीतला पटले, प्रभारी एसपी विनायक वर्मा, निगमायुक्त राहुल सिंह, एसडीएम अतुल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क नाली को लेकर नगर पालिका में कॉलोनीवासियों का हंगामा

सौंसर । गुरुवार को शहर के विकास कार्य को लेकर वार्ड नं 10 गणेश कॉलोनियों वासियों ने नगर पालिका का घेराव का जमकर हंगामा किया । उन्होंने नगर पालिका परिषद पर विकास कार्य में सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपने पहुंचे थे लेकिन नगर पालिका में सीएमओ और अन्य अधिकारी जनप्रतिनिधि कार्यकम में मोजूद नही रहा वही वार्डवासियों द्वारा न.पा अध्यक्ष और सीएमओ का घंटो देर इंतजार करने के बावजूद नही आने पर नगर पालिका के गेट के सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी की गई आखिर कर प्रदर्शन की सूचना लगने पर सीएमओ सुरेंद्र उईके और उपाध्यक्ष विनोद जुनघरे वार्डवासियों की समस्या सुनने पहुंचे जहा कॉलोनियों बरसे से वार्ड का विकास कार्य नही होने पर जमकर द्वारा अधिकारियों पर बरस गए और शहर में रातों रात सड़क पर सड़क बनाकर किया जा रहे डामरीकरण का विरोध करते हुए कहा कि जब सड़क पर जबरन डामरीकरण किया जा रहा है तो कॉलोनी वासियों को पीने के पानी और सड़क नाली जैसे मूलभूत सुविधा क्यू उपलब्ध नहीं कराए जा रही ऐसी शहर के कई विकास कार्यों की पोल खोली गई वही वार्डवासियों के विरोध प्रदर्शन के दौरान मामला तुल पकड़ने पर नगर पालिका कार्यलय में शांति सुरक्षा व्यवस्था के मजदेनजर पुलिस प्रशासन भी मामला शांत करने पहुंचा नगर पालिका प्रशासन से दो दिनो में मूलभूत सुविधा उपलब्ध करने की मांग पर वार्डवासी प्रदर्शन पर घंटो देर बैठे रही आखरी वार्ड पार्षद और उपाध्यक्ष विनोद जुनघरे द्वारा 6 माह के भीतर वार्डवासियों को सुविधा उपलब्ध करने के आश्वासन के बाद वार्डवासियों ने सीएमओ सुरेंद्र उईके को ज्ञापन सौंपकर प्रदर्शन समाप्त किया । इस दौरान दर्जनों संख्या में कॉलोनी की महिलाएं और पुरुष मोजूद रहे।

वार्डवासियों ने कहा सीएम से करेगे शिकायत

सौसर नगर में एक तरफा बीजेपी की सीट आने बावजूद नगर में विकास कार्यों पर ग्रहण लगाया हुआ है आलम है कि नगर पालिका की बीजेपी परिषद नगर के कई वार्डो में मूलभूत सुविधा को पूरा करने की बजाए नगर के अच्छे सड़क पर सड़क का निर्माण किया जा रहा है जिसमे नागरीको में आक्रोश का माहोल बना हुआ है इस दौरान जानकारी में वार्डवासी एनके धन्तोले ने कहा कि 19 फरवरी को सौसर नगर में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगमन पर उनसे नगर पालिका परिषद द्वारा कॉलोनियों वासियों के साथ किए जा रहे भेदभावपूर्ण व्यावहार की ज्ञापन के माध्यम से शिकायत कर विरोध प्रदर्शन किया जाने की बात कही उन्होंने कहा कि वार्ड क्र. 10 कॉलोनी निवासी नगरपालिका क्षेत्राधिकार में वर्षों से निवास कर रहे हैं। कॉटमोनी में सभी लोग नगरपालिका का को वार्षिक समाप्त कर तथा अन्य करो भी भुगतान करते आ रहे है किंतु फि र भी नगरपालिका कालोनी वासीयो के साथ भेदभावपूर्ण व्यावहार फेर मुख्यत सुविधा से वंचित कर रही है । कालोनी मे रोड नाली, पानी बिजली आदि कि व्यवस्था नगरपालिका द्वारा नही कि जा रही है, जबकि नगर पालिका द्वारा कई बार कॉलोनी के रोड, माली का सर्वे कर माप लिया जाकर कर्मचारी चले जाते हैं। और कालोनी वासीया द्वारा भी कई बार भूलभूत सुविधा के लिए नगरपालिका के जिम्मेदारों को आवेदन, निवेदन किये गये हैं, लेकीन अब तक न.पा. द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया और न ही दिया जा रहा है।

नहर को लेकर ग्रामीणों ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

चाबी को लेकर शाम तक तहसील कार्यालय में डटे रहे किसान

अमरवाड़ा । सकरवाडा,रानीकामत और शारदा माई सालीवाडा के ग्रामीण किसानों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर देर शाम तक हल्ला बोल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बावजूद प्रशासन नहर खोलने को लेकर कोई भी निर्णय नहीं ले पा रहा था तदुपरांत तहसीलदार छवि पंत,थाना निरीक्षक मोहन सिंह मर्सकोले,नायब तहसीलदार सौरव मरावी,जल संसाधन विभाग एसडीओ, जेई बिजली विभाग ने आक्रोशित किसानों को देखते हुए संयुक्त बैठक करने के दौरान जलाशय का स्तर देखने एवं उपर्युक्त पानी की उपलब्धता होने पर उन्हें खोलने पर भी सहमति दी गई। विदित हो कि विगत तीन दिनों से किसान ज्ञापन सहित मांगों को लेकर चक्कर लगा रहे है। गुरुवार को ग्रामीणों ने तीसरी बार लगभग 11 बजे तहसील कार्यालय पहुंचकर मामले को लेकर पुनः प्रशासन को अवगत कराया। नहर खोलने की चाबी नपा कर्मियों द्वारा छुड़ा लेने के आरोप भी ग्रामीणों द्वारा लगाया गया। जिसको लेकर किसान देर शाम तक तहसील कार्यालय में बैठे रहे। विदित हो कि नगर पालिका द्वारा गर्मी में नगर में जल संकट ना हो इस हेतु नहर को बंद कराया गया है। बरहाल नपा अध्यक्ष सहित पार्षद एवं नपाकर्मीयों ने भी शुक्रवार को चक्काजाम,धरना प्रदर्शन करने की भी बात कही है।

श्री दादा साई बोरवेल वीटीसीए नागपुर ने डीसीए मेरठ को 23 रनों से हराकर खिताब अपने नाम किया

छिंदवाड़ा । प्रतियोगिता सचिव संदीप मालवीय व प्रतियोगिता उपाध्यक्ष नितिन खंडेलवाल ने बताया कि फाइनल मैच डीसीए मेरठ व दादा साई बोरवेल वीटीसीए नागपुर के मध्य खेला गया । पहले बल्लेबाजी करते हुए वीटीसीए नागपुर ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाएं । जिसमे 64 -64 रन वंदित जोशी व सिद्धेश वाड़ ने बनाये। डीसीए मेरठ के गेंदबाज सत्यम ने 4 विकेट लिए। 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीसीए मेरठ 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन ही बना सकी। डीसीए मेरठ के बल्लेबाज यशु प्रधान ने 32 व अनुराग गौतम ने 24 रन बनाए। वीटीसीए नागपुर के गेंदबाज जिया उल हक ने 3 व वंदित जोशी ने 2 विकेट लिए। मैच 23 रनों से वीटीसीए नागपुर ने जीतकर इंडियन ऑयल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया । मैच में अंपायर वीसीए से रजिस्टर्ड अंपायर मोनीश रामटेके व मनीष बंदेवार स्कोरर अभय मालवी व कमेंटेटर श्रान्त चन्देल रहे। आयोजन समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, उपाध्यक्ष एवं खेल मित्र नितिन खंडेलवाल, सचिव संदीप मालवीय, कोषाध्यक्ष प्रमोद मालवीय, सदस्य शैलेश करमरकर, भीष्म प्रताप चौहान, सपन सिंग, राजा खान, अंकित सिंग राजपूत, शेख तारिक, संतोष शर्मा, विशाल करमरकर, सचिन सहारे, अम्बर सूर्यवंशी, राजा विश्वकर्मा, अभय मालवी है। पुरुस्कार वितरण में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम महाजन जी, भाजपा के लोकसभा विस्तारक अशोक यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू, पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, नितिन खण्डेलवाल, दारा जुनेजा, रिम्पल सिंग भमरा, बंटी राय, चेरी राजपूत उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के हस्ते टूर्नामेंट का प्रथम पुरस्कार ?125000 व ट्रॉफी श्री दादा साई बोरवेल वीटीसीए नागपुर को प्रदान की गई । द्वितीय पुरस्कार ?65000 व ट्रॉफी डीसीए मेरठ को प्रदान की गई । व्यक्तिगत पुरुस्कार बेस्ट बेट्समेन 11000 रुपये सौरभ ठुबलीकर, बेस्ट बॉलर 11000 रुपये जिया उल हक, फाइनल मैच ऑफ द मैच वंदित जोशी को 5000 रुपये, मैन ऑफ द टूर्नामेंट वंदित जोशी को 21000 रुपये की राशि प्रदान की गयी।

फांसी पर लटका युवक

अमरवाड़ा। रामगोपाल पिता रामभरोस यादव उम्र 40 वर्ष निवासी हिबरखेड़ी ने मंगलवार की रात्रि में उसे फांसी पर लटका देखने पर उसकी पत्नी ने सुबह आकर सिंगोडी चौकी में सूचना देने पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

विभिन्न ग्रामों में पहुंची विकास यात्रा

विकास कार्यो का हुआ भूमिपूजन एवं लोकार्पण

छिंदवाड़ा । विकास यात्रा छिंदवाडा विधानसभा के छिंदवाड़ा ग्रामीण मंडल में ग्राम पंचायत माल्हनवाड़ा से प्रारंम्भ होकर अतरवाड़ा, भानादेही, सुसरई, सलैया, पिंडरईकला, धगड़िया, पुलपुलढोह, घोघरा में पहुंची एवं सभा हुई । विकास यात्रा के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय पटेल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष संतकुमार यदुवंशी, जिला सहकार्यालय मंत्री दिनेशकांत मालवीय, सत्येन्द्र चौधरी, सुशील चौधरी एवं सरपंच की उपस्थिति में ग्राम माल्हनवाड़ा में 14 लाख रूपये बनने वाले स्टाप डेम एवं ग्राम पुलपुलढोह में 15 लाख से बनने वाली चेक डेम का तथा सुसरई में लगभग 10 लाख की लागत से बनने नाडेप का भूमिपूजन किया गया व अमृतसरोवर डेम का लोकार्पण किया । इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनसेवा के कार्यो के माध्यम से जनता की सेवा करती है एवं भाजपा की जनहितैषी योजना पात्र लोगों तक पहुंचे इसके लिए सदैव तत्पर रहती है । भाजपा की सरकार जनहितैशी योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है । विकास यात्रा के दौरान ग्राम पंचायतों में पात्रता पर्ची, बीपीएल कार्ड, मिट्टी परीक्षण कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, स्थाई जाति प्रमाण पत्र, आयुष्यमान कार्ड वितरित किए गए

सनातन की रक्षा के लिए आज पैदल मार्च करेगा छिन्दवाड़ा

हाथों में होगा भगवा और तिरंगा

छिन्दवाड़ा । सनातन धर्म की रक्षा के लिए शुक्रवार की शाम दशहरा मैदान शिव महापुराण कथा स्थल से आठवें दिन की कथा के बाद शाम 5 बजे छिन्दवाड़ा पैदल मार्च करेगा आचार्य देवकी नंदन ठाकुर महाराज के आह्वान पर सनातन यात्रा में हजारो - हजार लोग शामिल होंगे पुरुष सफेद कुर्ता धोती और माताएं बहने लाल पीले वस्त्र में हाथो में तिरंगा और भगवा ध्वज लिए होंगी सनातन यात्रा को लेकर व्यापक तैयारी विवेक बंटी साहू के संयोजन में चल रही है यात्रा शाम 5 बजे दशहरा मैदान से शुरू होकर अनगढ़ हनुमान मंदिर ,फव्वारा चौक ,गोलगंज ,मेन रोड ,छोटा बाजार बड़ी माता मंदिर ,श्री राम मंदिर, मेन रोड ,पुराना छापा खाना ,बुधवारी बाजार ,मोहबे मार्केट ,मुख्य डाक घर होते हुए वापस दशहरा मैदान पहुँचेगी यह यात्रा सनातन की रक्षा के लिए भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने के शंखनाद को लेकर है सनातन शलाका पुरुष आचार्य देवकी नंदन ठाकुर महाराज यात्रा का नेतृत्व करेंगे सनातन के देश मे सनातन पर हो रहे हमले और सनातनियो की उपेक्षा के खिलाफ महाराज श्री का यह शंखनाद है जो लगातार 2024 तक जारी रहेगा

महाराज श्री ने आज कथा के आठवें दिन सनातन धर्म पर बोलते हुए कहा कि विज्ञान भले ही चंद्रमा और मंगल तक पहुंच गया लेकिन क्या कोई सूर्य पर जा सकता है क्या .? स्वर्ग तक विज्ञान की पहुंच है क्या ..?स्वर्ग के आगे दुनिया और भी है बैकुंठ ,ब्रम्हलोक, शिवलोक है पुरातन काल मे पृथ्वी के चक्रवर्ती राजाओं का स्वर्ग पर आना - जाना था देव -असुर संग्राम में देवता भी पृथ्वी के राजाओं की मदद लेते थे भगवान श्री राम के पिता राजा दशरथ चक्रवर्ती सम्राट थे उन्होंने देव -असुर संग्राम में असुरों को हराया था हमारा सनातन इतना सक्षम था लेकिन इतिहास कारो ने साजिश रचकर सनातन के इतिहास से ही सनातनियो को दूर कर दिया है

जो जिस भाषा मे समझेगा उस भाषा में जवाब

भारत देश मे मूर्ति तोड़ने ,मन्दिर तोड़ने ,ग्रंथ जलाने ,देवी ,देवताओं के खिलाफ अनाप -शनाप बोलने वालों को आड़े हाथों लेते हुए आचार्य देवकी नंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि सनातनी अब चुप नही बैठने वाले हैं जो जिस भाषा मे समझेगा उस भाषा मे जवाब देने के लिए तैयार है सनातनी जग जाओ अब भी वक्त है का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मंदिर तोड़े मूर्तिया तोड़े ग्रन्थ जलाए वे सुन ले हम सूर्य की पुजा करते हैं हम चंद्रमा की पुजा करते हैं पृथ्वी ,पहाड़ ,जंगल ,नदियों की पुजा करते हैं क्या तुम इनको मिटा सकते हो सत्य सनातन के अस्तिव को कोई मिटा पाया है ना मिटा सकता है ।

142 मरीजों के आंखों की जांच

परासिया । ग्राम भमोड़ी में ग्राम विकास समिति द्वारा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। समिति के संयोजक सरपंच विपिन श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष पुनीत पूरी ने बताया कि लायंस नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित शिविर में 142 लोगों के आंखों की जांच की गई उन्हें आवश्यकतानुसार निशुल्क दवाइयां वितरित की गई। मोतियाबिंद के चिन्हित 22 लोगों का निशुल्क ऑपरेशन नेत्र चिकित्सालय में कराया जाएगा। उन्हें दवाइयां और चश्मा भी निशुल्क प्रदान किया जाएगा। शिविर में पंचायत सचिव राजेश सेंगर, इकबाल अहमद, घनश्याम मरकाम, सागर सूर्यवंशी, आसिफ खान, श्वेता पटेल, सीएचओ सोनू रावतेल, एएनएम आशा काकोड़िया आशा कार्यकर्ता मीना बावरिया, अमरावती गौतम, सबीना नाज, किरण वर्मा, धीरज श्रीवास्तव, विजय कांत वर्मा, अनवार खान, ललित सूर्यवंशी, मनोहर राय, नितिन राय, मिथुन विश्वकर्मा ओमप्रकाश विश्वकर्मा राजा कठौते, विनोद निंबालकर सहित पंचगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत

कांग्रेस कार्यालय से भेंट किये नियुक्ति पत्र

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ एवं जिले के सांसद माननीय नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में नवनियुक्तियां की गई। प्रकोष्ठ को सक्रिय करने और प्रत्येक क्षेत्र में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिले के बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु तत्पर रहने वाले जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष मनोनीत किये गये। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे से परामर्श उपरांत जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने ब्लॉक अध्यक्षों को मनोनीत किया है।जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में अशोक पटेल को ब्लॉक अध्यक्ष ग्रामीण छिन्दवाड़ा, राहुल दुबे को जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में शहर अध्यक्ष एवं दुबेलाल वाडिवा को नगर निगम क्षेत्र छिन्दवाड़ा में ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। आज सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन से नियुक्ति पत्र जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओक्टे व शहर कांग्रेस अध्यक्ष पंकज शुक्ला के हस्ते प्रदान किये गये। इस अवसर पर राजीव तिवारी, हेमंत सिंह राजपूत, राजेन्द्र डोंगरे, नारू सोनी, जितेन्द्र सिंह चौहान, धीरज घोंगे, विजेन्द्र प्रसाद मिश्रा, अरविंद पटेल, कमलेश वाडिवा सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में पीपल, शहतूत और कचनार के पौधे रोपे

भोपाल। मुख्यमंत्री चौहान के साथ मिशन सस्टेनेबल इंडिया के नेशनल कन्वीनर सुनील कुमार तथा गृह शिक्षा केंद्र के सर्व राजा सोलंकी ,पीयूष सोलंकी, संजय रजक, राकेश रजक और सुश्री पल्लवी सोलंकी ने पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ अभिषेक बाजपाई तथा श्रीमती रिचा अभिषेक बाजपेई ने अपनी विवाह वर्षगांठ के उपलक्ष में पौधे लगाए। सर्व कुलदीप शुक्ला, कल्पेश शुक्ला और धनेंद्र शुक्ला भी पौधरोपण में सम्मिलित हुए।

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने रद्द किया कुबेश्वर धाम का दौरा

भोपाल। सीहोर वाले पंडित प्रदीप मिश्रा का प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को आशीर्वाद नहीं मिलेगा. दरअसल गुरुवार (16 फरवरी) से सीहोर के नजदीक कुबेश्वर धाम पर शुरू हुए रुद्राक्ष वितरण महोत्सव में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आने वाले थे, लेकिन महोत्सव में जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की वजह से इंदौर-भोपाल फोरलेन हाईवे पर सुबह से ही जाम की चपेट लग गया. बताया जा रहा है कि जाम की वजह से सीएम को अपना दौरा कैंसिल करना पड़ा.

सीएम के दौरे को लेकर कर ली गई थीं सभी तैयारियां- बता दें कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आगमन को लेकर महोत्सव स्थल पर सभी तैयारियां हो गई थीं. इछावर रोड पर हेलीपेड बनाया गया था, साथ ही राजधानी भोपाल से सीएम की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले अफसर व पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे लेकिन इंदौर-भोपाल हाईवे पर बने जाम के हालातों के चलते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अपना दौरा निरस्त करना पड़ा.

व्यवस्था बनाने में आ रही परेशानी- बता दें कि कुबेश्वर धाम पर आज से शुरू हुए सात दिवसीय आयोजन में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ की वजह से यहां पुलिस व प्रशासन को व्यवस्थाएं बनाए रखने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. कुबेश्वर धाम पर आए श्रद्धालुओं को सबसे अधिक परेशानी मोबाइल नेटवर्क ध्वस्त होने की वजह से आ रही हैं. श्रद्धालु यहां अपने परिजनों से बिछड़ रहे हैं. बच्चे व महिलाएं अपने परिजनों से बिछड़ने के बाद यहां रोते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि पुलिस ऐसे भूले भटकों की हरसंभव मदद कर रही है.

16 से 22 फर5वरी तक चलेगा आयोजन- सीहोर जिला मुख्यालय के नजदीक चितावलिया हेमा के कुबेश्वर धाम पर आज से सात दिवसीय रुद्राक्ष महोत्सव की शुरुआत हो चुकी है. कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही सीहोर में करीब आठ हजार से अधिक श्रद्धालु आ पहुंचे. श्रद्धालुओं की अधिकता के चलते इंदौर-भोपाल हाईवे पूरी तरह से जाम हो गया है. बताया जा रहा है हाईवे पर 20 किलोमीटर से अधिक लंबा जाम लगा है. महोत्सव स्थल पर कई नेता पंडित प्रदीप मिश्रा का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं. 18 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी यहां पहुंच सकते हैं.

व्यवस्थाओं में लगे अन्य संगठन- बता दें कि कुबेश्वर धाम पर व्यवस्थाएं संभालने के लिए पुलिस व प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ लगा हुआ है. इसके अलावा कुबेश्वर धाम पर अनेक समिति, बजरंग दल, हिन्दू उत्सव समिति के कार्यकर्ता भी व्यवस्था बनाने में लगे हैं. भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए धाम में पंडित प्रदीप मिश्रा ने बुधवार को रुद्राक्ष वितरण शुरू कर दिया था.

अधिकारी कर्मचारी संसद गठित

भोपाल। प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों की प्रमुख समस्याओं के निराकरण के लिए राज्य स्तरीय संसद का आयोजन मार्च माह में भोपाल में किया जाएगा इसके लिए अधिकारी कर्मचारी संसद का गठन किया गया है राज्य स्तरीय अधिकारी कर्मचारी संसद में मुख्य संरक्षक बीके शर्मा बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन सह संरक्षक इंजीनियर अशोक शर्मा मध्य प्रदेश राज्य पात्रित अधिकारी संघ संयोजक अशोक पांडे मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच उप संयोजक गिरीश तिवारी मध्य प्रदेश तकनीकी अधिकारी कर्मचारी संघ सह संयोजक अनिल बाजपाई सेमी गवर्नमेंट एम्पलाइज फेडरेशन राज्य स्तरीय सदस्य प्रमोद तिवारी मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी पेंशनर एवं संविदा कर्मचारी महासंघ को बनाया गया है राज्य स्तरीय अधिकारी कर्मचारी संसद में 21 सदस्य और मनोनीत किए जाएंगे जो केंद्र और राज्य सरकार से कर्मचारियों अधिकारियों की प्रमुख मांगों पर चर्चा करके निर्णय का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

मध्यप्रदेश कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि वर्तमान में प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों की कई प्रमुख मांगे वर्षों से लंबित हैं वित्तीय एवं चुनावी वर्ष होने के बावजूद सरकार से मांगों पर किसी प्रकार की वार्ता आज तक नहीं हो पाई है ना हीं ऐसा वातावरण निर्मित हो पाया है कि सरकार अधिकारी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से चर्चा करके मांगों का निराकरण करें प्रदेश का अधिकारी कर्मचारी मांग कर रहा है कि मांगों पर सरकार सकारात्मक चर्चा करके निर्णय करें ताकि अधिकारियोंकर्मचारियों को उनके अधिकार प्राप्त हो सके अधिकारियों कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण हो सके कर्मचारियों अधिकारियों की प्रमुख मांगे पदोन्नति प्रक्रिया प्रारंभ करना केंद्र के समान समस्त भत्तों का भुगतान करने पुरानी पेंशन योजना लागू करने वृत्ति कर समाप्त करने 8 वे वेतन आयोग का गठन।

मध्य प्रदेश साहू समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन 19 फरवरी को

भोपाल । मध्य प्रदेश साहू समाज का राष्ट्रीय युवक युवती परिचय सम्मेलन रविवार 19 फरवरी 2023 को रविंद्र भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस 15 वीं उड़ान पत्रिका में लगभग 1500 युवक युवतियों के बारे में जानकारी निशुल्क छापी गई है। आयोजन सुबह 11 बजे से 12 बजे भक्त शिरोमणि मां कर्मा बाई की आरती के साथ और समाज को स्वच्छता का संदेश नृत्य नाटिका के साथ शुरू किया जायेगा। इस दौरान भक्त शिरोमणि मां कर्मा बाई की जीवन लीला की प्रस्तुति बच्चों द्वारा की जाएगी। 12 से 3 बजे के बीच युवक युवतियां स्टेज पर अपना परिचय देंगे। 3 बजे से शाम 6 बजे तक समाज द्वारा समाज के गौरव सम्मान से सम्मानित विशिष्ठ व्यक्तियाँ को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही मध्य प्रदेश साहू समाज के जिन व्यक्तियाँ द्वारा उड़ान पत्रिका हेतु सहयोगी कारकर्ताओं का सम्मान भी मंच से किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य मंत्री शिवराज सिंह जी चौहान एवं कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग तथा मनोज शर्मा जी गुरुजी को इस कार्यक्रम की शोभा बड़ने के लिया आमंत्रित किया गया है।

संविदा कर्मचारियों का सम्मेलन 25 फरवरी को, जूटेंगे प्रदेश भर और सभी विभागों के संविदा कर्मचारी

भोपाल । राजधानी में 25 फरवरी को प्रदेश के सभी विभागों और उनकी परियोजनाओं में कार्यरत संविदा कर्मचारियों का प्रांतीय सम्मेलन राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान सभागृह वैशाली नगर, कोटरा सुल्तानाबाद में संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के तत्वाधान में आयोजित किया जायेगा । म.प्र. संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने बताया कि इस सम्मेलन के मुख्यअतिथि म.प्र. राज्य सामान्य वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा शिव कुमार चौबे जी रहेंगें, अध्यक्षता म.प्र. कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त शिवचौबे रहेंगे, विशिष्ट अतिथि नगर निगम परिषद भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और भाजपा प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी रहेंगें । इस सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न विभागों राज्य शिक्षा केन्द्र अंतर्गत समग्र शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मनरेगा, स्वच्छ भारत अभियान, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क विकास प्राधीकरण, आजीविका मिशन, राज्य जल मिशन, राजीव गांधी जलग्रहण मिशन, आईएववाय, आईएपी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, डीआरडीए , आईएलपी, शहरी विकास अभिकरण, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य मिशन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं यात्रिकी विभाग, कौशल विकास केन्द्र नगरीय प्रशासन विभाग, कुटीर एवं ग्रामोउद्योग विभाग, स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग संस्कृति एवं धार्मिक न्यास विभाग, वाणिज्यक कर विभाग सहकारिता विभाग सुशासन एवं प्रशासन विभाग, समस्त निगम मण्डल, योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग, पुलिस हाऊसिंग विभाग, मनरेगा एवं रोजगार सहायक, लोक निर्माण विभाग, आत्मा परियोजना, सामाजिक न्याय विभाग सहित अनेक विभागों के संविदा अधिकारी / कर्मचारी भाग लेंगें ।

महाशिवरात्रि पर 10 लाख श्रद्धालु पहुचेंगे महाकाल !

दावा- एक घंटे में कर सकेंगे दर्शन, अलसुबह 3 बजे खुलेंगे पट, 44 घंटे तक खुले रहेंगे

उज्जैन। 18 फरवरी यानी शनिवार को देशभर में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई जाएगी। इस पर्व पर उज्जैन के महाकाल मंदिर में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। महाकाल मंदिर समिति का दावा है कि करीब एक घंटे में भक्तों को दर्शन करा दिए जाएंगे। अगर आप भी महाशिवरात्रि पर महाकाल के दर्शनों के लिए आने वाले हैं, तो तैयारियों को जान लीजिए, जिससे आपको परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जैसे- कहां पर आप वाहन पार्क कर सकेंगे। मंदिर तक पहुंचने में कितना समय लग सकता है।

महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद महाकाल मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार महाशिवरात्रि पर यहां आने वाले भक्तों की संख्या का रिकॉर्ड टूटेगा। खास है कि इस बार महाकाल मंदिर के पट सुबह खुलने के बाद से ही आम श्रद्धालुओं के दर्शन शुरू हो जाएंगे। इस दौरान भक्त चलित भस्म आरती के दर्शन करते हुए तीन अलग-अलग द्वार से बाहर होंगे। रात 10 बजे गर्भगृह में विशेष पूजन अर्चन शुरू होगा, जिसमें महाकाल को दूल्हा बनाया जाएगा। इससे पहले पंडे-पुजारी दूध, दही, घी, शहद सहित विभिन्न फलों के रस से महाकाल का अभिषेक करेंगे।

शिवरात्रि पर होगा भगवान का विशेष रुद्राभिषेक

भोपाल। मां वैष्णो धाम आदर्श मा दुर्गा मंदिर पर शिवरात्रि के महा पर्व पर भगवान पशुपतिनाथ का 21 लीटर दूध से रुद्राभिषेक किया जाएगा कई प्रकार के फलों के रस से भगवान को स्नान कराया जाएगा दूध दही घी शहद शक्कर पंचामृत कई प्रकार के फलों रसों से भगवान का रुद्राभिषेक विधि विधान से हुआ मां वैष्णो धाम आदर्श नौ दुर्गा मंदिर पर पिछले 8 वर्षों से निरंतर रुद्राभिषेक प्रतिदिन किया जा रहा है यहां भगवान शिव शक्ति समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं शिवरात्रि पर रुद्राभिषेक प्रातः 8~00 बजे से प्रारंभ होगा है उसके पश्चात यह क्रम दिन भर निरंतर चलता रहेगा ।

कोर्टयार्ड बाय मैरियट में 10 दिवसीय 'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल आरंभ

भोपाल। यदि आप खट्टी, मीठी और चटपटी नॉर्थ इंडियन डिशेज का शौक रखने वाले फूड लवर हैं, तो आपको कोर्टयार्ड बाय मैरियट के मल?टी कुजिन रेस?टारेंट- मोमो कैफे ङ्क को विजिट करना चाहिए। यहां आज से 26 फरवरी तक शाम 7.30 से रात 11 बजे के बीच 'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। इस फूड फेस्टिवल में आप दिल्ली, लुधियाना, जालंधर और अमृतसर जैसे शहरों के लजीज व?यंजनों का मजा ले सकेंगे।

'दिल्ली टू पंजाब' फूड फेस्टिवल की जानकारी आज आयोजित एक पत्रकार वार्ता में साझा करते हुए श्री राकेश उपाध्याय, जनरल मैनेजर, कोर्टयार्ड बाय मैरियट, भोपाल ने कहा, ÷उत्तर भारतीय व्यंजन- विशेष रूप से दिल्ली और पंजाब के व्यंजन सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय भारतीय व्यंजनों में से एक हैं। इन?हें तैयार करने की सैकडों साल पुरानी पारंपरिक विधियां और विशेष रूप से तंदूरी शैली इन?हें एक अलग स?वाद और पहचान देती हैं। ये डिशेज चाहे शाकाहारी हों या फिर मांसाहारी अपने स?वाद का जादू व?यंजनप्रेमियों के दिलोदिमाग पर जरूर छोडती हैं।

दुबई में दिया फाउंडेशन के समारोह में मुख्य अतिथि शेख नाह्यान और डॉ. वैदिक के साथ डॉ. एस.सी. मनचंदा, उद्योगपति अबू सबाह तथा सर्गेइ मिलेनियम।

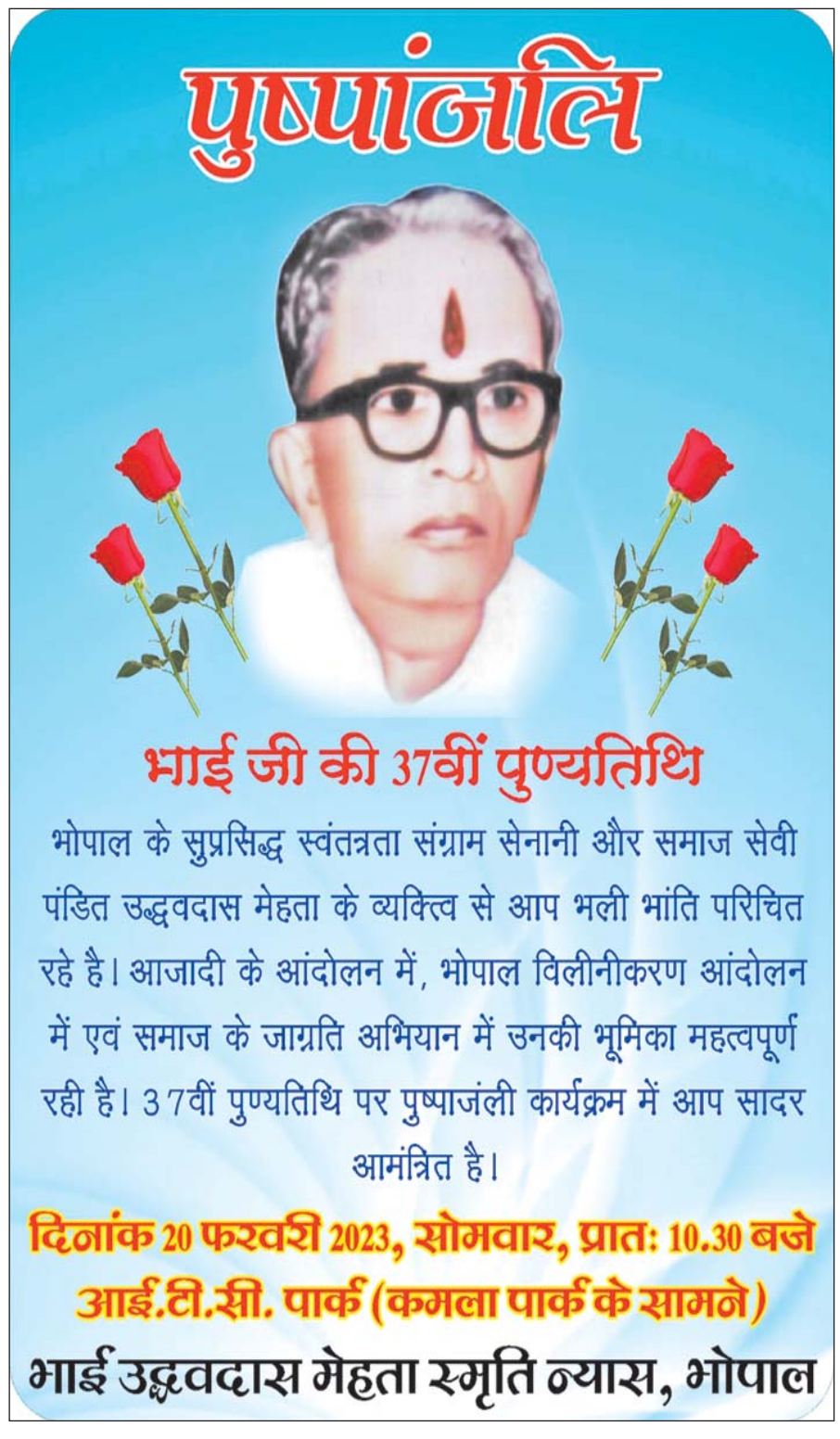

4 लाख की रिश्वत लेते विधायक गिरफ्तार

भटिंडा। पंजाब से एक बड़ी खबर आ रही है। वहां भटिंडा के आम आदमी पार्टी के विधायक अमित रतन कोटफत्ता को विजिलेंस ने ?400000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। एक महिला सरपंच के पति से पंचायत का बिल पास करने के बदले विधायक के पीए रेशम सिंह ने यह रिश्वत ली थी। विजिलेंस टीम ने दोनों को ट्रैप कर अरेस्ट कर लिया है। विधायक की गाड़ी से पैसे भी बरामद हो गए हैं।

बता दें कि यह विधायक अकाली दल से आप में शामिल हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम घुद्दा की सरपंच सीमा रानी के पंचायत में हुए काम के पैसे और अनुदान का भुगतान किया जाना था जिसको लेकर विधायक के पीए रेशम सिंह ने उनसे ?400000 की रिश्वत मांगी थी। नियम के मुताबिक क्चष्ठह्र को यह राशि रिलीज करना था लेकिन बताया गया है कि विधायक के कथित दबाव की वजह से वह पैसे रिलीज नहीं कर रहा था।

जानकारी के मुताबिक चर्चा के बाद आज रिश्वत की राशि देना तय हुआ था। रेशम सिंह ने रिश्वत की रकम लेकर गाड़ी में रख ली। विधायक गाड़ी से उतरकर कुछ लोगों से बातचीत कर रहे थे।

ष्ठस्क्क संदीप सिंह की अगुवाई में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के दौरान पीए ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके बाद विधायक को भी हिरासत में ले लिया गया है। दोनों को सर्किट हाउस में बिठाकर पूछताछ की जा रही है।

इस संबंध में सरपंच सीमा रानी जिसे पैसे देने के लिए दबाव डाला जा रहा था, के पति प्रितपाल कुमार ने बताया कि बीडीओ दफ्तर वाले हमें 4 साल से तंग कर रहे थे। हमने कभी इनको हिस्सा नहीं दिया था। इसके बाद हमने भटिंडा के विधायक अमित रतन को बताया। हमने काम पूरे किए हैं लेकिन रुपए का भुगतान नहीं हुआ है। विधायक को हमने बताया कि हमारे 2500000 रुपए पेंडिंग है। इस पर विधायक ने पूछा कि हमें क्या दोगे? हमने कहा आज तक किसी को पैसे नहीं दिए। विधायक ने कहा ऐसा नहीं है पैसा रिलीज करवाना है, काम करवाना है तो पैसा देना होंगे। चर्चा के बाद विधायक ने 500000 में पूरी पेमेंट करवाने का सौदा कर लिया।

इसी संदर्भ में आज जब राशि का भुगतान विधायक के ड्राइवर को किया गया तो विजिलेंस की टीम ने छापा मारकर कार्रवाई की।

बता दें कि आप सरकार के दो मंत्री इन 11 महीनों में बर्खास्त किए जा चुके हैं। पहले हेल्थ मिनिस्टर विजय सिंगला को बर्खास्त किया गया। उन पर ठेकेदार से काम के बदले कमीशन मांगने के आरोप लगे। इसके बाद दूसरे मंत्री फौजा सिंह सरारी का रिश्वत की सेटिंग का मामला सामने आया जिसमें वह किसी से बात करते हुए पैसे लेने के बारे में प्लानिंग कर रहे थे। इसकी शिकायत भी पार्टी के भीतर पहुंची। इसी संदर्भ में उन्हें मंत्रिमंडल से निकाल दिया गया।

ऐसे में अब यह देखना दिलचस्प होगा कि रिश्वत लेते पकड़ाए विधायक का आप पार्टी में अब क्या भविष्य होगा।